@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 27 नवंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 20 अंक 19 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

उपराष्ट्रपति ने सभी 22 अनुसूचित भाषाओं में संविधान के अद्यतन संस्करण जारी किए



राधाकृष्णन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय भाषाओं और ज्ञान परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया।

एजेंसी

नई दिल्ली । उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने गुरुवार को संविधान दिवस के अवसर पर विज्ञान भवन में भारत के संविधान के सभी 22 अनुसूचित भाषाओं में अद्यतन संस्करण जारी किए। उन्होंने कहा कि सभी अनुसूचित भाषाओं में संविधान की उपलब्धता 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को प्रतिबिंबित करती है और देश की भाषाई विविधता तथा लोकतांत्रिक समावेशिता का उत्सव है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि संविधान को नागरिकों की मातृभाषा में उपलब्ध कराने से वे अपने संवैधानिक अधिकारों, कर्तव्यों और मूल्यों को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे। इससे शासन और नागरिकों के बीच दूरी कम होगी तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में लोगों की भागीदारी और मजबूत होगी। उन्होंने इस अवसर को भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का ऐतिहासिक पड़ाव बताते हुए संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर और संविधान सभा के अन्य सदस्यों का श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। उन्होंने कहा कि संविधान केवल कानूनी दस्तावेज नहीं है बल्कि यह राष्ट्र की जीवंत आत्मा है। उन्होंने कानून एवं न्याय मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल और उनकी टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इन प्रयासों से संविधान को आम लोगों के और करीब लाने में मदद मिलेगी। यह भारत की भाषाई और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

राधाकृष्णन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय भाषाओं और ज्ञान परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ज्ञान भारतम और काशी तमिल संगमम जैसी पहल भारत की सभ्यतागत विरासत को सुरक्षित रखने और विभिन्न क्षेत्रों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत की ताकत उसकी विविधता में निहित है। भाषाएं केवल संवाद का माध्यम नहीं हैं बल्कि वे संस्कृति, परंपरा और पहचान की वाहक भी हैं। उन्होंने सभी भारतीय भाषाओं के प्रति समान सम्मान का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मातृभाषा से विशेष लगाव होता है लेकिन दूसरों की भाषाओं और मातृभाषाओं का सम्मान करना भी उतना ही जरूरी है।

संविधान निर्माताओं द्वारा दिया गया यह ग्रंथ भारतीय लोकतंत्र की एक अमूल्य विरासत है : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने संविधान दिवस पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं



एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को संविधान दिवस के अवसर पर समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उनकी ओर से साझा एक संस्कृत सुभाषितम् में इस बात को रेखांकित किया गया है कि विद्वानों द्वारा गहन विचार-विमर्श के बाद बनाई गई नीतियां और सिद्धांत चिरस्थायी होते हैं।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, इस पावन अवसर पर संविधान के शिल्पकार बाबासाहेब डॉ. बी.आर. अंबेडकर एवं संविधान सभा की समस्त महान विभूतियों को मेरा नमन एवं वंदन। यह दिन हमारे संविधान निर्माताओं को श्रद्धांजलि देने और इसमें निहित मूल्यों को मजबूत करने के संकल्प को दोहराने का अवसर है। संविधान निर्माताओं द्वारा दिया गया यह ग्रंथ भारतीय लोकतंत्र की एक अमूल्य विरासत है। संविधान के आदर्श और मूल्य 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने में राष्ट्र का निरंतर मार्गदर्शन करते रहेंगे। प्रधानमंत्री ने एक संस्कृत सुभाषितम भी साझा किया, बहुधा बहुभिः सार्धं चिन्तिताः सुनिरूपताः। कथञ्चिन्न विलियन्ते विद्वद्भिश्चिन्तिता नयाः जिसका भावार्थ है कि विद्वानों द्वारा अनेक लोगों के साथ मिलकर भली-भाँति विचार और विवेचन कर निर्धारित की गई नीतियाँ किसी भी परिस्थिति में नष्ट नहीं होतीं।

सार संक्षेप

सपा के घोषणापत्र पर भाजपा-जदयू का हमला

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर समाजवादी पार्टी की तैयारियों पर भाजपा और जदयू ने तीखा हमला बोला है। संविधान दिवस के मौके पर सपा द्वारा जनमन का घोषणापत्र और पीडीए का प्रमाण पत्र जारी किए जाने पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि सपा के वादों पर अब उत्तर प्रदेश की जनता को भरोसा नहीं रहा। लखनऊ में आईएएनएस से बातचीत में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सपा चाहे कोई भी घोषणापत्र ले आए, यहां तक कि पूरा सैफई भी अगर यह कह दे कि वह उत्तर प्रदेश के लोगों के नाम लिख देगा, तो भी प्रदेश की जनता सपा पर विश्वास करने वाली नहीं है। सपा आने वाली नहीं है और भाजपा जाने वाली नहीं है।

तिरुपति में चेन्नई के दंपती ने 121 किलो सोना चढ़ाया

चेन्नई । तिरुमला के तिरुपति मंदिर में चेन्नई के एक भक्त ने गुरुवार को 121 किलो सोने के आभूषण दान किए। इनकी कीमत करीब 208 करोड़ रुपए है। यह दान वर्धमान जैन और उनकी पत्नी राधिका जैन ने दिया है। दान मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की मौजूदगी में हुआ। दान में 9 सेट में रखे 45 जेवर और 238.2 कैरेट के हीरे शामिल हैं। दंपती ने मंदिर में भगवान वेंकटेश का मुकुट और पैरों के आभूषण भी चढ़ावे में दिए। टीटीडी के मुताबिक, तिरुमला में भगवान वेंकटेश्वर को किसी एक भक्त की ओर से दिया गया यह अब तक का सबसे बड़ा चढ़ावा है।

बाल विवाह के खिलाफ योगी सरकार का निर्णायक अभियान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मानजनक भविष्य को लेकर सामाजिक बदलाव की मुहिम को नई धार दे रही है। बाल विवाह जैसी कुरीति के विरुद्ध अब विद्यालयों को जनजागरण का सशक्त केंद्र बनाया जा रहा है। इसी क्रम में 27 नवंबर दिन शुक्रवार को प्रदेश के उच्च प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में विशेष जागरूकता और सामूहिक शपथ कार्यक्रम आयोजित होंगे।

एस जयशंकर ने मॉरीशस के विदेश मंत्री से की मुलाकात

विशेष आर्थिक पैकेज की प्रगति की समीक्षा

जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मुलाकात का वीडियो साझा किया।



एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को मॉरीशस के विदेश मंत्री धनंजय रामफल के साथ यहां मुलाकात कर दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों और विशेष आर्थिक पैकेज के तहत हुई प्रगति की समीक्षा की। दोनों नेताओं ने भारत और मॉरीशस के बीच उन्नत रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा मॉरीशस की विकास प्राथमिकताओं में सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई।धनंजय रामफल 27 नवंबर को होने वाली 25वीं हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (आईओआरए) मंत्रिपरिषद की बैठक से शामिल होने के लिए नई दिल्ली आए हुए हैं। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मुलाकात का वीडियो साझा करते हुए कहा कि मॉरीशस के विदेश मंत्री धनंजय रामफल से मिलकर उन्हें काफी प्रसन्नता हुई। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के प्रमुख क्षेत्रों की समीक्षा की, जिसमें विशेष आर्थिक पैकेज के तहत हुई प्रगति भी शामिल है।विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि दोनों पक्षों ने भारत और मॉरीशस के बीच उन्नत रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इसके साथ ही भारत की विजन महासागर और पड़ोसी प्रथम नीति के तहत मॉरीशस की विकास प्राथमिकताओं को समर्थन देने पर सहमति जताई। उल्लेखनीय है कि भारत और मॉरीशस के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंध रहे हैं। हिंद महासागर क्षेत्र में दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी समुद्री सुरक्षा, क्षेत्रीय सहयोग और विकास संबंधी गतिविधियों के लिहाज से महत्वपूर्ण है।

बंगाल के विकास के लिए केंद्र देगा एक लाख करोड़ रुपये तक की मदद : नितिन गडकरी

इन परियोजनाओं की कुल लागत 8,700 करोड़ से अधिक बताई गई।



इसी क्रम में दामोदर नदी पर करीब छह किलोमीटर लंबे चार लेन पुल के निर्माण के लिए 300 करोड़ की परियोजना का ऐलान किया गया। इस पुल के बनने से नदी के दोनों किनारों के बीच आवागमन आसान होगा और क्षेत्रीय सड़क संपर्क को मजबूती मिलेगी।

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सड़क, पुल और राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास को नई गति देने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा ऐलान किया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को पूर्व मेदिनीपुर जिले के कोलाघाट में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि बंगाल के विकास के लिए केंद्र सरकार धन की कोई कमी नहीं होने देगी। राज्य में सड़क और आधारभूत ढांचे के विकास के लिए करीब एक लाख करोड़ तक की राशि उपलब्ध कराने का आश्वासन देते हुए उन्होंने कई नई सड़क और पुल परियोजनाओं की घोषणा की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की अध्यक्षता में 22 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं से जुड़े उद्घाटन एवं शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन परियोजनाओं की कुल लागत 8,700 करोड़ से अधिक बताई गई। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बंगाल में सड़क कनेक्टिविटी मजबूत करना, औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना, आवागमन को सुविधाजनक बनाना और सड़क दुर्घटनाओं को कम करना केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। नितिन गडकरी ने अपने संबोधन में रामपुरहाट से सिंचुरा तक लगभग 15 किलोमीटर लंबी चार लेन सड़क के निर्माण की घोषणा की। इस परियोजना पर करीब 75 करोड़ खर्च होने का प्रस्ताव है। इसके अलावा मालदा से दुर्गापुर सड़क परियोजना के लिए 750 करोड़ की लागत का भी उल्लेख किया। इन परियोजनाओं के पूरा होने से यात्रियों के साथ-साथ मालवाहक वाहनों की आवाजाही भी अधिक सुगम होने की उम्मीद है। उन्होंने माल बाजार, गुर्जन, चोड़ा माल और नेवरा क्षेत्र में लगभग 6 किलोमीटर लंबे पुल तथा चार लेन सड़क के निर्माण के लिए 375 करोड़ रुपये की परियोजना की घोषणा की।

पंजाब की महिलाएं घर के पुरुषों को "आप" को वोट देने के लिए करें तैयार: केजरीवाल

कौमी पत्रिका

पंजाब/नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ने पार्टी के स्थापना दिवस पर पंजाब के मोंगा में आयोजित 'खुशहाल पंजाब' महारैली में उमड़ी लाखों की भीड़ को संबोधित कर चुनाव का शंखनाद कर दिया। लोगों का प्यार देखकर उत्साहित अरविंद केजरीवाल ने 2027 में एक बार फिर भगवंत मान के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी की सरकार बनाने का आह्वान किया। उन्होंने महिलाओं से कहा कि आप सभी भगवंत मान को दोबारा मुख्यमंत्री बनाने के लिए वोट जरूर देंगी, लेकिन मेरी अपील है कि आप अपने घर के पुरुषों को भी आम आदमी पार्टी को वोट देने के लिए मनाएं। मावां-धीयां, 10 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा, फ्री बिजली, तीर्थ यात्रा समेत अन्य योजनाएं जारी रखने के लिए एकमात्र शर्त यह है कि भगवंत मान को फिर से मुख्यमंत्री बनाएं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मोदी सरकार पूरे देश को महंगाई की मार दे रही है। सीएम भगवंत मान ने हजार रुपए इस महंगाई की



मार से लड़ने के लिए बड़ा सहारा दिया है। पांच साल के अंदर सीएम भगवंत मान ने मेरी सारी चुनावी गारंटियां भी पूरी करके दिखाई है। उन्होंने कांग्रेस, अकाली, भाजपा से सवाधान करने की अपील करते हुए कहा कि इन्होंने घोषणा कर दी है कि अगर ये सरकार में आए तो भगवंत मान सरकार की चल रही सारी योजनाएं बंद कर देंगे। पंजाब के लोग दिल्ली से सीख ले सकते हैं। आज दिल्ली के लोग भाजपा को वोट देकर पछता रहे। भाजपा सरकार ने "आप" सरकार की सारी योजना बंद कर दी है। रैली को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को बाबा साहब डॉ. अंबेडकर ने संविधान बनाया था और 26 नवंबर 2016 को आम आदमी पार्टी का स्थापना हुआ था। यह कोई संयोग नहीं है। मुझे लगता है कि ऊपर वाले का इशारा है कि आज जिस तरह हमारे देश में संविधान को रौंदा जा रहा है, संविधान को कुचला जा रहा है और अपमान किया जा रहा है, ऊपर वाले ने 26 नवंबर को आम आदमी पार्टी की स्थापना करके संविधान बचाने की जिम्मेदारी आम आदमी पार्टी को दी है। 1949 में बाबा साहब अंबेडकर ने कहा था, "सबकी बराबरी" और 26 नवंबर 2012 को आम आदमी पार्टी ने जिम्मेदारी ली और कहा है, अब आम आदमी की बारी। अब देश को नेता नहीं, आम आदमी चलाएगा। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी को पंजाब सरकार चलाते हुए 5 साल हो गए। 5 साल पहले 2022 के चुनाव में मैंने पंजाब को कुछ गारंटी दी थी। केजरीवाल की गारंटी मतलब धोखा नहीं, पक्की गारंटी। भगवंत मान ने मेरी सारी गारंटी पूरी कर दी है। फ्री बिजली देने की गारंटी दी थी, आज सबको फ्री बिजली मिल रही है। तीर्थयात्रा करा रहे, मोहल्ला क्लीनिक बन गए। हमने फ्री इलाज कराएंगे, सबका 10 लाख का स्वास्थ्य बीमा बन गया है। हमने शिक्षा अच्छी करने की गारंटी दी, आज कई स्कूल अच्छे हो गए हैं। अभी कई और स्कूल अच्छे होने बाकी हैं। अगले 5 साल में बचे हुए स्कूलों को भी शानदार बनाएंगे।

शेष पृष्ठ 3 पर

यूपी चुनाव 2027: जनसत्ता दल ने जारी की पहली सूची

कुंडा से मैदान में उतरे राजा भैया



एजेंसी

लखनऊ । जनसत्ता दल ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव-2027 की तैयारियों के बीच गुरुवार को तीन विधानसभा क्षेत्रों के लिए अपने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी। पार्टी ने कुंडा सीट से अपने प्रमुख नेता और विधायक रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भैया' को उम्मीदवार बनाया है। पार्टी के आधिकारिक बयान के अनुसार, विधानसभा क्षेत्र कुंडा (246) से विधायक कुंवर रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भैया' चुनाव लड़ेंगे। वहीं, बाबागंज (245) सीट से विधायक विनोद सरोज को प्रत्याशी घोषित किया गया है। इसके अलावा विश्वनाथगंज/प्रतापगढ़ (247) सीट से जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि कुलदीप पटेल को उम्मीदवार बनाया गया है। जनसत्ता दल ने विधानसभा चुनाव-2027 को देखते हुए यह पहली प्रत्याशी सूची जारी की है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि इन क्षेत्रों में उसके उम्मीदवार मजबूत स्थिति में हैं और संगठन चुनावी तैयारियों में जुट गया है।

सीजेपी नेता सौरव दास के खिलाफ लुकआउट नोटिस

सरकार बोली- पासपोर्ट पर पिता के नाम का कॉलम खाली, जन्मस्थान और पते में भी फर्क

एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास फिलहाल विदेश यात्रा नहीं कर सकेंगे। केंद्र सरकार ने गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट को बताया कि उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (LOC) जारी किया गया है।सरकार के मुताबिक, उनके पासपोर्ट में पिता के नाम का कॉलम खाली है। इसके अलावा जन्मस्थान, पढ़ाई और पते से जुड़ी जानकारियों में भी अंतर मिला है। सरकार ने कहा कि इन गड़बड़ियों का असर उनकी नागरिकता पर भी पड़ सकता है।दरअसल, 23 नवंबर को सौरव को दिल्ली एयरपोर्ट पर लंदन जाने वाली फ्लाइट में चढ़ने से रोक दिया गया था। उन्हें ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी में 'कॉकरोच मूवमेंट' पर बोलना था। इसके बाद 24 नवंबर को सौरव दास ने विदेश जाने से रोके जाने के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। सुनवाई के दौरान केंद्र ने बताया कि उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है।

हरमीत सिंह कालका और जगदीप सिंह काहलों ने परमजीत सिंह सरना पर बोला तीखा हमला

पूछा—बेअदबी के मामले में जाकर एक सिख के तौर पर आवाज बुलंद करना कहां का गुनाह है? बोलने से पहले याद रखें, जैसी भाषा का इस्तेमाल करेंगे, वैसा ही जवाब मिलेगा।

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 26 नवंबर। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों ने अकाली दल बादल के नेता परमजीत सिंह सरना पर तीखा हमला करते हुए कहा कि वह उनके (हरमीत सिंह कालका और जगदीप सिंह काहलों) बारे में यह झूठ बोल रहे हैं कि उन्होंने श्री अकाल तख्त साहिब या श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि सच्चाई यह है कि सरना ने हमेशा श्री अकाल तख्त साहिब का विरोध किया है और दो-दो संक्रांतियां तथा दो-दो गुरुपर्व मनाए हैं। यहां मीडिया से बातचीत करते हुए सरदार कालका और सरदार काहलों ने कहा कि यह बेहद हैरानी की बात है कि आज सरदार परमजीत सिंह सरना संगत को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि हमने जत्थेदार साहिब से मिलने का समय मांगा है, ताकि पूरी स्थिति स्पष्ट हो सके। उन्होंने कहा कि जहां कहीं भी बेअदबी हुई हो, वहां जाकर एक सिख के तौर पर आवाज बुलंद करना दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के सदस्यों की जिम्मेदारी बनती है। उन्होंने कहा कि बीबी रणजीत कौर और सरदार रमिंदर सिंह स्वीटा ने अपनी जिम्मेदारी निभाई है। श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी पर्व के समापन समागमों के अवसर पर बड़े कार्यक्रम आयोजित होने हैं, जिनके लिए हमें इन सदस्यों की सेवाओं की आवश्यकता है। इसी कारण हमने जत्थेदार साहिब से जल्द मिलने का समय मांगा है। उन्होंने कहा कि सरदार सरना शायद यह भूल गए हैं कि उन्होंने 20 वर्षों तक अकाली दल और भाजपा दोनों का विरोध किया है, लेकिन आज अचानक ही गठबंधन के पक्ष में बयानबाजी शुरू कर दी



है। उन्होंने कहा कि सरना को यह नहीं भूलना चाहिए कि उन्होंने कौन-कौन से ऐसे पाप किए हैं, जो क्षमा योग्य नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हम दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के प्रबंधक के तौर पर संगत की भावनाओं के अनुरूप कार्य कर रहे हैं, लेकिन सरना का हमेशा से यही काम रहा है कि वह पंथक संस्थाओं को बदनाम करते रहे हैं और अब भी कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आपको जो नौकरी मिली है, वह कोई पक्की नौकरी नहीं है, बल्कि आपको दिहाड़ी पर रखा गया है। उन्होंने कहा कि वह संगत के समक्ष वह वीडियो भी पेश करेंगे, जिसमें सरना कह रहे थे कि वह बादलों की समाधियों तक भी नहीं जाएंगे, लेकिन बार-बार अपने बयानों से पलटकर वह संगत को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संगत ने आपको पिछले 14 वर्षों से घर बैठाया हुआ है। वह याद रखें कि जैसी शब्दावली का इस्तेमाल करेंगे, उन्हें वैसा ही जवाब भी मिलेगा।

छठ पर्व पर अश्लील कॉमेडी मामले में दिल्ली पुलिस की कार्रवाई, कॉमेडियन के खिलाफ एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार की महिलाएं, छठ पर्व और सिंदूर लगाने पर किए गए अश्लील कॉमेडी मामले में दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। दिल्ली के साकेत पुलिस स्टेशन में स्टैंड-अप कॉमेडियन यश माहेश्वरी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। बिहार की महिलाओं और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से जुड़ी कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर विवाद हुआ था। शिकायतकर्ता निलोटपाल मृणाल ने साकेत थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप है कि 24 अक्टूबर को साकेत स्थित एक क्लब में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बिहार की महिलाओं, उनकी गरिमा, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां की गईं। शिकायत में कॉमेडियन यश माहेश्वरी, कार्यक्रम के आयोजकों और कॉमेडी क्लब के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।



शिकायतकर्ता ने कार्यक्रम की वीडियो रिकॉर्डिंग, सोशल मीडिया पोस्ट और अन्य डिजिटल सामग्री की जांच की मांग की है। एफआईआर में बीएनएस की धारा 79, 196, 296 और 352 लगाई गई हैं। पुलिस कार्यक्रम की वीडियो रिकॉर्डिंग और अन्य साक्ष्यों की जांच करेगी। बता दें कि इससे पहले पटना के साइबर थाने में भी उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हो चुकी है। विवाद बढ़ने के बाद यश माहेश्वरी ने संबंधित वीडियो हटाने, सोशल मीडिया अकाउंट निष्क्रिय करने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की बात कही है। छठ महापर्व देश के प्रमुख लोकपर्वों में से एक है, जिसे खासतौर पर बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के कुछ हिस्सों में बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। छठ पूजा की सबसे खास बात यह है कि इसमें उगते सूर्य के साथ-साथ डूबते सूर्य को भी अर्घ्य दिया जाता है। हिंदू धर्म में सूर्यदेव को प्रत्यक्ष देवता माना गया है। सूर्य से ही पृथ्वी पर प्रकाश, गर्मी और ऊर्जा मिलती है। पेड़-पौधों से लेकर इंसानों और दूसरे जीवों तक, सभी का जीवन सूर्य पर निर्भर करता है। यही वजह है कि प्राचीन समय से ही सूर्य की उपासना करने की परंपरा चली आ रही है। छठ पूजा में डूबते सूर्य को अर्घ्य देना इसी कृतज्ञता और सम्मान की भावना को दर्शाता है।

चांदनी चौक स्थित फतेहपुरी मस्जिद के पास गोलीबारी में एक जख्मी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुरानी दिल्ली में चांदनी चौक स्थित शाही फतेहपुरी मस्जिद के बाहर कुछ लड़कों के बीच हुए झगड़े के दौरान गोलीबारी में एक शख्स जख्मी हो गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बुधवार देर रात कुछ लड़को में झगड़ा हुआ था, जिस दौरान एक गोली चली जो एक व्यक्ति के पैर में लगी और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह घटना मुगलकालीन मस्जिद के कटरा बाड़ियान के गेट की तरफ हुई। उन्होंने बताया कि जख्मी की हालत ठीक है। भीड़भाड़ वाले इलाके में गोलीबारी की सूचना मिलने के बाद पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) निहारिका भट्ट समेत वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। साथ में अपराध दल और फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की टीमें भी पहुंचीं और उन्होंने मौके से जरूरी सबूत इकट्ठा किए। पुलिस ने बताया कि टीम आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही हैं और सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही हैं। पुलिस ने बताया कि इस बाबत लाहौरी गेट थाने में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है और घटना में शामिल लोगों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

एसकेएम के जंतर-मंतर विरोध मार्च की अनुमति नहीं दी गई : दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) और अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा प्रस्तावित विरोध मार्च से पहले दिल्ली पुलिस ने बृहस्पतिवार को निषेधाज्ञा लागू होने का हवाला देते हुए नई दिल्ली जिले में अनधिकृत रूप से सभा और प्रदर्शन करने पर रोक लगा दी है। पुलिस द्वारा जारी एक सार्वजनिक नोटिस में कहा गया है कि ऐसी सूचना मिली है कि संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) और अन्य कार्यकर्ता बृहस्पतिवार को काली बाड़ी से जंतर-मंतर तक मार्च निकालने की योजना बना रहे हैं। नोटिस में कहा गया, ''हालांकि, इस प्रस्तावित मार्च की अनुमति मांगने के लिए कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है और न ही इसके लिए कोई अनुमति दी गई है।'' पुलिस ने बताया कि नई दिल्ली जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू है। इस आदेश के तहत अनधिकृत रूप से सभा करने, जुलूस निकालने, प्रदर्शन करने, भाषण देने, नारेबाजी करने और धरना देने पर प्रतिबंध लगाया गया है। पुलिस ने लोगों से इन प्रतिबंधों का पालन करने का आग्रह किया और चेतावनी दी कि इनका उल्लंघन करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में नशा तस्करी पर बड़ी कार्रवाई, 283 ग्राम हेरोइन के साथ पति-पत्नी समेत तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने नशा तस्करी के खिलाफकार्रवाई करते हुए पति-पत्नी समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 283.61 ग्राम हेरोइन (स्मैक) बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब एक करोड़ रुपये आंकी है। आरोपियों के पास से तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक टीवीएस मोटरसाइकिल भी जब्त की है। डीसीपी उत्तर-पश्चिम जिला आकांक्षा यादव के नेतृत्व में यह कार्रवाई की है।

तीन संदिग्धों को टीम ने दबोचा- पुलिस के अनुसार, 18 नवंबर को गुप्त सूचना के आधार पर एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम ने हैदरपुर विलेज मेट्रो स्टेशन के पास आउटर रिंग रोड पर जाल बिछाया। दोपहर करीब 2:35 बजे मौके पर पहुंचे तीन संदिग्धों को टीम ने दबोच लिया। वहीं, इनमें चिरंजी लाल उर्फमनीष (29 वर्ष), उसकी पत्नी इशिका (22 वर्ष) और अरमान उर्फअमन (18) शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, अरमान कथित तौर पर नशे की खेप लेने पहुंचा था। तलाशी के दौरान पुलिस को 283.61 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला- इसके अलावा काले रंग की टीवीएस मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार तीनों आरोपियों का पूर्व में कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है। इस मामले में मौर्या एन्क्लेव थाने में एफआईआर दर्ज की है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर नशे की खेप के मुख्य सप्लायर, वितरण नेटवर्क और इस कारोबार से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाने में जुटी है।

दिल्ली में मामा के घर जा रही 10 साल की बच्ची से पार्क में दुष्कर्म, चीख सुन पहुंचे लोग ; हत्या करने से पहले पकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के भरत नगर इलाके के एक पार्क में 10 साल की मासूम के साथ एक नशेड़ी ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया है। बच्ची की चीखें सुनकर जुटे लोगों ने आरोपित को पहले जमकर धुना और उसके बाद उसे पुलिस को सौंप दिया। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि घटना के बाद वह बच्ची को जान से मारने की फिराक में था, लेकिन पकड़ा गया। भारतनगर इलाके की 10 वर्षीय बच्ची एक निजी स्कूल की छुट्टी होने पर वह अपने माता-पिता को बताकर घर से कुछ ही दूरी पर मामा के घर जाने के लिए निकली थी। बच्ची ने बताया कि मामा के घर जाने के लिए वह पार्क को पार कर रही थी। इसी दौरान वहां नशे में धुत होकर घूम रहे आरोपित ने उसे अकेला देखकर खींच लिया और सुनसान जगह ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इस बीच बच्ची की चीख सुनकर पार्क में घूम रहे लोग मौके पर पहुंचे और आरोपित को पीटना शुरू कर दिया। सुरक्षा गार्ड की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची व आरोपित को लेकर महिला पुलिस पोस्ट पर ले गई। पुलिस ने बताया कि बच्ची का मेडिकल कराने के बाद मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपित की पहचान 40 वर्षीय राजेश कुमार के तौर पर हुई है।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने निकाला 'संविधान रक्षा मार्च', मताधिकार की सुरक्षा की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस की दिल्ली इकाई ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं के खिलाफ बृहस्पतिवार को 'संविधान रक्षा मार्च' निकाला और मताधिकार की सुरक्षा की मांग की।
कांग्रेस ने संविधान दिवस के अवसर पर हर प्रदेश में यह मार्च निकालने का फैसला किया है।
दिल्ली में यह मार्च दोपहर करीब 12.15 बजे सिविल लाइंस स्थित ट्रॉमा सेंटर के सामने चंदगी राम अखाड़े से शुरू हुआ। इसमें शामिल पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां और पोस्टर लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा निर्वाचन आयोग के खिलाफ नारेबाजी की।
दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव के नेतृत्व में निकाला गया यह मार्च डॉ. आंबेडकर राष्ट्रीय स्मारक पर समाप्त होना प्रस्तावित है।
कांग्रेस का आरोप है कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान वास्तविक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। यादव ने भाजपा और निर्वाचन आयोग पर लोगों को उनके मतदान के अधिकार से वंचित करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।
यादव ने कहा, ''जीवित मतदाताओं के नाम उन्हें मृत दिखाकर हटाना अलोकतांत्रिक है और लोगों के मतदान के अधिकार पर सीधा हमला है।''
उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत वास्तविक मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से बाहर किए जाने को लेकर गंभीर चिंताएं हैं और दिल्ली की मसौदा मतदाता सूची से 47.56 लाख नाम गायब हैं। उन्होंने नाम हटाने की प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग करते हुए मृत्यु, पलायन और अन्य कारणों से हटाए गए मतदाताओं का ब्योरा मांगा।
प्रदर्शनकारियों ने कहा कि इस प्रक्रिया का असर किरायेदारों, प्रवासी मजदूरों और अनधिकृत कॉलोनियों तथा झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोगों पर असमान रूप से पड़ सकता है। इनमें से कई लोगों को दस्तावेज संबंधी आवश्यकताओं के कारण अपनी पात्रता साबित करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।
कांग्रेस ने इससे पहले मुस्तफाबाद विधानसभा क्षेत्र के नेहरू विहार वार्ड का मामला उठाते हुए आरोप लगाया था कि वहां फॉर्म-7 के जरिए 75 जीवित मतदाताओं को मृत घोषित कर दिया गया। प्रदर्शनकारियों ने कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराने, प्रभावित मतदाताओं के लिए विशेष सुनवाई आयोजित करने और गलत तरीके से नाम हटाने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।
पार्टी कार्यकर्ताओं ने मतदाताओं की पात्रता साबित करने के लिए जन्म प्रमाणपत्र पेश करने की अनिवार्यता पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि इससे दिल्ली के गांवों में जन्मे ऐसे लोगों को परेशानी हो सकती



है, जिनके पास इस तरह के दस्तावेज नहीं हैं।
यादव ने कहा, ''सरकारें आती-जाती रहेंगी, लेकिन अधिकारियों को अपना काम ईमानदारी से करना चाहिए।''
उन्होंने निर्वाचन अधिकारियों से बिना किसी राजनीतिक दबाव के निष्पक्ष होकर काम करने का आग्रह किया।
मार्च में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, कोषाध्यक्ष अजय माकन, दिल्ली कांग्रेस प्रभारी काजी निजामुद्दीन और सह-प्रभारी दानिश अबरार सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

26/11 आतंकी हमले की 18वीं बरसी: रेखा गुप्ता बोलीं- भारत आतंकवाद के हर स्वरूप का नाश करने के लिए संकल्पित

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए आंतकी हमले में जान गंवाने वाले लोगों और सुरक्षा कर्मियों को बृहस्पतिवार को श्रृद्धांजलि देते हुए कहा कि भारत की आतंकवाद के खिलाफ नीति कतई बदर्श्त नहीं करने की है और देश आतंक के हर स्वरूप को पूरी तरह से खत्म करने के लिए संकल्पित है।
गुप्ता ने कहा, 'हमारे वीर जवानों का अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान सदैव राष्ट्र की स्मृतियों में जीवंत रहेगा।' मुख्यमंत्री ने कहा कि



26/11 के मुंबई आतंकी हमले में जान गंवाने वाले सभी निर्दोष नागरिकों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि एवं देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को शत्-शत् नमन। उन्होंने 'एक्स' पर कहा कि आतंकवाद के विरुद्ध कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति के साथ भारत आतंक के हर स्वरूप के समूल नाश के लिए दृढ़ संकल्पित है। दस पाकिस्तानी आतंकवादियों ने 26 नवंबर 2008 को मुंबई में अलग अलग स्थानों हमले किए थे जिनमें कई पुलिस कर्मियों समेत 166 लोगों की जान चली गई थी और 300 से ज़्यादा लोग घायल हुए। नौ आतंकवादी मारे गए, जबकि अजमल कसाब को ज़िंदा पकड़ लिया गया था, जिसे बाद में दोषी ठहराया गया और फांसी दे दी गई।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने माता अमृतानंदमयी देवी 'अम्मा' से की मुलाकात, अमृतश्री स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम का किया शुभारंभ



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को ब्रह्मस्थानम् महोत्सव में माता अमृतानंदमयी देवी 'अम्मा' से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अमृतश्री स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए कहा कि ब्रह्मस्थानम् महोत्सव में माता अमृतानंदमयी देवी 'अम्मा' का सान्निध्य और आशीर्वाद प्राप्त करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि अम्मा का जीवन 'सेवा परमो धर्मः' की सनातन संस्कृति का जीवंत स्वरूप है। मुख्यमंत्री ने बताया कि अमृतश्री स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। उन्होंने कहा कि देश के 21 राज्यों में 15 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूहों के जरिए लाखों महिलाओं को स्वावलंबी बनाने का अम्मा का सेवा कार्य अत्यंत प्रेरणादायी है। इस अवसर पर सांसद बांसुरी स्वराज, विधायक शिखा राय, गजेंद्र यादव सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

दिल्ली में बिना साफ किया गया सीवेज नालों में बहाए जाने पर एनजीटी सख्त, दिल्ली जल बोर्ड से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में सीवेज प्रदूषण के मुद्दे पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने सख्त रुख अपनाया है। बिना शोधन (ट्रीटमेंट) किए गए सीवेज को नालों में छोड़े जाने के मामले में एनजीटी ने दिल्ली जल बोर्ड से जवाब तलब किया है। एनजीटी ने इस व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए दिल्ली जल बोर्ड को फटकार लगाई।
एनजीटी ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) को मौके पर जाकर जांच करने और पानी के सैंपल लेने का आदेश दिया है। एनजीटी ने दिल्ली जल बोर्ड से पूछा कि काम पूरा होने का दावा करने के बावजूद नालों में गंदा पानी कैसे बह रहा है।
सुनवाई के दौरान तस्वीरें पेश की गईं, जिनमें दावा किया गया कि पंत नगर और लाजपत नगर के ड्रेन नंबर-22 में अब भी बिना ट्रीट किया हुआ सीवेज बह रहा है। इसको लेकर एनजीटी ने दिल्ली जल बोर्ड के चीफ इंजीनियर से जवाब मांगा है, जिन्होंने 21 नवंबर को काम पूरा होने और प्रगति को लेकर हलफनामा दिया था। ट्रिब्यूनल ने कहा कि अगर हलफनामे में दी गई जानकारी गलत या झूठी पाई गई तो कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। एनजीटी ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति को मौके पर जाकर जांच करने और नालों के पानी के सैंपल लेकर उनकी जांच कराने का आदेश दिया है। बोर्ड को बताना होगा कि प्लांट शुरू हुआ या नहीं, कब से काम कर रहा है और इससे कितना फायदा हो रहा है। एनजीटी ने कहा कि केवल काम जारी है, यह बताना काफी नहीं है। विभाग को यह भी बताना होगा कि कितना काम पूरा हो चुका है।
दिल्ली के 22 नालों को साफ करने और सीवेज रोकने के काम की समय सीमा भी बढ़ाई गई है। कई काम अब मार्च और जून 2027 तक पूरे होने की उम्मीद है। मामले में दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डीयूएसआईबी) को भी दिल्ली जल बोर्ड के हलफनामे पर जवाब देने के लिए एक हफ्ते का समय दिया गया है।
वहीं, एनजीटी में मामले की अगली सुनवाई 22 दिसंबर को होगी।

IT नियम को यूथ कांग्रेस ने दिल्ली HC में दी चुनौती, राहुल गांधी से जुड़ी पोस्ट हटाने के आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूथ कांग्रेस ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर कर इंस्टाग्राम और फेसबुक पर राहुल गांधी का नाम या तस्वीर होने के कारण वैध पोस्ट स्वचालित प्रणाली से प्रतिबंधित करने का आरोप लगाया है। साथ ही, सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम-2021 के नियम- चार(चार) की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी है।

याचिका में क्या कहा गया है?

यूथ कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव व इंटरनेट मीडिया प्रमुख मनु जैन ने याचिका में कहा कि संगठन और उसके सदस्यों, कार्यकर्ताओं तथा पदाधिकारियों की पोस्ट बिना पूर्व सूचना, कारण बताए या पक्ष रखने का मौका दिए हटाई जा रही हैं। याचिका में मेटा प्लेटफार्म्स पर आरोप लगाया गया है कि उसका सिस्टम राहुल गांधी के नाम और तस्वीर को कीवर्ड मानकर पोस्ट रोकता है। यूथ कांग्रेस ने संबंधित आदेशों, अनुरोधों और इस्तेमाल किए गए मानदंडों का खुलासा करने की मांग की है। उसने स्पष्ट किया कि दुष्कर्म या बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री हटाने की स्वचालित तकनीक को चुनौती नहीं दी गई है।

दिल्ली के 15000 हजार लोगों को मिली बड़ी राहत, बवाना लाल फ्लैटों में सफाई अभियान शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाहरी दिल्ली के बवाना सेक्टर-3 स्थित लाल फ्लैटों में सालों से सीवर, नालियों और कूड़े की बदहाल समस्या से जूझ रहे लोगों को अब राहत मिली है। परिसर की गलियों में जमा सीवर का गंदा पानी, जाम नालियां और जगह-जगह लगे कूड़े के ढेर को हटाया जा रहा है। सफाई कार्य शुरू होने से स्थानीय लोगों में उम्मीद जगी है कि अब उनको गंदगी और जलभराव की समस्या से निजात मिल जाएगी। स्थानीय निवासी प्रियंका, वीरमती देवी, तेजबीर और रामचंद् ने सफाई कार्य शुरू होने पर खुशी जताते हुए कहा कि लाल फ्लैटों में लंबे समय से सीवर, नालियों और कूड़े की समस्या बनी हुई थी। वहीं, गलियों में गंदा पानी जमा होने और जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे होने से रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। कई गली में ऐसे हालात ऐसे थे कि लोगों को गंदे पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ता था। गंदगी के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा था। सबसे ज्यादा परेशानी बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को झेलनी पड़ रही थी।

जल्द पूरा होगा सफाई का कार्य- डीएसआईडीसी के संबंधित विभाग के अधिकारी ने बताया कि बवाना सेक्टर-3 स्थित लाल फ्लैटों में सीवर, नालियों और कूड़े की सफाई का कार्य शुरू कर दिया गया है। जल्द ही सफाई कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

15 हजार लोगों को मिली राहत- बवाना सेक्टर-3 स्थित लाल फ्लैटों का निर्माण दिल्ली स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कारपोरेशन (डीएसआईडीसी) की ओर से कराया गया था।

दिल्ली: कपिल मिश्रा के कार्यालय के बाहर हुई हत्या के मामले में शामिल आरोपी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली खजूरी खास इलाके में कानून मंत्री कपिल मिश्रा के कैंप कार्यालय के पास दिनदहाड़े हुई एक व्यक्ति की हत्या के मामले में वांछित आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।
अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर चार गोलियां चलाईं, जिनमें से एक गोली एक पुलिसकर्मी की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी। पुलिस ने आत्मरक्षा में छह गोलियां चलाईं, जिनमें से एक आरोपी के पैर में लगी।
पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान अमान गाजी उर्फ नासिर कमाल उर्फ अमान उर्फ पहलवान (26) के रूप में हुई है। वह करावल नगर का रहने वाला है और कुख्यात बदमाश नसीम दुर्रानी का करीबी सहयोगी बताया जा रहा है। उसके पास से एक अर्ध-स्वचालित पिस्तौल, नौ कारतूस, दो मैगजीन और चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है।
पुलिस ने बताया कि बुधवार रात करीब साढ़े 11 बजे उत्तर-पूर्वी दिल्ली के नानक सर से तीसरे पुश्ते की ओर जाने वाली सड़क पर श्मशान घाट के पास आरोपी को पकड़ने के लिए जाल बिछाया गया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिस टीम को देखते ही उसने मोटरसाइकिल छोड़कर गोलीबारी शुरू कर दी और चेतावनी के बावजूद उसने गोली चलाना जारी रखा।
अधिकारी ने बताया कि जवाबी कार्रवाई में उसके बाएं पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे पकड़कर जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया।
पुलिस के मुताबिक, आरोपी 16 नवंबर को खजूरी खास इलाके के जीरो पुश्ता, सोनिया विहार में समीर उर्फ भूरा की हत्या के मामले में वांछित था। समीर अपने दोस्त के साथ स्कूटी पर जा रहा था, तभी मोटरसाइकिल सवार दो हमलावरों ने उन्हें रोककर गोलीबारी की थी, जिसमें उसकी मौत हो गई थी।
जांच में नसीम दुर्रानी और हारून सैफी के गिरोहों के बीच पुरानी रंजिश की बात सामने आई।
इसी हत्याकांड के सिलसिले में पिछले हफ्ते दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा और उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्य बल ने संयुक्त अभियान में बुलंदशहर में नसीम दुर्रानी को मुठभेड़ के बाद ढेर कर दिया था। पुलिस ने बताया कि अमान पर हत्या की साजिश में शामिल होने और वारदात के दौरान हमलावरों की मोटरसाइकिल चलाने का आरोप है। वह हथियार के बल पर लूटपाट के गांधी नगर थाने में दर्ज एक मामले में भी शामिल रहा है। पुलिस ने बताया कि बरामद मोटरसाइकिल ज्योति नगर इलाके से चोरी की गई थी। मामले की जांच जारी है।
दुर्रानी अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम गिरोह से कथित तौर पर जुड़ा हुआ था।
पुलिस 'डी-कंपनी' और दुर्रानी से जुड़े आपराधिक नेटवर्क के साथ उसके कथित संबंधों की भी जांच कर रही है। पुलिस ने पहले बताया था कि दुर्रानी दिल्ली में हत्या के दो अलग-अलग मामलों में वांछित था। इसके अलावा वह गाजियाबाद में हत्या के प्रयास के एक मामले में भी वांछित था। उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

दिल्ली : चिड़ियाघर में आवारा कुत्ते की तलाश जारी, हिरणों की सुरक्षा को लेकर चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के चिड़ियाघर में करीब दो सप्ताह से एक आवारा कुत्ते की तलाश की जा रही है। यह कुत्ता मुख्य द्वार से परिसर में घुसा और इसकी मौजूदगी से चिड़ियाघर के अन्य जानवरों की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है।
अधिकारियों के मुताबिक, कुत्ता 12 नवंबर को चिड़ियाघर में दाखिल हुआ था और इसकी तस्वीर सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हुई थी। उसे पकड़ने के लिए विभिन्न स्थानों पर पिंजरे और जाल लगाए गए हैं, लेकिन 176 एकड़ में फैले चिड़ियाघर में घनी वनस्पति और जानवरों के बाड़ों की वजह से तलाशी अभियान में मुश्किल आ रही है।
एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कई टीमें कुत्ते की लगातार तलाश कर रही हैं। हर शाम सात से आठ अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए जा रहे हैं, जो विशेष रूप से जानवरों के बाड़ों और उस स्थान के आसपास गश्त करते हैं, जहां कुत्ता आखिरी बार देखा गया था। प्रवेश द्वारों और बाड़ों के आसपास भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।
कुत्ते को पकड़ने में हो रही देरी से चिंता बढ़ गई है, क्योंकि चिड़ियाघर में पहले भी ऐसी घटनाओं में हिरणों की मौत हो चुकी है। वर्ष 2022 में आवारा कुत्तों को देखकर घबराए तीन हिरणों, जिनमें दो हॉग हिरण और एक सीका हिरण शामिल था, की मौत हो गई थी। वर्ष 2012 में भी आवारा कुत्तों के चिड़ियाघर में घुसने के बाद चार चिंकारा मारे गए थे।
अधिकारी ने बताया कि 2022 की घटना के बाद आवारा कुत्तों को रोकने के लिए चिड़ियाघर की चारदीवारी के कुछ हिस्सों को ऊंचा और मजबूत किया गया था। चिड़ियाघर ने हाल ही में परिसर में निगरानी मजबूत करने के लिए करीब 488 सीसीटीवी कैमरे लगाने का टेंडर भी जारी किया है।
विशेषज्ञों के अनुसार, कुत्ते जैसे शिकारी जानवरों को देखकर हिरणों में अत्यधिक डर पैदा हो सकता है। इससे वे जान बचाने के लिए लगातार भागते हैं और उनकी मांसपेशियों को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। इस स्थिति को 'एक्सर्शनल मायोपैथी' कहा जाता है, जो गंभीर मामलों में हिरणों की मौत का कारण भी बन सकती है।
इस साल जनवरी में प्रकाशित एक वैज्ञानिक अध्ययन में इस स्थिति के प्रभावों का आकलन किया गया था। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर और मध्य प्रदेश वन विभाग के शोधकर्ताओं ने 26 चीतल और सात काकड़ हिरणों के रक्त के नमूनों का अध्ययन किया था। ये हिरण पीछा किए जाने, कुत्तों के काटने या पकड़ने के दौरान शारीरिक तनाव से गुजरे थे।
अध्ययन में पाया गया कि इस स्थिति से प्रभावित चीतलों में मांसपेशियों को नुकसान पहुंचने का संकेत देने वाले



क्रिएटिन काइनेज एंजाइम का स्तर सामान्य हिरणों की तुलना में करीब दोगुना था।

पंजाब की महिलाएं घर के पुरुषों को "आप" को वोट देने के लिए करें तैयार: केजरीवाल

प्रथम पृष्ठ का शेष

हमने सभी महिलाओं को उनके खाते में हजार रुपए महीना देने का वादा किया था। हमारी यह सबसे ब ?ी गारंटी थी और इसे भी हमने पूरी कर दी है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं मावां-धीयां गारंटी पूरी करने में बहुत देर कर दी। इतने देर में क्यों दी? मैं मानता हूं कि इस गारंटी को पूरी करने में हमें तीन-चार साल लग गए। लेकिन इसका कारण यह है कि हमारे से पहले जितनी सरकारें थीं, वो पंजाब का सारा खजाना लूट कर चली गईं। उन्होंने अपने बच्चों के लिए स्वीटजरलैंड में अकाउंट खोल रखे हैं। बड़ी-बड़ी प्रॉपर्टी बना रखी है। उनके पास बड़ी-बड़ी गाड़ियां हैं। जब हमने सरकार संभाली थी, तब पंजाब का खजाना खाली था। पंजाब के खजाने को भरने में 4 साल लग गए। पूरी ईमानदारी के साथ सरकार का एक- एक पैसा बचाकर खजाना भरा। इसलिए थोड़ी देर लग गई। हम तो सरकार बनते ही पैसा देना चाहते थे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मावां-धीयां सत्कार योजना को लागू करने में ही मोदी सरकार ने बड़ी अड़चने लगाई। मोदी सरकार ने पंजाब का पैसा रोक दिया। हमने कोर्ट का सहारा लिया। इन्होंने तरह तरह से योजना को रोकने की कोशिश की, लेकिन हम भी मजबूत हैं। भगवंत मान ने योजना रूकने नहीं दिया। अब हर महीने मावां-धीयां का पैसा आ रहा है। इस योजना के तहत हर महिला को 1000 रुपए मिलने हैं। सरकार 3-3 महीने का पैसा एक साथ उनके खाते में दे रही है। 3 महीने के 3 हजार रुपए समान्य वर्ग की महिलाओं को और दलित समाज की महिलाओं को 1500 रुपए महीने के हिसाब से 4500 रुपए मिल रहा है। जिन महिलाओं को पहले पंजीकरण कर लिया था, उनको पहले 3 हजार रुपए मिल गए और बाकियों को बाद में मिल रहे हैं। सभी महिलाओं को एक दिसंबर को पूरे पैसे मिल जाएंगे। इसके बाद सभी महिलाओं को हर तीन महीने में 3000-3000 या 4500-4500 रुपए मिला करेंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हजार रुपए ज्यादा नहीं होते, लेकिन कम भी नहीं होते हैं। हम ये नहीं कह रहे हैं कि हजार रुपए में घर का पूरा खर्च चल जाएगा। लेकिन आज पेट्रोल, डीजल, गैस, सब्जियां और राशन समेत सबकुछ महंगा हो गया है। जब मोदी सरकार ने देश में इतनी महंगाई कर रखी है तो भगवंत मान ने हजार रुपए देकर थोड़ा सा सहारा दिया है। जब घर का खर्च नहीं चलता और कोई हजार रुपए दे जाए तो महिला खुले हाथ से घर चला सकती है। कहते हैं मारने वाले से बचाने वाला ज्यादा अच्छा होता है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि महिलाओं को मिल रहे हजार रुपए को लेकर कई भावनात्मक कहानियां सामने आ रही हैं। एक गरीब महिला के घर में उनके पिता बीमार हैं। वह मेडिकल स्टोर से उधार दवा लाती हैं। जब पैसे आते हैं, वह उसे दे देती हैं। इस बार जब वह दवा लेने पहुंची तो मेडिकल स्टोर वाला उधारी में लिखने लगा तो महिला ने उसे रोक दिया और पूरे पैसे दे दिए। महिला ने बताया कि सीएम भगवंत मान ने पैसे दिए हैं। बहुत सारी महिलाएं नए कपड़े खरीदी हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बड़े दुख की बात है कि सारी विरोधी पार्टियों ने एलान कर दिया है कि अगर उनकी सरकार बनी तो सबसे पहले मावां धीयां योजना और फ्री बिजली बंद कर देंगे। कांग्रेस के एक बहुत बड़े नेता ने एक इंटरव्यू में बोला कि इसकी क्या जरूरत है। इससे सरकार पर बहुत बोझ पड़ रहा है। मावां धीयां योजना और फ्री बिजली बंद होनी चाहिए। कांग्रेस ने अधिकारिक तौर पर एलान कर दिया है कि उसकी सरकार बनेगी तो बंद कर देगी। जब पंजाब के लोग कांग्रेस को वोट ही नहीं देंगे तो उसकी सरकार कहां से बनेगी। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मोदी जी इसे फ्री की रेवड़ी कहते हैं। सरकारी पैसा जनता है। मावां धीयां को मिल रहा पैसा उनका ही है। मोदी जी कहते हैं कि फ्री की रेवड़ी बंद होनी चाहिए। दिल्ली में जब से भाजपा की सरकार बनी है, आम आदमी पार्टी की सरकार में चल रही सारी योजनाएं बंद कर दी। दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिक बंद कर दिया। अब फ्री बिजली भी बंद करने जा रहे हैं। अस्पतालों में फ्री दवाइयां मिलनी बंद हो गईं, तीर्थ यात्रा स्कीम भी बंद कर दी है। इन पार्टियों से बच कर रहना है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ये सारी स्कीमें एक ही शर्त पर जारी रह सकती हैं, भगवंत मान को दोबारा सीएम बनाना होगा। आम आदमी पार्टी की दोबारा सरकार बनेगी तभी ये सारी स्कीमें जारी रहेंगी। इसलिए कांग्रेस, भाजपा या अकाली दल को वोट देने की गलती नहीं करना है। दिल्ली के लोग भाजपा को वोट देकर अब पछता रहे हैं। ये लोग सब योजनाएं बंद कर देंगे। सभी महिलाओं से अपील है कि भगवंत मान ने आपकी मदद की है। जो हमारी मदद करता है, उसका हाथ कभी नहीं छोड़ना चाहिए। आप किसी भी पार्टी से हैं, लेकिन इस बार हर महिला का वोट आम आदमी पार्टी को पड़ना चाहिए। अरविंद केजरीवाल ने महिलाओं से अपील करते हुए कहा कि आप अपना वोट आम आदमी पार्टी को तो देंगी लेकिन आप अपने घर के पुरुषों से भी आम आदमी पार्टी को वोट देने की बात करें। सबको फ्री बिजली दी, खेतों तक नहर का पानी पहुंचाया, दिन में सिंचाई की बिजली दी, 10 लाख का स्वास्थ्य बीमा भी कराया। आज तक पंजाब में कोई भी पार्टी नहीं आई, जिसने महिलाओं को हजार रुपए खाते में डाला हो, 10 लाख का इंश्योरेंस किया हो, तीर्थ यात्रा कराई हो। बेटे को भी समझाएं, भगवंत मान सरकार ने 70 हजार से ज्यादा सरकारी नौकरी बिना रिश्वत के दी गई हैं। मेरिट पर सबको नौकरी मिलेगी। अरविंद केजरीवाल ने पंजाब की जनता को गारंटी देते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार सारी योजनाएं जारी रखेगी। किसी की हिम्मत नहीं है कि एक भी योजना को बंद कर दे। तीर्थ यात्रा, स्वास्थ्य बीमा, मावां-धीयां, फ्री बिजली समेत सारी योजना चालू रहेगी। इस चालू रखने के लिए पंजाब की जनता भगवंत मान को अपना आशीर्वाद दें।

सात फेरों से पहले बिगड़ी बात, बिना शादी किए बारात लेकर लौटा दूल्हा

औरैया। अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के बाबरपुर स्थित एक गेस्ट हाउस में रविवार को विवाह समारोह के दौरान वर और वधू पक्ष के बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर किसी ने यूपी-112 पर सूचना दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन बात नहीं बनी। आखिरकार वर पक्ष बिना विवाह किए ही बारात लेकर वापस लौट गया। कस्बे के इस्लाम नगर निवासी दिनेश कुमार की पुत्री प्रीति उर्फ पारुल (22) का विवाह भीखेपुर के लक्ष्मण की मड़ैया निवासी स्वर्गीय पुत्तू के पुत्र विकास (24) के साथ तय हुआ था। 15 नवंबर को बाबरपुर पेट्रोल पंप के पास स्थित शिवधाम गेस्ट हाउस में विवाह समारोह आयोजित किया गया था। इसी दौरान ब्यूटी पार्लर के खर्च के लेनदेन को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और मामला पुलिस तक पहुंच गया। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन सहमति नहीं बन सकी। दुल्हन की मां प्रेमलता ने आरोप लगाया कि उनकी पुत्री की शादी 28 अक्टूबर 2026 को ककोर मुख्यालय में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में विकास के साथ संपन्न हो चुकी थी। इसके बाद दोनों पक्षों की सहमति से 14 नवंबर को लगुन और 15 नवंबर को विवाह समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया था। लगुन (टीका) के दौरान वर पक्ष को करीब ढाई लाख रुपये कीमत की बाइक भी दी गई थी। आरोप है कि विवाह समारोह के दौरान वर पक्ष ने सोने की चेन और 50 हजार रुपये अतिरिक्त दहेज की मांग कर दी। मांग पूरी करने में असमर्थता जताने पर वर पक्ष ने विवाह से इनकार कर दिया और बारात लेकर वापस लौट गया। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी विजय बहादुर वर्मा ने बताया कि लड़की पक्ष की ओर से तहरीर दी गई है। शादी का प्रमाणपत्र मंगाया गया है। यदि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत पहले ही शादी संपन्न हो चुकी है तो दोनों पक्षों को बुलाकर बातचीत की जाएगी। मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मुरादनगर में प्लास्टिक गोदाम में लगी भीषण आग

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मुरादनगर में रावली रोड स्थित प्लास्टिक गोदाम में रविवार तड़के भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कुछ ही देर में आग ने गोदाम के बड़े हिस्से को चपेट में ले लिया। सूचना पर पहुंची दमकल की टीम ने करीब आठ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। इस दौरान गोदाम में खड़ा टाटा छोटा हाथी जलकर राख हो गया

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Rahul Kumar Yadav** is purchasing the property bearing no. RZ-CD-23 and RZ-CD/23B, land area measuring 25+25 = 50 Sq. Yds., out of Khasra no. 12/21, situated in the revenue Estate of village Mirzapur, Delhi State Delhi and colony known as Mahavir Enclave, C-2 Block, New Delhi-110045; from Mr. Surjit who is the owner of the property vide GPA, ATS & WILL dated 25/01/2026 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my **Smt. Nidhi Paul alias Nidhi Singh, D/o Late Sh. Mahender Paul** in respect of **Built Up First Floor without roof rights, built on Portion of Property bearing No. 108-B, admeasuring 50 sq. yds. out of Rect. No. 12, Killa No. 23, Situated in the Abadi of New Layalpur, in the Area of Village Khureji Khas, Illaqa Shahdara, Delhi-110051** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which SMFG India Home Finance Company Limited will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I, Nitin Kumar Garg, S/O Narender Garg, R/O 80 TF G Plus 3, Omaxe City, Sector- 15, Bahadurgarh, Jhajjar, Haryana- 124507 have changed my name to Nitin Garg for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Narendra Kumar Garg, S/O Om Parkash Garg, R/O 80 TF G Plus 3, Omaxe City, Sector- 15, Bahadurgarh, Jhajjar, Haryana- 124507 have changed my name to Narender Garg for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Asad Abraham Khan S/O Ahsan Khan R/o Flat No. 807 Tower-5 Pivotal Paradise Society Sector-62 Gurgaon-122002 have changed my minor Son's name Kabir to Kabir Chhabra

NAME CHANGE

I Babulal S/o Ramswaroop Kudawla R/o H.No -799 Near ESIC Hospital Sec-9 Gurgaon-122001 have changed my name to Babulal Kudawla

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Sh. Shekhar, Sh. Jayant, Smt. Durgesh Kumari, Neelam Raani, Rajani Devi in in respect of Old Plot No. 20, Now Property bearing New No. C-30, with all its roof/terrace rights, admeasuring 50 sq. yds. Part of Khasra No. 372, Situated in the area of Village Tihar in Ajanta Enclave, Delhi State Delhi Now Colony Known as Ajay Enclave Extension, New Delhi-110018.**, claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **Bajaj Housing Finance Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 7 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MRS. HARINDER KAUR SHARMA IS OWNER AND IN POSSESSION OF "PORTION OF PLOT NO. 28/1232 BEARING HOUSE NO. 927/60, LAND AREA MEASURING 34.1/3 SQ. YARDS, WITH ITS ROOF/TERRACE RIGHTS UPTO SKY, OUT OF KHASRA NO. 224, SITUATED AT VILLAGE CHOWKRI MUBARAKBAD, LEKHU NAGAR, TRI NAGAR, DELHI-110035". AND ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE NOTARIZED GPA AND ATS AND REGD. RECEIPT AND WILL DATED 12.02.1987 EXECUTED BY MR. NAND KISHORE IN FAVOUR OF MRS. HARINDER KAUR SHARMA. NOW MR. RAM RATAN IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MRS. HARINDER KAUR SHARMA, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION..

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9958996685.

NAME CHANGE

I, ISTAQ & ISHTYAQ S/O SAJAUDDIN R/O H NO-A-174/1, GALI NO-5-B, GURU NANAK NAGAR, MUSTAFABAD, NORTH EAST, DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME MOHD ISHTIYAQ FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I ZANNATI WIFE OF MOHD ISHTIYAQ R/O H NO-A-174/1, GALI NO-5-B, GURU NANAK NAGAR, MUSTAFABAD, NORTH EAST, DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME JANNATI FOR ALL FUTURE PURPOSE

Public Notice

It is for general information that I Chhote Lal S/O Saryaug Ram, R/O H-NO.-129, gali N0.-2/2, Aditya garden, Near bala Jii Mandir, CHAUHAN PATTI, North East, Delhi 110094, declare that name of mine and my father has been wrongly written as Chhotey Lal and Siyaram in my Voting card no NSF0041665.The actual name of mine and my father are Chhote Lal and Saryaug Ram,respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my **Mr. Raju Dhanrajani (For 50% share) & M/s. R.K.B Construction Company through its Rajan Zubair Siddiqui (For 50% share) in respect of Third Floor (RHS), Built up on Plot Bearing No.C-144, area measuring 220 sq. yards, out of Khasra No.279min., Situated at Village-Chhatarpur, Tehsil-Saket, New Delhi;** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Yogita Anand W/o Mr. Joginder Anand is the owner and in possession of a Freehold Residential Property, area measuring 108.69 sq. Mtrs., Out of Khasra No. 69/11, Gali No. 20-B, Block-A, Situated at Village of Revenue Estate Burari, Kaushik Enclave, Burari Road, Delhi-110084., Our client acquired the said property by virtue of a Authorization Slip dated 14.07.2024 duly regd. Vide Doc. No. 2024/19/I/9048, in Book No. 1, Volume No. 11074, on Pages No. 1-6, on dated 14.07.2024, in the office of Sub-Registrar Office- I, Kashmere Gate, in the chain documents below mentioned documents not available i.e. SMC of Mr. Gajendra Singh Rawat S/o Late Mr. Bhawan Singh Rawat died on 01.10.2017 Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and the said property to be financed/ mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Burari Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
1/566-A, Ground Floor,
Sector-1, Vaishali,
Ghaziabad, Uttar
Pradesh-201010.
Contact at
09958871432

NAME CHANGE

I hitherto known as NIRMAL SINGH W/O VEER SINGH R/O H NO D-66 VIJAY NAGAR SECTOR 9 Ghaziabad Ghaziabad Ghaziabad Uttar Pradesh 201001have changed my name and shall hereafter be known as NIRMALA.

NAME CHANGE

I HASSAN FATMA WIFE OF MOHRRAM ALI R/O. D-264, GALI NO-4, NOOR E ILAHI, GHONDA VISTAR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME HASAN FATMA FOR ALL FUTURE PURPOSE AND HAVE CHANGED MY HUSBAND NAME LATE MOHARAM ALI FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE

I, GULSHAN KUMAR DHIRAN S/O KALI RAM DHIRAN R/O D-63, Sector-9, New Vijay Nagar, PO: Ghaziabad, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 have changed the name of my minor daughter MANYA aged 9 years and she shall hereafter be known as PAVIKA RAJ.

NAME CHANGE

I , hitherto known as SONAKSHI GARG W/O RAGHAV MANGAL R/O Flat No-1224, 12th Floor Block-4D, Landcraft Golf Links, Skardi Greens Phase-||, Ghaziabad, PO: Kavi Nagar, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201002 have changed my name and shall hereafter be known as SONAKSHI MANGAL.

सार्वजनिक सूचना

श्रीमती सुनीता देवी पुत्री सोनू कुमार, निवासी और संपत्ति की मालिक, संपत्ति आईडी-3TJ5Q509, आवासीय भूखंड, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, लाल डोरा में स्थित और नगर समिति सीमा के भीतर, वार्ड संख्या 7, मोहल्ला भूदपारा/कायस्थवारा, रेवाड़ी रोड, पुलिस स्टेशन सोहना के पास, तहसील सोहना, जिला गुरुग्राम, जिसे दिनांक 12.06.2023 के विक्रय विलेख (दस्तावेज़ संख्या 3069) के माध्यम से श्रीमती गीता रानी से खरीदा गया था। उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार, प्रभार, बंधक आदि से मुक्त है और संपत्ति का स्पष्ट और बिक्री योग्य स्वामित्व और कब्जा है। संपत्ति से संबंधित पुराने दस्तावेज़ खो गए हैं, जिनमें श्री फतेह सिंह उर्फ फतेह सिंह पुत्र श्री अर्जुन सिंह द्वारा श्रीमती गीता रानी पत्नी श्री श्याम लाल के पक्ष में दिनांक 31.01.2019 को निष्पादित मूल विक्रय विलेख भी शामिल है, जिसका पंजीकरण दस्तावेज़ संख्या 6352, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 2121/1393, पृष्ठ संख्या 41.75/19-20 दिनांक 31.01.2019 को हुआ था। इसी संबंध में एफआईआर संख्या 132271052601361 भी दर्ज की गई है। उपर्युक्त संपत्ति एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड, सेक्टर 15, गुरुग्राम में गिरवी रखी गई है। उल्लिखित खोए हुए दस्तावेजों का भविष्य में किसी भी प्रकार से उपयोग नहीं किया जा सकता है। यदि किसी को कोई आपत्ति हो और उसे उपर्युक्त दस्तावेज या उनसे संबंधित संपत्ति दस्तावेज प्राप्त हों, तो कृपया बैंक शाखा या संबंधित व्यक्ति से संपर्क करें।

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT BACK CHAIN OF "PLOT NO.197, LAND AREA MEASURING 200.97 SQ.MTRS., I.E 168.032 SQ.MTRS., (APPROX.)., OUT OF KHASRA NO. 23/1, SITUATED IN THE REVENUE ESTATE OF VILLAGE KHAIRA, DELHI STATE DELHI IN THE ABADI KNOWN AS PREM NAGAR, Z-BLOCK, KASHMIRI COLONY, PH-IV, PAPRAWAT ROAD, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043." I.E. NOTARIZED GPA & WILL, DATED 10.12.1996 EXECUTED BY MR. DHARAM SINGH, MR. BHIM SINGH, MR. HOSHIR SINGH, MR. SATPAL SINGH, MR. CHARANJEE LAL & MR. SHASHI YADAV IN FAVOUR OF MR. BHAGWAT SWAROOP IN RESPECT OF THE LAND AREA MEASURING 3 KILLAS HAVE BEEN LOST BY THE CURRENT OWNER MRS. KIRAN KUMARI YADAV AND SAID OWNER MRS. KIRAN KUMARI YADAV PURCHASED THE SAID PROPERTY VIDE SALE DEED DATED 19.10.2026 EXECUTED BY MRS. SAVITA. NOW MRS. KIRAN KUMARI YADAV WANTS TO TAKE LOAN AGAINST THE SAID PROPERTY FROM TRU HOME FINANCE LIMITED. PLEASE SUBMIT THE SAID DEEDS IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9958996685.

NAME CHANGE

I hitherto known as Poonam Sharma alias Poonam Rampal D/o Inder Raj Sharma W/o Sanjay Rampal R/o H.No-5/826, Sector-5, Rachana Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 have changed my name and shall hereafter be known as Poonam Rampal.

NAME CHANGE

I hitherto known as Shansar Pal S/o Vijay Pal R/o A-182 First Floor, Near Bharat Mata Chowk, Shalimar Garden Main, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005 have changed my name and shall hereafter be known as Sahansar Pal Yadav.

NAME CHANGE

I, AJAY SHARMA S/O OM PRAKASH SHARMA R/O PLOT NO-70/71, Q BLOCK, NEW ROSHAN PURA EXTN, NAJAFGARH, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110043, I have changed my name from CHHAIL BIHARI SHARMA TO AJAY SHARMA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, TATWAMASI KUMARI wife of Army No–15178923Y, Rank–HAV(DS), Name–MUKESH KUMAR, permanent residing at KALUCHAK, KHARIK, BHAGALPUR, KARIK BAZAR. BIHAR-853202, have changed my name from TATWAMASI KUMARI to TATWAMASHI KUMARI for all future purposes vide Affidavit Dated 26/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, RAMSHAWRUP YADAV father of Army No–15178923Y, Rank–HAV(DS), Name–MUKESH KUMAR, permanent residing at KALUCHAK, KHARIK, BHAGALPUR, KARIK BAZAR. BIHAR-853202, have changed my name from RAMSHAWRUP YADAV to RAMSWARUP YADAV for all future purposes vide Affidavit Dated 26/11/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SUDERSHAN KUMAR / SUDARSHAN SINGH S/O HANUWANT SINGH R/O GALI NO-1,RAO TULARAM VIHAR, RAMPURA (132),REWARI, HARYANA-123401, HAVE CHANGED MY NAME TO SUDARSHAN KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, SHVETA KHANDELWAL W/O HIMANSHU DUTTA R/O 0D6, HOUSE NO 282, SECTOR 6, ROHINI, ROHINI, DELHI 110085 I HAVE CHANGED MY NAME TO SHVETA SHARMA ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, AMIT KUMAR SINGH S/O DEEN DAYAL SINGH R/o RA-103, 2ND FLOOR, INDERPURI, DELHI-110012 have changed the name of my minor daughter PARI SINGH aged 9 years and she shall hereafter be known as SAUMYA SINGH. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection.

PUBLIC NOTICE

It is hereby informed to the general public that our client, Mrs. Saroj W/o Mr. Sunil Kumar, is the absolute owner and in lawful possession of Freehold Residential House No. B-19/2, land area measuring 83.61 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 18/8/0 (as per documents Khasra No. 23/3), Situated at Nangli Vihar Colony near Nangli Dairy, Najafgarh, New Delhi-110043., by virtue of a Authorization Slip dated 09.10.2026 duly regd. as Doc No. 2026/82/I/741, Vol No. 70, Book No. 1 on Pages 185-196, in SR-Matiala.,. Our client hereby declares that, except as stated herein, no other person has any right, title, interest, claim, lien, charge, or encumbrance whatsoever in respect of the aforesaid property. It is further declared that the Same property of the above-mentioned property. and same property to be mortgaged, Roha Housing Finance Pvt. Ltd., Branch Uttam Nagar New Delhi. Accordingly, any person having any objection, claim, right, title, interest, or demand of any nature whatsoever in respect of the aforesaid property is called upon to intimate the same in writing, along with supporting documentary evidence, to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice, failing which it shall be presumed that no such claim exists, and any such claim, if raised thereafter, shall be deemed to have been waived and abandoned.

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
1/566-A, Ground Floor,
Sector-1, Vaishali,
Ghaziabad, Uttar
Pradesh-201010.
Contact at
09958871432

NAME CHANGE

I RAMDEI DEVI legally mother of Army No - 15228669Y, Rank - NK, Name - RAKESH KUMAR PASWAN, Presently Residing At, Post Maharajganj, Vill Mujahana khurd, Teh - Maharajganj, Dist Maharajganj, State Uttar Pradesh, Pin 273303, have changed my name from RAMDEI DEVI to RAM DAI for all future purposes, Vide affidavit dated 26/11/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, VANDNA SINGH W/o Amar Nath Singh R/o 98-A, Ground Floor, Street No.5, Krishna Nagar, opp Safdarjung Enclave, Delhi-110029, have changed my name to VANDANA SINGH permanently.

NAME CHANGE

I PUROHI DINESH S/O BHAVARLAL R/O A-153 3RD FLOOR SHASTRI NAGAR, ASHOK VIHAR DELHI-110052 . Have changed my name to DINESH KUMAR for all purposes.

Date of Birth Change

I SELVI legally mother of Army no - 15190021w, Rank - HAV, Name - Jayaseelan R, Presently Residing Post - Sivanathapuram, Teh - Anaicut, Dist - Vellore, State- Tamil Nadu, Pin - 632105 in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 04/02/1973 instead of my correct date of birth as 01/01/1971 Vide affidavit dated 26/11/2026 before Notary Public, Delhi.

Date of Birth Change

I B. Rangan legally father of Army no - 15190021w Rank - HAV, Name - Jayaseelan R, Presently Residing Post - Sivanathapuram, Teh - Anaicut, Dist - Vellore, State- Tamil Nadu, Pin - 632105 in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/01/1975 instead of my correct date of birth as 1961 Vide affidavit dated 26/11/2026 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि श्रीमती सरिता देवी पत्नी श्री अनिल कुमार प्लॉट संख्या B-4, क्षेत्रफल 75 वर्ग गज, खसरा संख्या 801, 804 एवं 805 में से, भारत सहकारी आवास समिति लिमिटेड, ग्राम तिलपता करनवास, परगना एवं तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित संपत्ति की स्वामिनी हैं। उक्त संपत्ति के प्रारंभिक आवंटी श्री शैलेन्द्र गर्ग थे, जिन्होंने उक्त संपत्ति भारत सहकारी आवास समिति लिमिटेड से दिनांक 13.04.2010 के विक्रय विलेख के माध्यम से क्रय की थी। तत्पश्चात, श्री शैलेन्द्र गर्ग ने उक्त संपत्ति श्रीमती सरिता देवी पत्नी श्री अनिल कुमार को दिनांक 30.05.2017 के विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय कर दी, जो दस्तावेज संख्या 7229 के रूप में पंजीकृत है। एतद्द्वारा यह सूचित किया जाता है कि मूल शेयर प्रमाणपत्र (Share Certificate), आवंटन पत्र (Allotment Letter), कब्जा पत्र (Possession Letter) एवं दिनांक 30.05.2017 का विक्रय विलेख, जो भारत सहकारी आवास समिति लिमिटेड द्वारा श्री शैलेन्द्र गर्ग के पक्ष में निष्पादित किया गया था, खो गया है/गुम हो गया है तथा तमाम संभव प्रयासों के बावजूद नहीं मिल पा रहा है। इस संबंध में, उक्त मूल दस्तावेजों के खोने/गुम होने के संबंध में दिनांक 26.11.2026 को पुलिस स्टेशन- पुलिस कंप्यूटर सेंटर, टेक्निकल सर्विसेज मुख्यालय, लखनऊ में ऑनलाइन एफआईआर, एल.आर. संख्या 20260001291906 के अंतर्गत दर्ज कराई गई है। उक्त संपत्ति डीसीबी बैंक लिमिटेड, शाखा- गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। अतः यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक अथवा अन्य किसी पक्ष का उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का अधिकार, स्वामित्व, हित, दावा, आपत्ति, बंधक, ग्रहणाधिकार या अन्य कोई दावा हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिनों के भीतर अपने दावे के समर्थन में समुचित दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा अथवा आपत्ति नहीं है और उसके पश्चात प्राप्त होने वाले किसी भी दावे अथवा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw@wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I,SANDHYA D/O JITENDAR KUMAR R/o, FLAT NO.455, BAHAWALPUR APARTMENT, PLOT NO 1, DWARKA SECTOR-4, SOUTHWEST DELHI, DELHI-110078 HAVE CHANGED MY NAME TO SANDHYA KUMARI for all future purpose

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD FATEH ALI S/O ASGHAR ALI R/O T-21, PHOOL WALI GALI, BASTI HAZRAT NIZAMUDDIN, HAZRAT NIZAMUDDIN, SOUTH EAST DELHI, DELHI-110013 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD FATEH ALI.

NAME CHANGE

I, ASGHAR ALI JAFRI S/O DEEN MOHAMMAD R/O T-21, PHOOL WALI GALI, BASTI HAZRAT NIZAMUDDIN, HAZRAT NIZAMUDDIN, SOUTH EAST DELHI, DELHI-110013 HAVE CHANGED MY NAME TO ASGHAR ALI.

NAME CHANGE

I, ANOOP KUMAR BISWAS S/O ARABINDA BISWAS R/O 46 B/56, BLOCK D D A FLATS, CHITTARANJAN PARK, DELHI-110019 HAVE CHANGED MY NAME TO ANUP BISWAS.

NAME CHANGE

I, RENUKA SINGHA wife of No.-14678523Y, Rank-HAV, Name-DULAL MAHATA residing at VILL-DHOBADHOBIN, PO-PUKURIA, TEHSIL-JHARGRAM, WEST BENGAL-721514, have changed my name from RENUKA SINGHA to RENUKA MAHATA for all future purposes vide Affidavit dated 16/10/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE

I hitherto known as Rakesh W/o Sunil Kumar R/o C-163, Chhatarpur Extension, New Delhi-110074 and shall hereafter be known as Rakesh Yadav for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राजू, आवासीय भूखण्ड संख्या 92 के एक हिस्से, जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है तथा जो खसरा संख्या 244 में से स्थित है, गोविंदपुरी, ग्राम डासना, परगना डासना, तहसील एवं जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश को श्री संजय कुमार एवं श्री मनोज कुमार से क्रय करने के इच्छुक हैं। यह कि उक्त संपत्ति की मूल स्वामिन

संक्षिप्त डायरी

प्रदूषण पर निगम सख्त, एक महीने में किए 353 चालान

एजेंसी

मानेसर। मानेसर में बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए नगर निगम की ओर से लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके तहत शहर में विशेष अभियान चलाकर सड़कों पर पानी का छिड़काव कराया जा रहा है। वहीं, पेड़ों पर जमा धूल को एंटी स्मॉग गन की मदद से साफ किया जा रहा है। इसके अलावा सेक्टरों की सड़कों के किनारे जमा मिट्टी को भी हटाया जा रहा है, ताकि वाहनों की आवाजाही के दौरान धूल न उड़े और लोगों को प्रदूषण से कुछ राहत मिल सके। नगर निगम की ओर से ग्रेप नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भी सख्ती बरती जा रही है। निगम के अनुसार, पिछले एक महीने में ग्रेप नियमों की अवहेलना करने वालों के 353 चालान किए गए हैं। इन पर करीब 80 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। निगम की टीमें अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर प्रदूषण फैलाने वालों की जांच कर रही हैं। जहां भी नियमों का उल्लंघन मिलता है, वहां मौके पर चालान किया जा रहा है।

न्यायिक कार्य से दूर रहेंगे वकील

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला बार एसोसिएशन, गुरुग्राम ने बृहस्पतिवार 26 नवंबर को न्यायिक कार्य निलंबित करने की घोषणा की है। यह निर्णय नारनौल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मनजीत कुमार और पूर्व सचिव सुमित चौधरी के खिलाफ अवमानना कार्रवाई के विरोध में है। गुरुग्राम एसोसिएशन ने बार एसोसिएशनों की स्वायत्तता के समर्थन में यह कदम उठाया है।

दादा भैया तालाब का 2 करोड़ में होगा जीर्णोद्धार

एजेंसी

मानेसर। नगर निगम मानेसर वार्ड नंबर-12 के गांव मानेसर स्थित दादा भैया तालाब का विकास और जीर्णोद्धार कराएगा। इस कार्य पर करीब दो करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह योजना पुराने तालाब की मरम्मत कर उसे नया रूप देगी। इसका उद्देश्य गांव के पुराने जलस्रोत को बचाना और पानी जमा करने की बेहतर व्यवस्था करना है। गांव मानेसर में भूजल स्तर लगातार गिरने से ग्रामीणों को पानी की समस्या हो रही है। तालाब के जीर्णोद्धार से बारिश का पानी जमा होगा, जिससे भूजल स्तर बढ़ने में मदद मिलेगी। निगम जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू करेगा। इस परियोजना से ग्रामीणों को घूमने और बैठने के लिए बेहतर जगह मिलेगी। इससे बुजुर्गों और बच्चों को खाली समय बिताने का अच्छा स्थान मिलेगा। गांव मानेसर के दादा भैया तालाब का करीब दो करोड़ रुपये की लागत से जीर्णोद्धार कराया जाएगा। इसके लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कर काम शुरू किया जाएगा। तालाब के विकसित होने से बारिश का पानी जमा हो सकेगा और जमीन के नीचे पानी का स्तर बढ़ाने में मदद मिलेगी।

आरडब्ल्यूए से संवाद कर निगमायुक्त ने दिए समस्याओं के जल्द समाधान के निर्देश

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त डॉ. पंकज ने बुधवार को 30 से अधिक रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) प्रतिनिधियों से सीधा संवाद किया। इस बैठक का उद्देश्य शहर की नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाना और स्थानीय समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना था। आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों ने अपने इलाकों की विभिन्न समस्याएं निगमायुक्त के समक्ष रखीं। चर्चा के दौरान सफाई व्यवस्था, कचरा प्रबंधन, सड़क बत्ती और पेयजल आपूर्ति जैसे कई मुद्दे उठाए गए। सामुदायिक केंद्रों, बागवानी, पार्कों, सड़कों और सीवर व्यवस्था से संबंधित समस्याओं पर भी विस्तार से बात हुई। निगमायुक्त ने सभी संयुक्त आयुक्तों और कार्यकारी अभियंताओं को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों की आरडब्ल्यूए के साथ लगातार संपर्क बनाए रखें। डॉ. पंकज ने अधिकारियों को स्थानीय समस्याओं का प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने अनावश्यक देरी से बचने और प्रत्येक कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया। निगमायुक्त डॉ. पंकज ने बताया कि नगर निगम का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण मूलभूत सुविधाएं देना है। उन्होंने कहा कि आरडब्ल्यूए प्रतिनिधि नागरिकों की अपेक्षाओं से सीधे जुड़े होते हैं। इसलिए उनके सुझाव और प्रतिक्रिया निगम के लिए महत्वपूर्ण हैं। सभी संबंधित अधिकारियों को आरडब्ल्यूए के साथ नियमित समन्वय रखने के निर्देश दिए गए। निगम का प्रयास है कि केवल शिकायतें दूर न हों, बल्कि नागरिकों को बेहतर सुविधाओं का अनुभव भी हो।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा: बुजुर्गों को वाराणसी दर्शन

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत 15 दिसंबर को 4 दिवसीय निशुल्क वाराणसी यात्रा होगी। प्रदेश के बुजुर्ग श्रद्धालुओं को यह यात्रा करवाई जाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ट्रेन को हरीझंडी दिखाएंगे। 60 वर्ष या अधिक आयु के श्रद्धालु इसके पात्र हैं। उनकी वार्षिक आय 1 लाख 80 हजार रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। पात्र सरल पोर्टल पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

विवाद सुलझाने के लिए बुलाई पंचायत में मारपीट

एजेंसी

रबूपुरा। गांव सिरौली बांगर में पारिवारिक विवाद को सुलझाने के लिए बुलाई गई पंचायत में कुछ लोगों ने पिता पुत्र पर हमला कर घायल कर दिया। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि गांव फलैदा निवासी कमलसिंह और उनके बेटे नितिन को 10 नवंबर को गांव सिरौली बांगर निवासी उनके रिश्तेदार दुर्योधन ने पारिवारिक विवाद सुलझाने के लिए पंचायत करने के मकसद से अपने गांव बुलाया था। वहां पहले से ही उनके कुछ अन्य रिश्तेदार भी मौजूद थे। आरोप है कि पंचायत के दौरान किसी बात को लेकर उनके रिश्तेदार बुलंदशहर के गांव बुर्ज निवासी जयपाल व योगेश और गांव खबरा निवासी मोनू पिता पुत्र के साथ गाली गलौज करने लगे। आरोप है कि विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी डंडों और लोहे की रॉड से पिता पुत्र पर हमला कर दिया। इस दौरान जान से मारने की धमकी भी दी गई। हमले में दोनों को गंभीर चोटें आई। शिकायत पर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घर में घुसकर दंपति और बेटियों से मारपीट

एजेंसी

रबूपुरा। क्षेत्र के गांव मेहंदीपुर बांगर में घर में घुसकर गाली गलौज और मारपीट का मामला प्रकाश में आया है। आरोप है कि पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। घटना में घायल दंपति और दो बेटियों को ग्रेटर नोएडा स्थित जिस्म अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने नामजद आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव मेहंदीपुर बांगर निवासी जुबेदा बीते 10 नवंबर को अपने घर में घरेलू कार्य कर रही थी। सुबह करीब 8 बजे गांव के ही निवासी मोहारुद्दीन, फारूक, मोहिन और परवेज पीड़िता के घर में घुसकर गाली गलौज करने लगे। विरोध किया तो लाठी डंडों से उसकी पिटाई शुरू कर दी। जब उसे बचाने उसकी बेटी दानिश्ता, फिजा व उसके पति जमील आए तो आरोपितो ने उनकी भी पिटाई कर दी। घटना में दंपति और दोनों बेटियां घायल हो गई। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लोकतंत्र मजबूत बनाने में युवाओं की भूमिका अहम : सुभाष बराला

एजेंसी

गुरुग्रा। लोकतंत्र को मजबूत बनाने और संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में युवाओं की भूमिका अहम है। युवाओं को संविधान में निहित मूल्यों को समझकर उन्हें अपने व्यवहार में अपनाना चाहिए। यह बात राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने बुधवार को एमडीयू के सेंटर फॉर प्रोफेशनल एंड एलाइड स्टडीज (सीपीएएस), गुरुग्राम में आयोजित 18वीं राष्ट्रीय युवा संसद में कही। संविधान दिवस की पूर्व संध्या पर भारत सरकार के संसदीय कार्य मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मॉडल संसद के माध्यम से संसदीय कार्यवाही का जीवंत प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि सुभाष बराला ने बाबा साहेब डॉ.



भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनके सपनों के अनुरूप लैंगिक समानता, सामाजिक समरसता और समावेशी समाज के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय संविधान विश्व के श्रेष्ठ संविधानों में से एक है। युवाओं को संविधान की विशेषताओं का अध्ययन करने के साथ उसमें निहित मूल्यों का सम्मान करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एमडीयू के कुलपति प्रो. मिलाप पूनियां ने कहा कि संविधान न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर आधारित भारत का विजन प्रस्तुत करता है। युवाओं को संवैधानिक मूल्यों को अपने आचरण का आधार बनाकर राष्ट्रसेवा के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने युवाओं से जागरूक नागरिक और जिम्मेदार नेतृत्वकर्ता बनने के साथ सशक्त, समावेशी एवं विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने संविधान निर्माण में डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान और वंचित एवं कमजोर वर्गों के लिए संवैधानिक सुरक्षा प्रावधान सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में निर्णायक मंडल के सदस्य डॉ. करमबीर गिल और युवा संसद की ग्रुप कोऑर्डिनेटर डॉ. शालिनी शर्मा ने भी विचार रखे। एमडीयू-सीपीएएस की निदेशक प्रो. कविता ढुल ने स्वागत भाषण दिया। युवा संसद के संयोजक प्रो. अनुपम कुरवाल ने आयोजन की अवधारणा एवं उद्देश्य बताए। डॉ. विजय राठी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। डॉ. कविता दहिया और डॉ. सुनील खरब ने मंच संचालन किया। युवा संसद के समापन पर निर्णायक मंडल ने मेगन, अंशिका, अक्ष, मोहम्मद जुनेद, कार्तिकेय शुक्ला और संदीप भारद्वाज को सर्वश्रेष्ठ छह वक्ताओं के रूप में चुना। कार्यक्रम में हरियाणा लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य डॉ. पवन, अधिष्ठाता शैक्षणिक मामले प्रो. रणदीप राणा, कुलसचिव प्रो. संदीप बंसल, डीन सीडीसी प्रो. राजेश पुनिया, निदेशक जनसंपर्क सुनीत मुखर्जी सहित शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

प्रदूषण से निपटने में तेजी लाएं अधिकारी, लापरवाही पर होगी कार्रवाई : निगम आयुक्त

एजेंसी

गुरुग्राम। शहर में बढ़ते प्रदूषण पर नियंत्रण, यातायात व्यवस्था में सुधार और बुनियादी सुविधाओं के विकास को लेकर नगर निगम ने अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। निगम आयुक्त डॉ. पंकज ने बुधवार को वार्षिक कार्ययोजना-2026 के तहत विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा में लंबित परियोजनाएं पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदूषण नियंत्रण और सड़क सुधार के कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समीक्षा बैठक में बताया गया कि गुरुग्राम और फरीदाबाद में 200 नई बसें शामिल करने के लक्ष्य का 50 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। वहीं, 80 प्रस्तावित इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों में से 25 शुरू किए जा चुके हैं। यातायात जाम की समस्या दूर करने के लिए चिह्नित 33 स्थानों में से 30 पर सुधार कार्य पूरा कर लिया गया है। शेष तीन स्थानों पर भी जल्द काम पूरा करने के निर्देश दिए गए। ग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) के तहत प्रस्तावित 165 इकाइयों में से 96 स्थापित हो चुकी हैं, जबकि 69 पर काम जारी है। निगम आयुक्त ने कैमरा लगाने में देरी और डाटा रिपोर्टिंग में कमी पर नाराजगी जताते हुए सभी उपकरणों को जल्द चालू करने तथा नियमित रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने को कहा। धूल नियंत्रण के लिए मशीनों की कार्यशीलता पर जोर पर्यावरण संरक्षण के तहत शहर में अब तक 41 हजार पेड़ और चार लाख झाड़ियां लगाई जा चुकी हैं। नगर निगम प्रतिदिन 1500 मीट्रिक टन निर्माण एवं विध्वंस कचरे के प्रसंस्करण का लक्ष्य हासिल कर रहा है। इसके अलावा 1200 मीट्रिक टन नए ठोस कचरे के प्रसंस्करण की व्यवस्था की जा रही है। शहर में 19 एंटी-स्मॉग गन कार्यशील हैं, जबकि 10 वाटर स्प्रिंकलर में से छह चालू हैं। शेष चार को तीन से चार दिन में शुरू करने के निर्देश दिए गए। निगमायुक्त ने सड़क पुनर्विकास, मैकेनिकल स्वीपिंग, सड़क किनारे पार्किंग और हरियाली विकसित करने के कार्यों में तेजी लाने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि आगामी समीक्षा बैठकों में विभागों के नामित नोडल अधिकारी अपडेटेड और सत्यापित रिपोर्ट के साथ उपस्थित हों।

गोद लिए स्कूलों का क्लास 1-2 अफसरों को करना होगा निरीक्षण

एजेंसी

गुरुग्राम। सरकारी स्कूलों की शैक्षणिक गुणवत्ता और कार्यप्रणाली में सुधार के लिए अब प्रशासनिक अधिकारियों की जवाबदेही सीधे उनकी एसीआर से जुड़ जाएगी। अपनी एसीआर को बेहतर बनाने के लिए अधिकारियों को साल में कम से कम तीन बार गोद लिए गए स्कूलों का दौरा करना होगा। अगर निरीक्षण किए बिना ही रिपोर्ट प्रस्तुत की जाती है तो वह अधूरी मानी जाएगी। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने निर्देश दिए हैं कि क्लास-1 और क्लास-2 के अधिकारियों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) में उनके द्वारा गोद लिए गए स्कूलों, स्कूलों के दौरों और निरीक्षणों का विवरण दर्ज करने के लिए एक विशेष कॉलम जोड़ा जाएगा। एसीआर में जोड़े जाने वाले विशेष कॉलम में अधिकारी द्वारा गोद लिए गए स्कूल



का नाम, वहां किए गए दौरों की संख्या और निरीक्षण के दौरान की गई समीक्षा का पूरा विवरण दर्ज किया जाएगा। इसके अलावा अधिकारियों को अपनी वार्षिक स्व-मूल्यांकन रिपोर्ट के साथ स्कूल निरीक्षण रिपोर्ट भी संलग्न करनी होगी। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे गोद लिए गए स्कूलों में जाकर विद्यार्थियों और शिक्षकों से बातचीत करें, शिक्षण गतिविधियों की स्थिति समझें, उपलब्ध सुविधाओं के उपयोग की समीक्षा करें तथा सुधार की आवश्यकता वाले क्षेत्रों की पहचान करें। उन्होंने कहा कि इस पहल का अंतिम उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक स्कूल अपनी पूरी क्षमता के अनुरूप बेहतर ढंग से कार्य करे। मुख्य सचिव ने यह भी निर्देश दिए हैं कि स्कूलों का निरीक्षण निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार किया जाए और निरीक्षण के दौरान सामने आए तथ्यों एवं सुझावों को उचित रूप से दर्ज किया जाए, ताकि उन पर आगे आवश्यक कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि एसीआर में निरीक्षण संबंधी विवरण शामिल करने से प्रशासनिक जिम्मेदारी और स्कूलों के वास्तविक सुधार के बीच बेहतर तालमेल स्थापित होगा। इस व्यवस्था से स्कूलों में उपलब्ध सुविधाओं, शिक्षण व्यवस्था और संसाधनों के उपयोग की नियमित निगरानी हो सकेगी। साथ ही, सामने आने वाली कमियों की पहचान कर समय पर सुधारात्मक कदम उठाने में भी मदद मिलेगी।

सफाई और विकास कार्यों में आरडब्ल्यूए की भागीदारी की मांग

एजेंसी

गुरुग्राम। शहर की बुनियादी सफाई व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं में सुधार लाने के उद्देश्य से यूनाइटेड गुरुग्राम आरडब्ल्यूए (यूजीआर) ने निगम आयुक्त डॉ. पंकज को पत्र सौंपकर विकास कार्यों में आरडब्ल्यूए की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करने की मांग की है। बुधवार को यूजीआर के संयोजक प्रवीण यादव और सह-संयोजक चैताली मंदोत्रा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने निगम आयुक्त से मुलाकात की। यूजीआर पदाधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री के समक्ष रखे गए पांच प्रमुख नीतिगत मुद्दों पर निगमायुक्त के साथ सार्थक चर्चा हुई और उन्होंने सकारात्मक रुख दिखाया है। पत्र में मांग की गई है कि किसी भी क्षेत्र में विकास कार्यों के एस्टीमेट स्थानीय आरडब्ल्यूए के परामर्श से आवश्यकता के अनुरूप तैयार किए जाएं। साथ ही, वर्क ऑर्डर की प्रति संबंधित आरडब्ल्यूए को देने और इसे एमसीजी पोर्टल पर सार्वजनिक करने की मांग की गई है। यूजीआर का आरोप है कि वर्क ऑर्डर सार्वजनिक



न होने के कारण ठेकेदार टेंडर की 10 प्रतिशत शर्तों का भी पालन नहीं करते। संगठन ने ठेकेदारों को भुगतान से पहले आरडब्ल्यूए से संतुष्टि प्रमाण पत्र' लेने की पुरानी व्यवस्था को दोबारा लागू करने पर जोर दिया। दस फीसदी कम दर पर सफाई को तैयार आरडब्ल्यूए को मिले काम सफाई व्यवस्था को लेकर सुझाव दिया गया कि जो आरडब्ल्यूए मौजूदा ठेकेदारों से 10 प्रतिशत कम दर पर सड़कों की सफाई की जिम्मेदारी लेने को तैयार हैं, उन्हें यह कार्य सौंपा जाए। इसके लिए आरडी सिटी आरडब्ल्यूए के वर्ष 2025 के त्रिपक्षीय समझौते का उदाहरण दिया गया, जहां बेहतर सफाई के बावजूद निगम द्वारा अब तक भुगतान नहीं किया गया है। संपत्तिकर में कचरा शुल्क न जोड़ने की अपील घरों से कूड़ा एकत्रित पर यूजीआर ने दैनिक गीले व सप्ताह में दो बार सूखे कचरे के उठान, ई-कचरे के लिए प्रत्येक जोन में कम से कम तीन एजेंसियों को सूचीबद्ध करने और गांवों व अनधिकृत कॉलोनियों में बिना शुल्क की परवाह किए अनिवार्य कचरा उठान की मांग की। इसके अलावा, संपत्तिकर में कचरा संग्रहण शुल्क जोड़ने के प्रस्ताव को रद्द करने की अपील की गई है

नूंह के गांवों में शराब ठेकों के खिलाफ ग्रामीण लामबंद, डीसी को सौंपा ज्ञापन

एजेंसी

नूंह। नूंह जिले के गांव कुरथला और आलदोका में शराब के ठेकों और कथित तौर पर बढ़ती नशाखोरी को लेकर ग्रामीणों का विरोध तेज होने लगा है। दोनों गांवों के ग्रामीणों ने बुधवार को जिला उपायुक्त अखिल पिलानी को ज्ञापन सौंपकर गांवों में शराब के ठेके हटाने और नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने की मांग की। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि स्कूल, मंदिर और गांव की फिरनी के इतने नजदीक शराब का ठेका संचालित करने की अनुमति कैसे दी गई। ग्रामीणों के अनुसार, कुरथला गांव में शराब का ठेका स्कूल, मंदिर और गांव की फिरनी से 100 मीटर से भी कम दूरी पर स्थित है। इस संबंध में पहले भी गांव में पंचायत आयोजित कर ठेके को दूसरी जगह शिफ्ट करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने प्रशासन से पूछा कि जब गांव के लोग एकजुट होकर ठेका हटाने की मांग कर रहे हैं तो उनकी शिकायत पर समाधान क्यों नहीं किया जा रहा। ग्रामीणों ने गांवों में शराब के ठेकों के अलावा चिट्टा, गांजा, सूखा नशा और अवैध शराब की कथित बिक्री पर भी चिंता जताई। उनका आरोप है कि गांवों में नशे का प्रभाव किशोरों तक पहुंच रहा है और 13 से 17 वर्ष तक



के बच्चे भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। ग्रामीणों ने कहा कि यह उम्र बच्चों के पढ़ने-लिखने और खेलकूद में आगे बढ़ने की है, यदि तत्काल ठेका हटाना संभव नहीं है तो इसे कम से कम आबादी से दो किलोमीटर दूर स्थापित किया जाए। साथ ही आगामी आबकारी नीति में दोनों गांवों को शराब के ठेकों से मुक्त रखने का प्रावधान किया जाए। ग्रामीणों ने कथित तौर पर बिक रहे सूखे नशे और अवैध शराब के खिलाफ भी विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई करने की मांग की। जिला उपायुक्त ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि आगामी आबकारी नीति में शराब के ठेके हटाने की उनकी मांग पर विचार किया जाएगा। इसके अलावा मौजूदा आबकारी नीति के तहत भी मामले की जांच करवाकर उचित कदम उठाने की बात कही।

कंपनी को क्लेम की राशि ब्याज सहित देने के निर्देश

एजेंसी

गुरुग्राम । दस्तावेज न मिलने का झूठा बहाना बनाकर बुजुर्ग मरीज का मेडिक्लेम खारिज करना ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और हेल्थ इंश्योरेंस टीपीए ऑफ इंडिया लिमिटेड को भारी पड़ गया है। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, गुरुग्राम के अध्यक्ष संजीव जिंदल तथा सदस्य ज्योति सिवाच और खुशविंदर कौर की पीठ ने बीमा कंपनी को सेवा में गंभीर लापरवाही और अनुचित व्यापार व्यवहार का दोषी करार दिया। आयोग ने पीड़ित ग्राहक को ब्याज सहित पूरा क्लेम और 41 हजार रुपये का अतिरिक्त हजार्ना देने का आदेश दिया है। गुरुग्राम के झाड़सा रोड स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी

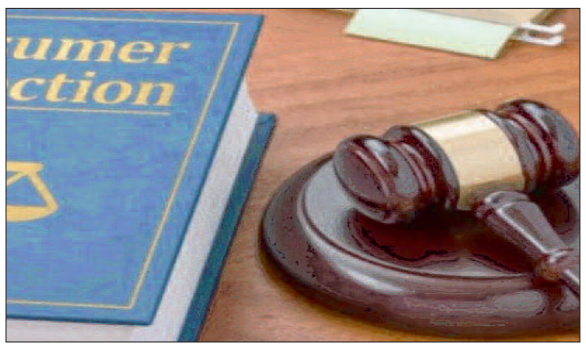

निवासी कृष्ण गोपाल ने ओरिएंटल इंश्योरेंस की बैंक साथी पॉलिसी ले रखी थी।चार लाख रुपये के सम-इंश्योर्ड वाली यह पॉलिसी 25 अगस्त 2024 से 24 अगस्त 2025 तक वैध थी, जिसके लिए उन्होंने 29 हजार 684 रुपये का प्रीमियम भरा था। पॉलिसी अवधि के दौरान यूरिन (पेशाब) संबंधी समस्या होने पर उन्हें आपातकालीन स्थिति में राजीव चौक के पास सिविल लाइंस रोड स्थित पुष्पांजलि अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्रोस्टेट ग्रंथि बढ़ने के कारण उनकी टीयूआरपी सर्जरी की गई। इलाज के बाद उन्हें 24 मार्च 2025 को छुट्टी दी गई और इस दौरान उनके 65 हजार 509 रुपये खर्च हुए। इसके बाद दोबारा वही समस्या होने पर वह 27 मार्च 2025 से 29 मार्च 2025 तक फिर से पुष्पांजलि अस्पताल में भर्ती रहे, जिसमें 37 हजार 409 रुपये का और खर्च आया। मेडिक्लेम दावा खारिज करने का मामला इलाज के बाद कृष्ण गोपाल ने 24 जून 2025 को कुल एक लाख दो हजार 918 रुपये के मेडिकल बिल, डिस्चार्ज समरी, जांच रिपोर्ट और कैंसिल चेक समेत सभी मूल दस्तावेज बीमा कंपनी में जमा कराए। 16 जुलाई 2025 को बीमा कंपनी ने पत्र भेजकर कुछ सवाल पूछे, जिनका शिकायतकर्ता ने विधिवत जवाब भी दे दिया। इसके बावजूद बीमा कंपनी टालमटोल करती रही और 17 अक्तूबर 2025 को पॉलिसी की धारा 5.6 (ई) के तहत आवश्यक दस्तावेज न मिलने का हवाला देते हुए उनका क्लेम खारिज कर दिया। आयोग में शिकायत और सुनवाई परेशान होकर पीड़ित ने 26 नवंबर 2025 को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 की धारा 35 के तहत आयोग में शिकायत दर्ज कराई। सुनवाई के दौरान नोटिस तामील होने के बावजूद टीपीए कंपनी पेश नहीं हुई, जिस पर आठ जनवरी 2026 को उनके खिलाफ एकतरफा कार्यवाही की गई, जबकि तय 45 दिनों में जवाब दाखिल न करने पर 23 फरवरी 2026 को ओरिएंटल इंश्योरेंस का बचाव अधिकार समाप्त कर दिया गया। बीमा कंपनियों को भुगतान का आदेश आयोग ने शिकायतकर्ता द्वारा पेश किए गए सभी मेडिकल बिलों, रसीदों, क्वेरी लेटर और साक्ष्यों को सही मानते हुए 18 नवंबर 2026 को अपना फैसला सुनाया। आयोग ने दोनों विपक्षी कंपनियों को संयुक्त रूप से आदेश दिया है कि वह 26 नवंबर 2025 से 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ एक लाख दो हजार 918 रुपये की क्लेम राशि का भुगतान करें। इसके अलावा मानसिक प्रताड़ना के लिए 30 हजार रुपये मुआवजा और 11 हजार रुपये मुकदमा खर्च के रूप में 45 दिनों के भीतर देने होंगे। तय समय में भुगतान न करने पर 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज लगेगा और धारा 72 के तहत सजा व जुमार्ने की कार्यवाही भी की जा सकेगी।

केरल में यूडीएफ ने नई आबकारी नीति हेतु उपसमिति बनाई

तिरुवनंतपुरम ।

केरल में सत्तारूढ़ संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने राज्य की नई आबकारी नीति पर चर्चा और सिफारिशें देने के लिए एक उपसमिति का गठन किया है। मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। मुख्यमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार पूर्व विधायक के. शिवदासन नायर इसके संयोजक होंगे। समिति में पीजे जॉय, जॉय अब्राहम, विधायक के जयंथ, विष्णु मोहन, वक्कनाड राधाकृष्णन और सीए अजीर सदस्य हैं। यह कदम तब उठाया गया है जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ सरकार पिछली वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) की आबकारी नीति को बदलकर नई नीति लाना चाहती है। आबकारी मंत्री एम. लिजू ने संकेत दिया था कि चर्चाएं पूरी हो चुकी हैं और सरकार नवंबर अंत तक इसकी घोषणा का लक्ष्य लेकर चल रही है।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन का शेयर तीन प्रतिशत बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड का शेयर गुरुवार को 272 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब तीन प्रतिशत की बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर निर्गम मूल्य से 2.94 प्रतिशत की बढ़त के साथ 280 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। वहीं एनएसई पर इसने 278 रुपये पर कारोबार शुरू किया, जो निर्गम मूल्य से 2.20 प्रतिशत अधिक है। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 4,492.28 करोड़ रुपये रहा। क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पिछले सप्ताह शुक्रवार को बोली के अंतिम दिन 17 गुना अभिदान मिला था।क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड ने 456 करोड़ रुपये के अपने आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 259 से 272 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था।इस निर्गम में 355 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए गए, जबकि मौजूदा शेयरधारकों ने 101 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की।

हैदराबाद में एप्पल का पहला स्टोर, भारत में सातवां रिटेल आउटलेट

10 दिसंबर को कुकटपल्ली स्थित लेक शोर-वाई जंक्शन मॉल में होगा उद्घाटन

नई दिल्ली ।

तकनीकी दिग्गज एप्पल भारत में अपने खुदरा विस्तार को नई गति देते हुए 10 दिसंबर को हैदराबाद में अपना पहला एक्सक्लूसिव स्टोर खोलने जा रही है। यह देश में कंपनी का सातवां रिटेल आउटलेट होगा और इसे कुकटपल्ली स्थित लेक शोर-वाई जंक्शन मॉल में एप्पल कुकटपल्ली नाम से खोला जाएगा। कंपनी ने गुरुवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि यह स्टोर दक्षिण भारत में एप्पल की बढ़ती उपस्थिति को और मजबूत करेगा। इसके माध्यम से हैदराबाद के ग्राहकों को एप्पल के उत्पादों को प्रत्यक्ष रूप से देखने, खरीदने और कंपनी की सेवाओं व सहायता का सीधा अनुभव लेने का अवसर मिलेगा। बाजार अनुसंधान फर्म साइबर मीडिया रिसर्च (सीएमआर) की 2026 की तीसरी तिमाही की रिपोर्ट के अनुसार, एप्पल भारत के शीर्ष पांच स्मार्टफोन ब्रांडों में शामिल है और इसकी बाजार हिस्सेदारी 9 प्रतिशत है। हैदराबाद में एप्पल की अनुसंधान एवं विकास और खुदरा ग्राहक सेवा टीमें भी पहले से मौजूद हैं।

टाटा की एयरलाइंस एक समूह के रूप में करेंगी काम, विलय नहीं होगा

नई दिल्ली ।

टाटा समूह की दो प्रमुख एयरलाइंस एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस अब एक एकीकृत समूह के रूप में काम करेंगी। हालांकि, दोनों का कानूनी विलय नहीं होगा और वे अपनी अलग पहचान बनाए रखेंगी।

इस कदम का मुख्य उद्देश्य परिचालन लागत को कम करना और सेवाओं की दक्षता बढ़ाना है। एयर इंडिया प्रबंधन ने कर्मचारियों को इस योजना से अवगत कराया है, जिस पर सहमति बन गई है। दोनों ही टाटा समूह की कंपनियां हैं, जहां एयर इंडिया एक पूर्ण-सेवा वाहक है, वहीं एयर इंडिया एक्सप्रेस बजट सेगमेंट में संचालित होती है।

अब इन दोनों एयरलाइंस का संचालन एक ही शीर्ष प्रबंधन के तहत होगा, जिससे निर्णय लेने की प्रक्रिया और समन्वय में सुधार होगा। दोनों एयरलाइंस बढ़ती लागत, जैसे विमान ईंधन, कर्मचारी वेतन और रखरखाव खर्चों से जूझ रही हैं। संयुक्त संचालन से संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल, गैर-जरूरी खर्चों में कटौती और समग्र कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

भारतीय शेयर बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 390, निफ्टी 65 अंक उछला

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। इससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों बढ़त के साथ बंद हुए। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 390.31 अंक उछलकर 84,328.59 के नए स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 65.25 अंक ऊपर आकर 25,884.50 के स्तर पर पहुंच गया।

बाजार की इस तेजी में आईटी और रियल एस्टेट शेयरों की अहम भूमिका रही। निफ्टी आईटी इंडेक्स सबसे आगे रहा, जिसमें 3.66 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई। निफ्टी रियल्टी इंडेक्स में भी 3.27फीसदी की शानदार बढ़त रही। इसके अलावा, मेटल सेक्टर में भी तेजी रही और निफ्टी मेटल इंडेक्स 1.17 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। हेल्थकेयर और फार्मास्युटिकल सेक्टरों ने भी बाजार को सहारा दिया, जहां निफ्टी फार्मा में 0.45 फीसदी और निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स में 0.20 फीसदी की तेजी देखी गई।

हालांकि कुछ प्रमुख सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। सबसे ज्यादा नुकसान फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) सेक्टर को हुआ, जहां निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स 0.94 फीसदी गिरा। ऑटोमोबाइल और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसयू बैंक) के शेयरों में भी निवेशकों ने मुनाफावसूली की,



जिसके परिणामस्वरूप निफ्टी ऑटो में 0.69 फीसदी और निफ्टी पीएसयू बैंक में 0.68 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

मीडिया सेक्टर के शेयरों में भी कमजोरी देखने को मिली। वहीं निजी बैंक (प्राइवेट बैंक) और वित्तीय सेवाएँ (फाइनेंशियल सर्विसेज) सेक्टर भी दबाव में रहे, हालांकि इनकी गिरावट अपेक्षाकृत कम थी। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार में तेजी के साथ कारोबार शुरु हुआ। मजबूत शुरुआत के बाद हालांकि बाजार में ऊपरी स्तरों से कमजोरी दर्ज की जा रही। सेंसेक्स 84000 के ऊपर है, जो सेशन के दौरान 84326 तक उछला। निफ्टी भी 25880 से फिसलकर 25800 के नीचे आ गया।

रुपया 20 पैसे टूटकर 92.40 प्रति डॉलर पर खुला

- रुपया पिछले दिन 92.20 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई ।



रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 20 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.40 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी पूंजी का प्रवाह रुपये के पक्ष में रहा, लेकिन कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बाद फिर तेजी आने और इनके 95 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रहने से घरेलू मुद्रा पर दबाव पड़ा। कारोबारियों ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ व्यापार युद्ध बढ़ाने के ताजा प्रस्ताव से भी मुद्रास्फीति को लेकर चिंता बढ़ी है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.50 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह मजबूत होकर 92.39 तक पहुंचा, लेकिन फिर गिरकर 92.40 प्रति डॉलर पर आ गया। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले 20 पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को 65 पैसे की बढ़त के साथ 92.20 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। यह चालू वित्त वर्ष में अब तक का इसका सबसे ऊंचा बंद स्तर था। इससे पहले इस साल 16 मार्च को रुपया 92.28 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति बताने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत बढ़कर 103.79 पर पहुंच गया।

फ्लिपकार्ट के सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति पद छोड़ने को तैयार

दस साल बाद कमान छोड़ेंगे कृष्णमूर्ति, आपातकालीन टाउनहॉल बैठक बुलाई गई

नई दिल्ली ।

वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स दिग्गज फ्लिपकार्ट में एक बड़ा नेतृत्व परिवर्तन होने जा रहा है। करीब दस साल तक कंपनी की कमान संभालने वाले सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति अगले कुछ हफ्तों में अपना पद छोड़ने की तैयारी में हैं।

सूत्रों के अनुसार इस महत्वपूर्ण बदलाव पर चर्चा के लिए आज दोपहर एक आपातकालीन टाउनहॉल मीटिंग बुलाई गई है, जिससे स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है। कृष्णमूर्ति ने 2017 में सीईओ का पद संभाला था और संस्थापकों के जाने के बाद पिछले एक दशक में उन्होंने फ्लिपकार्ट को स्थिरता प्रदान करने में अहम भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में कंपनी ने भारतीय ई-कॉमर्स बाजार में अमेज़न और मीशो जैसे प्रतिद्वंद्वियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना किया, साथ ही फ्लिपकार्ट मिनट्स जैसी क्विक कॉमर्स सेवाओं और जेन-जेड ग्राहकों के लिए नए उत्पाद क्षेत्रों में विस्तार किया। हालांकि, उनका यह कदम ऐसे समय में आया है जब फ्लिपकार्ट आंतरिक चुनौतियों से जूझ रही है, जिनमें कंपनी के आईपीओ में देरी, फंड जुटाने की कोशिशें और वरिष्ठ अधिकारियों का लगातार कंपनी छोड़ना शामिल है। आईपीओ में देरी से कर्मचारियों के ईएसओपी लाभों को लेकर भी असंतोष बढ़ा है।

क्या बदलेगा टाटा स्टील-एपीएल अपोलो विलय का चेहरा? प्रबंधन में चल रहा मंथन

कंपनी अल्पांश शेयरधारकों की चिंताओं को दूर करने के लिए प्रबंधन स्तर पर कर रही चर्चा

नई दिल्ली।

टाटा स्टील और एपीएल अपोलो के बीच प्रस्तावित विलय सौदे की रूपरेखा में बदलाव की संभावना है। टाटा स्टील के एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक टीवी नरेंद्रन ने बताया है कि कंपनी अल्पांश शेयरधारकों की चिंताओं को दूर करने के लिए प्रबंधन स्तर पर चर्चा कर रही है। यह घोषणा सौदे की खबर के बाद दोनों कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट और बाजार की तीखी प्रतिक्रिया के बाद आई है। नरेंद्रन ने खुलासा किया है कि टाटा स्टील ने बाजार से मिली प्रतिक्रियाओं और अपने शेयरधारकों की चिंताओं पर गंभीरता से ध्यान दिया है, जिनकी मुख्य चिंता कंपनी के कर्ज के स्तर को लेकर है। इसी तरह, एपीएल अपोलो के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक संजय गुप्ता भी अपने अल्पांश शेयरधारकों के संपर्क में हैं और उनकी प्रतिक्रियाओं को सुना गया है। नरेंद्रन ने कहा कि फिलहाल आंतरिक स्तर पर चर्चाएं जारी हैं और अभी तक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा गया है। उनकी यह टिप्पणी उस समय आई है जब सौदे की घोषणा के बाद से दोनों कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। टाटा स्टील के सीईओ ने बताया कि पिछले 48 घंटों में सामने आई चिंताओं को दूर करने के लिए प्रबंधन स्तर पर सक्रिय चर्चा चल रही है।



इसका उद्देश्य एक ऐसा समाधान निकालना है जो दोनों पक्षों के शेयरधारकों सहित सभी हितधारकों की चिंताओं को संबोधित कर सके। उन्होंने स्वीकार किया कि मुख्य चिंता एपीएल अपोलो के बहीखाते पर सौदे के बाद आने वाले कर्ज के बारे में है। नरेंद्रन ने कहा` कि हम ऐसा सबसे अच्छा तरीका तलाश रहे हैं जिससे एपीएल अपोलो और टाटा स्टील दोनों के शेयरधारकों के साथ उचित व्यवहार हो सके।

कंपनी ने एपीएल अपोलो का अधिग्रहण कर डाउनस्ट्रीम क्षेत्र में एक बड़ी इकाई बनाने की योजना बनाई थी। हाल ही में, टाटा स्टील ने टाटा स्टील कलर्स प्राइवेट लिमिटेड में अपनी पूरी हिस्सेदारी और अपने ट्यूब कारोबार को एपीएल अपोलो ट्यूब्स लिमिटेड को हस्तांतरित करने के लिए 28,000 करोड़ रुपये के समझौते किए थे।

उत्पादों से नतीजों तक,ब्रांड्स के लिए बदल रहा है उपभोक्ता बाजार

ब्रांड्स को अब यह सोचना बंद करना होगा कि कौन सा उत्पाद लॉन्च किया जाए

सिंगापुर ।

मिंटेल के 2027 के वैश्विक अनुमान बताते हैं कि उपभोक्ता बाजार में ब्रांड ग्रोथ का तरीका बदल रहा है।

अब सफलता सिर्फ नए उत्पाद लॉन्च करने पर नहीं, बल्कि कनेक्टेड सिस्टम के ज़रिए उपभोक्ताओं को उनके वांछित नतीजे (आउटकम) हासिल करने में मदद करने पर निर्भर करेगी। यह बदलाव कैटेगरी की पुरानी सीमाओं को धुंधला कर रहा है और प्रतिस्पर्धा का माहौल बदल रहा है। मिंटेल ट्रेंड्स की एक अे धिकारी के अनुसार ब्रांड्स को अब यह सोचना बंद करना होगा कि कौन सा उत्पाद लॉन्च किया जाए और यह पूछना शुरू करना होगा कि उनका ब्रांड उपभोक्ताओं को भरोसेमंद तरीके से क्या परिणाम प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

उपभोक्ता अपनी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए उत्पादों, सेवाओं और व्यवहारों के मिश्रण का उपयोग कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, एक स्लीप ब्रांड अब सिर्फ़ दूसरे स्लीप उत्पादों से नहीं, बल्कि टेक्नोलॉजी, न्यूट्रिशन या फ़िटनेस समाधानों से भी प्रतिस्पर्धा करेगा। यह बदलाव वेलनेस, फूड एंड ड्रिंक, ब्यूटी और घरेलू देखभाल जैसी बड़ी श्रेणियों को प्रभावित कर रहा है। वेलनेस में रिकमेंडेशन इंजन नए प्रतिस्पर्धी बन रहे हैं, जबकि फूड ब्रांड्स को सप्लीमेंट्स और टेक्नोलॉजी से चुनौती मिल रही है।

ब्यूटी में ग्राहक अब रूटीन के बड़े हिस्से के लिए सप्लीमेंट्स और डिवाइसेस पर खर्च कर रहे हैं, और घरेलू देखभाल में, घर के ऑटोमेटेड सिस्टम ब्रांड्स के लिए नई चुनौती पेश कर रहे हैं। ब्रांड्स को यह समझना होगा कि उपभोक्ता क्या हासिल करना चाहते हैं और उन कनेक्टेड सिस्टम में अपनी एक स्पष्ट व भरोसेमंद भूमिका कैसे निभाएं। भविष्य में, हम टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर और रिटेल क्षेत्रों में नई साझेदारियां देखने की उम्मीद कर सकते हैं, जहाँ ब्रांड्स मिलकर उपभोक्ताओं के लिए बेहतर और एकीकृत समाधान पेश करेंगे।

उबर इंडिया-दक्षिण एशिया की कमान जोमैटो के पूर्व सीईओ राकेश रंजन को

4 जनवरी 2027 से प्रभावी होगी नियुक्ति

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन कैब बुकिंग मंच उबर ने भारत और दक्षिण एशिया के लिए अपनी नेतृत्व टीम में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। कंपनी ने जोमैटो के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) राकेश रंजन को इस क्षेत्र का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। रंजन की नियुक्ति 4 जनवरी, 2027 से प्रभावी होगी और वे उबर के एशिया प्रशांत क्षेत्र के महाप्रबंधक डोम टेलर को रिपोर्ट करेंगे। उबर से जुड़ने से पहले, रंजन शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी एलन ऑनलाइन के सीईओ थे। इससे पूर्व, उन्होंने जोमैटो में आठ साल तक काम किया, जहां उन्होंने खाद्य ऑर्डर और डिलीवरी कारोबार के सीईओ सहित कई नेतृत्वकारी जिम्मेदारियां संभाली थीं। डोम टेलर ने तीन माह से अधिक समय तक चली तलाश के बाद रंजन का स्वागत करते हुए कहा कि भारत और दक्षिण एशिया उबर के भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। यात्राओं की संख्या के मामले में भारत, अमेरिका और ब्राजील के बाद उबर का तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। साथ ही, मंच से कमाई करने वाले लोगों की संख्या के लिहाज से यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है, जो इसकी रणनीतिक अहमियत को दर्शाता है।

नए श्रम कानून एक साल बाद भी कंपनियों में पूरी तरह से नहीं हुए लागू-रिपोर्ट

सर्वे का खुलासा- वेतन, पीएफ और ग्रेच्युटी में बढ़ोतरी से कंपनियों पर बढ़ेगा बोझ

नई दिल्ली ।

कर्मचारियों और मजदूरों की भलाई के लिए देश में बीते साल लागू किए गए चार नए श्रम कानूनों को कंपनियां पूरी तरह से अपनाने में अभी भी पीछे हैं। एक ताजा सर्वे रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि एक साल बीत जाने के बाद भी आधी से अधिक कंपनियां इन नियमों को लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हैं, जिसका मुख्य कारण वेतन संरचना और पेरोल सिस्टम में आने वाले बदलाव हैं।

सर्वे के अनुसार केवल 50.6 फीसदी कंपनियों ने ही इन कानूनों को लागू करने की तैयारी पूरी की है, जबकि 28.8 फीसदी अभी इस प्रक्रिया में हैं। चिंताजनक बात यह है कि 11.7 फीसदी कंपनियों ने तो इस दिशा में काम ही शुरू नहीं किया है और 9 फीसदी को तो इन बदलावों की जानकारी तक नहीं है।

यानी, लगभग आधी कंपनियां अभी भी नए नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करने से दूर हैं। नए श्रम कानूनों से कंपनियों पर वित्तीय बोझ बढ़ने की आशंका है। 74.4 फीसदी कंपनियों ने माना है कि नए वेतन नियमों से उनका खर्च बढ़ेगा, जिसमें से 49.6 फीसदी का अनुमान है कि यह खर्च 5 फीसदी तक बढ़ सकता है। ग्रेच्युटी और प्रोविडेंट फंड (पीएफ) में योगदान में वृद्धि को इसका मुख्य कारण बताया गया है।

भारतीय चीनी को मिला अमेरिकी बाजार, 8,606 टन निर्यात को हरी झंडी

अमेरिका के संभावित शुल्क के बावजूद भारतीय निर्यातकों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली ।

भारत सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अमेरिकी बाजार में 8,606 टन कच्ची चीनी के निर्यात को मंजूरी दे दी है। यह निर्यात कोटा 1 अक्टूबर 2026 से 30 सितंबर 2027 तक की अवधि के लिए वैध होगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा इस संबंध में जारी एक आदेश के अनुसार, यह निर्णय टैरिफ रेट कोटा (योजना के तहत लिया गया है, जो भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धी लाभ दिलाएगा। टीआरक्यू योजना के तहत एक निश्चित मात्रा तक के सामान पर आयात शुल्क या तो शून्य होता है या काफी कम दर पर लगाया जाता है।

यह प्रावधान भारतीय चीनी को अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए अधिक आकर्षक बनाएगा, खासकर ऐसे समय में जब कुछ राजनीतिक जानकारों के अनुसार अमेरिकी प्रशासन भारत सहित विभिन्न देशों पर फिर से आयात शुल्क लगाने पर विचार कर रहा है। इसके बावजूद, यह कदम भारतीय चीनी को अमेरिकी बाजार में मिठास घोलने का अवसर देगा।

निर्धारित 8,606 टन की मात्रा मीट्रिक टन रॉ वैल्यू में तय की गई है, जो अंतरराष्ट्रीय चीनी व्यापार में कच्ची चीनी के वजन मापने का एक मानक है।

इस निर्यात के लिए मूल देश का प्रमाण पत्र (सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन) अनिवार्य होगा, जिसे मुंबई स्थित विदेश व्यापार महानिदेशालय का अतिरिक्त महानिदेशक जारी करेगा। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपेडा) इस पूरी प्रक्रिया में केंद्रीय भूमिका निभाएगा। एपेडा ही संबंधित कंपनियों और निर्यात की मात्रा की सिफारिश करेगा, जिसके आधार पर आवश्यक दस्तावेज जारी किए जाएंगे।

ओला-उबर पर डार्क पैटर्न के इस्तेमाल को लेकर सरकार सख्त, जुर्माना और जांच जारी

बुकिंग से पहले जबरन टिप मांगने और किराए में हेरफेर पर सख्ती

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख कैब कंपनियों पर सरकार ने आखिरकार शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। ग्राहकों को भ्रमित कर या धोखा देकर अपनी मर्जी के खिलाफ कुछ करने को मजबूर करने वाले डार्क पैटर्न के इस्तेमाल को लेकर उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने सख्त चेतावनी जारी की है। इसी कड़ी में ओला को बुकिंग कंफर्म होने से पहले टिप मांगने के लिए 10 लाख रुपये का भारी जुर्माना चुकाना पड़ा है।

यह जुर्माना ओला द्वारा बुकिंग से पहले ग्राहकों से टिप मांगने पर लगाया गया, जिसमें दावा था कि इससे जल्दी कैब मिलेगी। कंपनी के डेटा ने ही इस दावे को गलत साबित किया, जहां टिप वाली बुकिंग की पुष्टि दर, टिप रहित बुकिंग से कम थी।

10-40 रुपये से शुरू होकर टिप का विकल्प बाद में 499 रुपये तक पहुंच गया था। रैपिडो पर भी इसी तरह के प्रॉम्प्ट के लिए जुर्माना लगा है, और उबर तथा नम्मा यात्री के खिलाफ भी जांच जारी है।

यह डार्क पैटर्न ग्राहकों को धोखा देकर उनकी मर्जी के खिलाफ फैसले लेने को मजबूर करता है। ग्राहकों को एयरपोर्ट पर मनमाना किराया, पीक आवर में 40-50 फीसदी तक की बढ़ोतरी और महंगी प्रीमियम कैब को प्राथमिकता देने जैसी शिकायतों का भी सामना करना पड़ रहा है। ड्राइवरों की स्थिति भी दयनीय है, जिनकी कमाई कम और खर्च ज्यादा हैं।

दिल्ली-एनसीआर समेत कई शहरों में ड्राइवरों ने न्यूनतम किराए में बढ़ोतरी (एसी- 30 रुपये/किमी, नॉन-एसी- 25 रुपये/किमी) और कंपनियों की मनमानी कटौती बंद करने की मांग को लेकर हड़तालें की हैं। सीसीपीए का यह कदम स्वागत योग्य है, पर कैब उद्योग में व्यापक सुधार के लिए और ठोस उपाय आवश्यक हैं।

भारतीय बैंकों की ऋण वृद्धि 2027 में भी दोहरे अंक में रहने का अनुमान-फिच

मार्च 2028 में समाप्त होने वाले वित्त वर्ष 2027-28 में भारतीय बैंकों का वित्तीय प्रदर्शन स्थिर रहेगा

नई दिल्ली ।

विश्व की प्रमुख रे टिंग्स एजेंसी फिच ने गुरुवार को कहा कि भारतीय बैंकों की ऋण वृद्धि 2027 में भी दोहरे अंक में रहने की उम्मीद है। वहीं लागत दक्षता में सुधार से उनकी लाभप्रदता बढ़ेगी और पूंजी पर्याप्तता स्थिर बनी रहेगी। फिच को उम्मीद है कि मार्च 2028 में समाप्त होने वाले वित्त वर्ष 2027-28 में भारतीय बैंकों का वित्तीय प्रदर्शन स्थिर रहेगा। मजबूत आर्थिक वृद्धि से ऋण वृद्धि करीब 15 प्रतिशत बनी रहेगी, जबकि नीतिगत ब्याज दर में मामूली बढ़ोतरी से शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) और आय को समर्थन मिलेगा। एशिया-प्रशांत क्षेत्र के बैंकों पर जारी अपनी रिपोर्ट में फिच ने कहा` कि कर्ज की अवधि बढ़ने के साथ परिसंपत्तियों की गुणवत्ता पर दबाव थोड़ा बढ़ सकता है, लेकिन कर्ज की वसूली और बट्टे खाते में डाले जाने वाले कर्ज से इसका असर कम हो जाएगा। ऋण वृद्धि और लागत दक्षता में सुधार से लाभप्रदता को समर्थन मिलेगा और पूंजी पर्याप्तता स्थिर बनी रहेगी। फिच के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में कुछ क्षेत्रों में कर्ज की तेज वृद्धि के कारण नए गैर-निष्पादित ऋण (एनपीएल) के मामले मामूली रूप से बढ़ सकते हैं। इनमें बिना गारंटी वाले व्यक्तिगत ऋण और कृषि कारोबार से जुड़े कर्ज शामिल हैं, जो बाहरी परिस्थितियों में बदलाव के प्रति संवेदनशील हो सकते हैं।

पंजाब में भाजपा-अकाली गठबंधनः सत्ता परिवर्तन की नई आहट



ललित गर्ग

अकाली दल के साथ आने से उसे पंजाब की स्थानीय सामाजिक संरचना में अधिक व्यापक पहुंच मिल सकती है। दूसरी ओर अकाली दल के लिए यह गठबंधन राजनीतिक पुनर्जीवन का अवसर है। कभी पंजाब की राजनीति की निर्णायक शक्ति रहे अकाली दल का जनाधार पिछले कुछ वर्षों में तेजी से कमजोर हुआ है।

पंजाब की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल का छह वर्ष बाद फिर साथ आना केवल दो राजनीतिक दलों के बीच गठबंधन की वापसी नहीं है, बल्कि यह पंजाब के बदलते राजनीतिक समीकरणों की महत्वपूर्ण आहट है, इससे आम आदमी पार्टी का संकट बढ़ेगा और पंजाब के राजनीतिक समीकरण बदलेंगे। गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर घोषित यह गठबंधन 2027 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की सरकार के सामने एक मजबूत चुनौती के रूप में उभर सकता है। दोनों दलों का पुराना राजनीतिक रिश्ता, साझा शासन का अनुभव और एक-दूसरे के पूरक सामाजिक आधार इस गठबंधन को विशेष महत्व देते हैं। हालांकि चुनावी राजनीति में किसी गठबंधन की घोषणा सत्ता परिवर्तन की गारंटी नहीं होती, लेकिन इतना निश्चित है कि पंजाब में अब मुकाबला पहले की तुलना में अधिक रोचक, प्रतिस्पर्धी और त्रिकोणीय हो गया है। भाजपा और अकाली दल का संबंध राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के औपचारिक गठन से भी पुराना है। अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और प्रकाश सिंह बादल के दौर में दोनों दलों ने जिस राजनीतिक साझेदारी की नींव रखी थी, वह लंबे समय तक पंजाब की राजनीति में सफल मॉडल बनी रही। अकाली दल का ग्रामीण और सिख समाज में प्रभाव तथा भाजपा का शहरी हिंदू, व्यापारी और मध्यवर्गीय आधार एक-दूसरे के पूरक रहे। इसी सामाजिक और राजनीतिक समीकरण के कारण दोनों दलों ने मिलकर पंजाब में कई बार सत्ता हासिल की। लेकिन 2020 में तीन कृषि कानूनों को लेकर किसानों के व्यापक आंदोलन के बीच यह रिश्ता टूट गया। अकाली दल ने भाजपा से दूरी बनाई और हरसिमरत कौर बादल ने केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। उस समय यह निर्णय किसानों की भावनाओं और पंजाब की राजनीतिक परिस्थितियों के दबाव में लिया गया था, लेकिन बाद के चुनावों ने यह भी दिखाया कि इस अलगाव की राजनीतिक कीमत दोनों दलों को चुकानी पड़ी।

2022 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 117 में से 92 सीटें जीतकर पंजाब की सत्ता पर शानदार ढंग से कब्जा किया। दूसरी ओर अकाली दल तीन और भाजपा केवल दो सीटों तक सिमट गई। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी दोनों दल अलग-अलग मैदान में उतरे। कांग्रेस ने सात, आम आदमी पार्टी ने तीन और अकाली दल ने एक सीट जीती, जबकि भाजपा एक भी सीट नहीं जीत सकी। हालांकि भाजपा का मत प्रतिशत करीब 18.6 प्रतिशत रहा और अकाली दल को भी लगभग 13.5 प्रतिशत वोट मिले। इससे स्पष्ट हुआ कि दोनों दलों के पास अलग-अलग पर्याप्त राजनीतिक आधार है, लेकिन अलग-अलग लड़ने पर वह वोट प्रभावी सीटों में परिवर्तित नहीं हो पा रहा है। अब छह वर्ष बाद दोनों दलों ने अपने अनुभवों से सबक लेते हुए फिर साथ आने का फैसला किया है। इसे राजनीतिक भूल-सुधार भी कहा जा सकता है और बदली परिस्थितियों की व्यावहारिक स्वीकृति भी। इस गठबंधन का सबसे बड़ा प्रभाव आम आदमी पार्टी पर पड़ना स्वाभाविक है। 2022 में आप को सबसे बड़ा लाभ विपक्ष के बिखरे होने से मिला था। कांग्रेस, अकाली दल और भाजपा अलग-अलग चुनाव लड़ रहे थे और सत्ता विरोधी मत एकजुट विकल्प में परिवर्तित नहीं हो पाए। अब भाजपा और अकाली दल के साथ आने से यह समीकरण बदल गया है। भाजपा का शहरी और मध्यवर्गीय आधार तथा अकाली दल का ग्रामीण संगठन और पारंपरिक जनसंपर्क यदि प्रभावी ढंग से एक-दूसरे के पक्ष में वोट ट्रांसफर कर पाते हैं, तो आम आदमी पार्टी के लिए निश्चित रूप से चुनौती बढ़ेगी। यही कारण है कि इस गठबंधन को पंजाब की वर्तमान सरकार के लिए गंभीर राजनीतिक खतरे की शुरुआत माना जा सकता है।



भाजपा के लिए भी यह गठबंधन रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। पंजाब में उसने अपना मत प्रतिशत बढ़ाया है, लेकिन उसे सीटों में बदलने में कठिनाई रही है। अकेले चुनाव लड़कर व्यापक ग्रामीण और सिख सामाजिक आधार तक पहुंच बनाना उसके लिए चुनौतीपूर्ण रहा है। अकाली दल के साथ आने से उसे पंजाब की स्थानीय सामाजिक संरचना में अधिक व्यापक पहुंच मिल सकती है। दूसरी ओर अकाली दल के लिए यह गठबंधन राजनीतिक पुनर्जीवन का अवसर है। कभी पंजाब की राजनीति की निर्णायक शक्ति रहे अकाली दल का जनाधार पिछले कुछ वर्षों में तेजी से कमजोर हुआ है। भाजपा के साथ लौटना उसके लिए केवल सत्ता में वापसी की कोशिश नहीं, बल्कि संगठन और कार्यकर्ताओं में नया विश्वास पैदा करने का अवसर भी है। फिर भी इस गठबंधन के सामने सबसे बड़ी चुनौती विश्वसनीयता की है। छह वर्ष पहले जिस कृषि कानून मुद्दे पर दोनों दल अलग हुए थे, अब उसी रिश्ते को पुनर्जीवित करने पर स्वाभाविक सवाल उठेंगे। अकाली दल को अपने मतदाताओं को समझाना होगा कि परिस्थितियां क्यों बदलीं और आज भाजपा के साथ आने का आधार क्या है। भाजपा को भी किसानों के साथ संवाद की नई और भरोसेमंद भाषा विकसित करनी होगी। लोकतंत्र में गठबंधन बनाना राजनीतिक दलों का अधिकार है, लेकिन जनता के विश्वास का सम्मान करना उनकी जिम्मेदारी भी है। विचारधारात्मक मतभेदों के बावजूद साथ आना अपने आप में अवसरवाद नहीं है, समस्या तब होती है जब राजनीतिक दल अपने पुराने रुख और वर्तमान निर्णय के बीच कोई विश्वसनीय स्पष्टीकरण नहीं दे पाते।

पश्चिम बंगाल और दिल्ली के राजनीतिक अनुभवों की पृष्ठभूमि में पंजाब का घटनाक्रम भाजपा की रणनीति को समझने का एक अवसर देता है। पश्चिम बंगाल में भाजपा ने लंबे समय से मजबूत राजनीतिक आधार रखने वाली शक्तियों के बीच अपनी जगह बनाई और दिल्ली में आम आदमी पार्टी की मजबूत सत्ता को चुनौती देकर सत्ता हासिल की। पंजाब में परिस्थितियां अलग हैं, लेकिन भाजपा अब यहां भी संगठन, गठबंधन और सामाजिक समीकरणों के माध्यम से सत्ता की संभावना तलाश रही है। अकाली दल का साथ इस रणनीति को स्थानीय आधार दे सकता है। लेकिन पंजाब की जनता केवल राजनीतिक गणित से प्रभावित नहीं होगी। किसान, युवा, रोजगार, नशा, उद्योग, कानून-व्यवस्था, शिक्षा और राज्य की आर्थिक स्थिति जैसे मुद्दे चुनाव का वास्तविक आधार बनेंगे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भाजपा-अकाली गठबंधन को कागज पर वोट जोड़ने से आगे बढ़कर जमीन पर कार्यकर्ताओं और मतदाताओं को जोड़ना होगा। छह वर्ष तक अलग रहने के बाद दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच पैदा हुई दूरी को समाप्त करना आसान नहीं होगा। नेतृत्व का समझौता हो जाना पर्याप्त नहीं है, बूथ स्तर तक राजनीतिक सहयोग और आपसी विश्वास जरूरी होगा। यदि भाजपा कार्यकर्ता अकाली उम्मीदवार के लिए और अकाली कार्यकर्ता भाजपा उम्मीदवार के लिए पूरी निष्ठा से काम करते हैं, तभी गठबंधन की वास्तविक शक्ति सामने आएगी।

पंजाब में अब चुनावी मुकाबला केवल सरकार बनाम विपक्ष नहीं रह गया है। यह आम आदमी पार्टी के शासन के मूल्यांकन, कांग्रेस की वापसी की कोशिश और भाजपा-अकाली गठबंधन की नई राजनीतिक संभावनाओं के बीच त्रिकोणात्मक मुकाबला होगा। भाजपा-अकाली गठबंधन निश्चित रूप से आप के लिए खतरे की घंटी है, लेकिन इसे सत्ता परिवर्तन की गारंटी मानना भी उचित नहीं होगा। अंततः चुनावी निर्णय जनता के प्रदर्शन और विश्वास पर निर्भर करेगा। यदि आप सरकार जनता के बीच अपना भरोसा बनाए रखती है तो गठबंधन की चुनौती सीमित रह सकती है, लेकिन यदि सत्ता विरोधी भावना मजबूत हुई तो भाजपा-अकाली गठबंधन उस भावना को एक संगठित राजनीतिक विकल्प दे सकता है। इस गठबंधन की सबसे बड़ी परीक्षा यही होगी कि क्या भाजपा और अकाली दल केवल सत्ता पाने के लिए फिर साथ आए हैं या पंजाब के लिए कोई साझा भविष्य-दृष्टि भी रखते हैं। यदि वे किसानों के सम्मान, युवाओं के रोजगार, नशामुक्त पंजाब, उद्योग के विकास, कानून-व्यवस्था और हिंदू-सिख भाईचारे को अपने साझा एजेंडे का केंद्र बनाते हैं तो यह गठबंधन केवल चुनावी समझौता नहीं, पंजाब की राजनीति में नई धुरी बन सकता है। 2020 का अलगाव, 2022 की हार और 2024 का अलग-अलग चुनाव दोनों दलों को यह सिखा चुका है कि राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन साझा राजनीतिक जमीन को पूरी तरह खो देना किसी के हित में नहीं। अब 2027 बताएगा कि यह पुनर्मिलन केवल सत्ता की मजबूरी है या वास्तव में पंजाब की राजनीति में एक नई शुरुआत एवं शुभ भविष्य की आहट है। गठबंधन का हाथ नेताओं ने मिलाया है, लेकिन उसकी सफलता का फैसला पंजाब की जनता करेगी।

संपादकीय

सूर्य जैसा वैभव

यह कल्पना से परे है कि कोई पंद्रह वर्षीय किशोर क्रिकेट के खेल में महज 52 गेंदों में दोहरा शतक बना दे। इतना ही नहीं, 28 बॉल में शतक भी जड़ दे। साथ ही सबसे तेज 150 रन महज 40 गेंदों में बना डाले। एक पारी में 28 छक्कों का अविश्वसनीय कारनामा। यानी 204 रनों की पारी में 168 रन सिर्फ छक्कों से बटोर लिए, जो अपने आप में विश्व रिकॉर्ड हैं। ये कारनामा मंगलवार को वैभव सूर्यवंशी ने लिस्ट ए क्रिकेट के दोहा में हुए एक मैच में कर दिखाया। कहा जा रहा है कि इस टीनएजर ने क्रिकेट को वीडियो गेम बना डाला। आज दुनिया के क्रिकेट जगत में सूर्यवंशी के खेल-वैभव की चर्चा हो रही है। क्रिकेट के दिग्गज उनकी तारीफ के पुल बांध रहे हैं। साथ ही सवाल भी पूछ रहे हैं कि उन्हें टी-20 व वन डे की भारतीय टीम में बतौर ओपनर कब जगह मिल पायेगी? उल्लेखनीय है कि वे दस इंटरनेशनल टी-20 मैचों में 185 के स्ट्राइक रेट से 295 रन बना चुके हैं। इतना ही नहीं ,आईपीएल की अब तक खेली 23 पारियों में उन्होंने 228 के स्ट्राइक रेट से 1028 रन बनाये हैं। वहीं आईपीएल सीजन में भी उन्होंने क्रिस गेल जैसे दिग्गज क्रिकेटर द्वारा एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने का रिकॉर्ड भी तोड़ा था। इस किशोरवय सनसनी ने आईपीएल सीजन 2026 में 72 छक्के जड़े थे। यही वजह है कि अक्सर उनके आक्रामक खेल और छक्के मारने के कौशल की चर्चा होती है। दुनिया के अन्य देशों में उनके इस चमत्कारी हुनर की चर्चा खूब हो रही है। यहां तक कि मंगलवार को पाकिस्तान द्वारा दोहा में अपना ग्रुप का मैच जीतने के बावजूद वहां सिर्फ वैभव के आतिशी खेल की चर्चा होती रही। निस्संदेह, छोटी उम्र में वैभव की कामयाबी अप्रत्याशित है। वे मौलिक खेल प्रतिभा के धनी हैं। अभी उनका लंबा क्रिकेट जीवन होना है। यही वजह है कि वैभव की प्रतिभा और फुल फॉर्म में होने की वजह से भारतीय टीम में उनकी जगह सुनिश्चित करने की मांग की जा रही है। जाहिर है इस समय दुनिया के दिग्गज गेंदबाज उनके खेल को पढ़ रहे होंगे। ऐसे में अंतर्राष्ट्रीय पिचों व गेंदबाजों को उन्हें समझना होगा। जिसके लिये वैभव को अपने खेल कौशल को और समृद्ध करने की जरूरत होगी। निस्संदेह, अविश्वसनीय कामयाबी वाले वैभव के पास भविष्य में तमाम मौके आने वाले हैं। बीसीसीआई को उनको लेकर संतुलित नीति अपनाने की जरूरत होगी। कुछ लोगों का मानना है कि मौलिक व आक्रामक खेल वाले खिलाड़ी विरले ही पैदा होते हैं, लेकिन समय पर बड़े अवसर न मिलने का नकारात्मक प्रभाव उनके खेल में पड़ सकता है। क्रिकेट समीक्षक सोलह साल की उम्र में सचिन तेंदुलकर को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पाकिस्तान के खिलाफ 1989 में मौका देने और उसके बाद उनकी अप्रत्याशित कामयाबी का जिक्र भी करते हैं। निस्संदेह, ऐसे में विरले ही सामने आने वाली विशिष्ट प्रतिभाओं को मानसिक संबल देने की जरूरत होगी। वैभव जैसे रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बनाते हुए बेतहरीन खेल रहे हैं तो उसी अनुपात में उन्हें अच्छे अवसर भी मिलने चाहिए। आईपीएल सीजन 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाकर ऑरेंज कैप हासिल करना उनकी प्रतिभा को ही दर्शाता है।

चिंतन-मनन

भावना भी समझें

एक आदमी बस में रोजाना ही यात्रा करता था। वह बस में केले खाता और छिलके को खिड़की से फेंक देता। एक दिन एक भाई ने कहा, भाई! सड़क पर छिलके डालना उचित नहीं है। दूसरे फिसलकर गिर पड़ते हैं। छिलकों को एक ओर डालना चाहिए। उसने कहा, अच्छी बात है। दूसरे दिन की बात है। पूर्व दिन वाले दोनों यात्री एक ही बस में बैठे हुए थे। एक ने केले छीले, खाए और छिलके डाल दिए। सड़क पर नहीं, अन्यत्र कहीं। साथी ने कहा, धन्यवाद! कल जो मैंने कहा, उसे तुमने मान लिया। आज छिलके सड़क पर नहीं फेंके। उसने कहा, सड़क पर तो नहीं फेंके, पर मेरे पास जो दूसरा यात्री बैठा था, उसकी जेब में चुपके से छिलके डाल दिए। सड़क पर उन्हें डालने की नौबत ही नहीं आई।

हर आदमी ऐसे ही समस्या को दूसरों की जेब में डालता जाता है और यह मान लेता है कि समस्या का समाधान हो गया। समस्या सुलझती नहीं। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी उलझ जाती है। समस्या के समाधान का सही मार्ग है-भावनाओं पर ध्यान देना। जो भी काम किया जाता है, उसको करने से पूर्व यह सोचना होगा कि मैं यह काम शरीर की सुविधा के लिए कर रहा हूं, पर इससे कहीं मन की समस्या उलझ तो नहीं रही है? कहीं भावना की समस्या गहरी तो नहीं होती जा रही है? हम तीनों समस्याओं पर एक साथ ध्यान दें। जब तक शरीर की समस्या, मन की समस्या और भावना की समस्या पर समवेत रूप में ध्यान नहीं देंगे, तब तक समाधान नहीं मिलेगा।

यूपी 2027 विधानसभा चुनावः धर्म और अधर्म का युद्ध या संविधान और सत्ता की लड़ाई

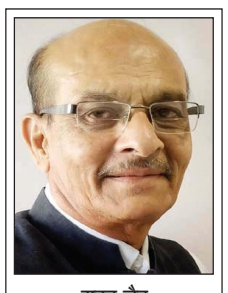

सनत जैन

उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की राजनीतिक बिसात अभी से बिछने लगी है। जिस तरह के राजनीतिक और सामाजिक हालात बन रहे हैं, उन्हें देखकर महाभारत के युद्ध की याद आना स्वाभाविक है। महाभारत में कौरवों और पांडवों के बीच सत्ता, अधिकार और धर्म की लड़ाई थी। युद्ध जीतने के लिए चक्रव्यूह रचे गए, अभिमन्यु को घेरकर मारा गया और धर्मराज युधिष्ठिर के मुख से निकले आधे-अधूरे सत्य ने युद्ध की दिशा को प्रभावित किया। आज उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी कुछ ऐसे ही दांव-पेच दिखाई देने लगे हैं। हालांकि इस तुलना को राजनीतिक घटनाओं की वास्तविक स्थिति को देखते हुए तुलना के रूप में समझना चाहिए। धर्म और दूसरे को अधर्म का प्रमाण नहीं माना जा सकता है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में विपक्ष मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठा रहा है। उसका आरोप है, लोकतांत्रिक प्रक्रिया का चुनाव आयोग पालन नहीं कर रहा है। चुनाव आयोग भाजपा के पक्ष में काम कर रहा है, जिससे चुनाव की निष्पक्षता प्रभावित हो रही है। दूसरी ओर सत्ता पक्ष विपक्ष की एकजुटता को चुनौती देने के लिए राजनीतिक रणनीतियां अपना रहा है। सवाल यह है कि क्या चुनाव जनता के वास्तविक मुद्दों पर लड़ा जाएगा या एक-दूसरे को राजनीतिक रूप से कमजोर करने के लिए नए चक्रव्यूह एवं साजिश रची जाएंगी? उत्तर प्रदेश में मुस्लिम और दलित मतदाताओं का समर्थन हासिल करने के लिए समाजवादी पार्टी ने पीडीए बनाया है। समाजवादी पार्टी की रणनीति को चुनौती देने के लिए चंद्रशेखर आजाद और असदुद्दीन ओवैसी की राजनीतिक सक्रियता उत्तर प्रदेश के चुनाव में नए समीकरण बना सकती है। मायावती की चुनावी सक्रियता भी इन समीकरणों को प्रभावित कर सकती है। इन दलों और नेताओं को भाजपा की बी टीम बताने जैसे आरोप भी राजनीतिक बहस का हिस्सा हैं। ऐसे आरोपों का फैसला अंततः मतदाता अपने विवेक से करेगा। विपक्षी मतों का बंटवारा किसे लाभ पहुंचाएगा, यह इस चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

दूसरी ओर धार्मिक राजनीति का स्वर भी तेज होता दिखाई दे रहा है। भगवान राम और भगवान कृष्ण के नाम पर राजनीतिक और धार्मिक विमर्श के बीच बाबा रामदेव और धीरेंद्र शास्त्री के विवाद ने एक नई बहस को जन्म दिया है। धर्म के नाम पर भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने, साधु-संतों और बाबाओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप और वैचारिक टकराव दिखाई दे रहे हैं। राम मंदिर निर्माण, चंदे को लेकर उठे विवाद, युवाओं के असंतोष और जेन-जी से जुड़े आंदोलनों के बीच हिंदुत्व कमजोर होता हुआ दिख रहा था। समाज के भीतर अलग-अलग विचारधाराएं, अलग-अलग आस्थाएं और हिंदुओं के कई समूह सक्रिय हैं। ऐसे वातावरण में धार्मिक भावनाओं का चुनावी इस्तेमाल हिंदुत्व की सामाजिक एकता के लिए चुनौती बन सकता है। इस पूरे राजनीतिक संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष संविधान है। भारत का लोकतंत्र किसी धार्मिक ग्रंथ की व्याख्या या किसी राजनीतिक दल की इच्छा से नहीं, बल्कि संविधान और कानून से संचालित होता है। महाभारत में धर्म की स्थापना के लिए युद्ध हुआ था। वर्तमान में लोकतंत्र की रक्षा, आधुनिक भारत में संविधान के अनुसार न्याय, समानता, स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकार इस लड़ाई में शामिल हैं। चुनाव आयोग की निष्पक्षता, मतदाता के मत का सम्मान, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और संस्थाओं की जवाबदेही लोकतंत्र के मूल आधार हैं। 2027 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन या सत्ता बचाने की लड़ाई नहीं है। उत्तर प्रदेश का चुनाव तय करेगा कि केंद्र में भविष्य में किसकी सरकार बनेगी। राजनीति, धर्म के नाम पर समाज को बांटेगी या संविधान के आधार पर सबको समान अधिकार देगी। लोकतंत्र में जनता ही निर्णायक होती है। महाभारत युद्ध के बाद पांडवों को विजय तो मिली, लेकिन दोनों पक्षों ने अपनों को खोया। आज भारत को ऐसे चुनाव की जरूरत है, जिसमें जीत किसी भी दल या गठबंधन की हो लेकिन लोकतंत्र मजबूत हो। इस चुनाव में लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक सद्भाव और संवैधानिक मर्यादाओं की हार नहीं होनी चाहिए। असली धर्म सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि सत्ता का उपयोग जनकल्याण और न्याय के लिए करना है। 2027 के उत्तर प्रदेश चुनाव का यही लक्ष्य सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच होना चाहिए।

शीतकालीन सत्र : परिसीमन -महिला आरक्षण विधेयक से सरकार की अग्निपरीक्षा



सौरभ वार्ष्णेय

संसद का आगामी सत्र देश की राजनीति के लिए कई मायनों में महत्वपूर्ण साबित होने जा रहा है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने मंत्रियों को 15 दिसंबर से पहले संसद सत्र की तैयारियां पूरी करने और सत्र से पहले विदेश यात्राओं से बचने की सलाह देना इस बात का संकेत है कि सरकार आगामी संसदीय कार्यवाही को लेकर बेहद गंभीर है। बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में प्रधानमंत्री का यह निर्देश ऐसे समय आया है, जब संसद के मानसून सत्र के स्थगित होने के 100 से अधिक दिन बाद भी उसका औपचारिक सत्रावसान नहीं हुआ है। इस स्थिति ने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दिया है। विपक्ष जहां संसद सत्र बुलाने में देरी को लेकर सरकार पर सवाल उठा रहा है, वहीं सत्ता पक्ष के सामने परिसीमन से जुड़े महिला आरक्षण विधेयक को लेकर राजनीतिक और संवैधानिक चुनौतियां खड़ी हैं।

दरअसल, संसद का सत्र केवल विधायी कार्यवाही का माध्यम नहीं होता, बल्कि यह लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष के बीच संवाद, जवाबदेही तथा राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श का सबसे महत्वपूर्ण मंच भी है। ऐसे में संसद की बैठक बुलाने और उसे समय पर संचालित करने को लेकर उठने वाले सवालों को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए। संसद की कार्यवाही में निरंतरता और पारदर्शिता लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी जरूरत है।

मानसून सत्र 13 अगस्त को स्थगित हुआ था। इसके बाद से सत्रावसान नहीं होने और अगले सत्र की तारीख को लेकर अनिश्चितता ने विपक्ष को सरकार पर हमला करने का अवसर दिया है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार जानबूझकर संसद की बैठक बुलाने में देरी कर रही है। हालांकि, सरकार के पास संसदीय कार्यक्रम निर्धारित करने का संवैधानिक और प्रक्रियागत अधिकार है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि संसद को राजनीतिक सुविधा के अनुसार चलाने की धारणा मजबूत होने दी जाए। संसद का महत्व किसी एक दल या सरकार से बड़ा है।

आगामी सत्र में सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा परिसीमन से जुड़ा महिला आरक्षण विधेयक माना जा रहा है। सरकार यदि इस विधेयक को संसद में प्रस्तुत करती है तो यह उसके लिए एक बड़ी राजनीतिक और विधायी परीक्षा होगी। संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए संसद में विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है। लोकसभा की 543 सदस्यीय वर्तमान संरचना में दो-तिहाई बहुमत का आंकड़ा 362 सदस्यों का है, जबकि राजनीतिक चर्चाओं में 361 मतों का आंकड़ा भी सामने रखा जा रहा है। ऐसे में सरकार को अपने मौजूदा संख्याबल से आगे बढ़कर विपक्षी दलों का समर्थन जुटाना होगा।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए के पास वर्तमान में लगभग 320 सांसदों का समर्थन बताया जा रहा है। इस स्थिति में सरकार के लिए संविधान संशोधन विधेयक पारित कराना आसान नहीं होगा। केवल गठबंधन के संख्याबल के भरोसे संसद में दो-तिहाई बहुमत हासिल करना संभव नहीं दिखता। यही कारण है कि सरकार को क्षेत्रीय दलों और विपक्ष के कुछ घटकों के साथ संवाद स्थापित करना पड़ सकता है।

यहां सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या महिला आरक्षण जैसे व्यापक सामाजिक महत्व के विषय को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से ऊपर उठाकर देखा जाएगा? महिलाओं को विधायी संस्थाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व देना भारतीय लोकतंत्र की लंबे समय से चली आ रही आवश्यकता है। लेकिन यदि इस व्यवस्था को परिसीमन की प्रक्रिया से जोड़कर लागू किया जाता है तो इसके राजनीतिक, सामाजिक और संघीय प्रभावों पर गंभीर चर्चा आवश्यक हो जाती है।

परिसीमन का मुद्दा केवल लोकसभा की सीटें बढ़ाने तक सीमित नहीं है। इसका सीधा संबंध देश के संघीय ढांचे, राज्यों के प्रतिनिधित्व और राजनीतिक संतुलन से है। विशेष रूप से दक्षिण भारत के राज्यों की चिंताएं महत्वपूर्ण हैं। इन राज्यों का तर्क है कि उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण, शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया है। ऐसे में यदि भविष्य में लोकसभा सीटों का निर्धारण केवल जनसंख्या के आधार पर किया जाता है तो जनसंख्या नियंत्रण में सफल राज्यों का संसद में सापेक्षिक राजनीतिक प्रभाव कम हो सकता है।

यह चिंता पूरी तरह नजरअंदाज नहीं की जा सकती। लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक के मत का समान महत्व होना चाहिए, लेकिन भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण संघीय देश में राज्यों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व का संतुलन भी उतना ही आवश्यक है।सरकार द्वारा लोकसभा की कुल सीटों में 50 प्रतिशत वृद्धि के संभावित फॉर्मूले पर विचार इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस प्रस्ताव के तहत राज्यों के बीच सीटों का मौजूदा अनुपात बनाए रखने और 1971 की जनगणना के आधार पर निर्धारित हिस्सेदारी को संरक्षित रखने की संभावना पर चर्चा हो रही है। यदि ऐसा कोई फार्मूला सामने आता है तो वह दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है।लेकिन इस विषय पर केवल राजनीतिक आश्वासन पर्याप्त नहीं होंगे। सरकार को स्पष्ट करना होगा कि प्रस्तावित परिसीमन से उत्तर और दक्षिण भारत के राज्यों के बीच प्रतिनिधित्व का संतुलन किस प्रकार बना रहेगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि किसी राज्य को जनसंख्या नियंत्रण और विकास के प्रयासों की सफलता के कारण राजनीतिक नुकसान न उठाना पड़े।

आगामी सत्र में विपक्ष मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर भी सरकार को घेर सकता है। विपक्ष चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता, मतदाता सूची में संभावित गड़बडियों और निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता को लेकर अपनी आपत्तियां दर्ज करा रहा है। मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी राजनीतिक विवाद का विषय बनी हुई है।हालांकि, निर्वाचन आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है और उसकी निष्पक्षता पर उठने वाले सवालों का समाधान तथ्यों, प्रक्रियाओं और संवैधानिक मर्यादाओं के आधार पर होना चाहिए। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता लोकतंत्र की विश्वसनीयता से जुड़ी हुई है। इसलिए सरकार और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है कि इस संस्था से जुड़े विवादों को राजनीतिक शोर-शराबे के बजाय संसदीय संवाद के माध्यम से सुलझाने का प्रयास करें।

विपक्ष का यह भी कहना है कि संसद का सत्र समय पर बुलाया जाना चाहिए था। वहीं सत्ता पक्ष के लिए आवश्यक है कि वह सदन में विपक्ष के सवालों का जवाब दे। लोकतंत्र में असहमति को बाधा नहीं, बल्कि व्यवस्था को मजबूत बनाने का माध्यम माना जाना चाहिए। संसद में हंगामा और कार्यवाही बाधित होना किसी भी पक्ष के हित में नहीं है।

अप्रैल में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 को आवश्यक समर्थन नहीं मिल पाने की चर्चा के बाद सरकार के सामने यह स्पष्ट चुनौती है कि वह इस बार पर्याप्त राजनीतिक सहमति कैसे बनाएगी। संविधान में संशोधन कोई सामान्य विधायी प्रक्रिया नहीं है। इसके माध्यम से देश की राजनीतिक और प्रशासनिक संरचना में दीर्घकालिक परिवर्तन किए जाते हैं। इसलिए ऐसे विधेयकों पर व्यापक विचार-विमर्श और राजनीतिक सहमति अनिवार्य है।

महिला आरक्षण के पक्ष में देश के लगभग सभी राजनीतिक दल सार्वजनिक रूप से अपनी प्रतिबद्धता जताते रहे हैं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब महिला सशक्तीकरण पर व्यापक सहमति है तो परिसीमन के प्रश्न पर राजनीतिक मतभेद इतने गहरे क्यों हैं? इसका उत्तर इस बात में छिपा है कि राजनीतिक दल महिला आरक्षण के सिद्धांत का समर्थन तो करते हैं, लेकिन उसके क्रियान्वयन से होने वाले चुनावी और क्षेत्रीय प्रभावों को लेकर उनकी अपनी आशंकाएं हैं।

सरकार को चाहिए कि वह विधेयक का मसौदा सार्वजनिक विमर्श के लिए पर्याप्त स्पष्टता के साथ सामने रखे। राज्यों, क्षेत्रीय दलों, संवैधानिक विशेषज्ञों और महिला संगठनों से विचार-विमर्श किया जाए। इससे न केवल विधेयक की स्वीकार्यता बढ़ेगी, बल्कि भविष्य में किसी प्रकार के संवैधानिक विवाद की आशंका भी कम होगी। आगामी संसद सत्र में महिला आरक्षण, परिसीमन, एसआईआर, चुनाव आयोग की भूमिका और विपक्ष के अन्य सवालों को लेकर तीखी बहस होने की संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी का मंत्रियों को पहले से तैयार रहने का निर्देश इस बात का संकेत है कि सरकार इस सत्र को महत्वपूर्ण मान रही है। लेकिन सरकार की सफलता केवल विधेयक पारित कराने में नहीं, बल्कि संसद को सुचारु रूप से चलाने और लोकतांत्रिक संवाद कायम रखने में भी होनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका: न्यू ऑरलियन्स से फ्लोरिडा जा रहा विमान समंदर में गिरा, दो बच्चों समेत छह लापता; बचाव अभियान जारी

मिसिसिपी, एजेंसी। मिसिसिपी के तट के पास मंगलवार को एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के बाद, बचाव दल छह लोगों की तलाश कर रहे हैं, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। 'सेसना 210' नाम का यह विमान मैक्सिको की खाड़ी में, मिसिसिपी के पास्कागौला और हॉर्न आइलैंड के बीच दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हॉर्न आइलैंड 'गल्फ आइलैंड्स नेशनल सीशोर' का हिस्सा है। कोस्ट गार्ड के प्रवक्ता जुआन रॉस ने बताया कि बचाव दल को पानी में तैरती हुई तीन लाइफ जैकेट, एक लाइफ राफ्ट और विमान का केबिन मिला है, लेकिन विमान में सवार चार वयस्क और 8 व 10 साल के दो बच्चे अभी तक नहीं मिले हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट 'फ्लाइटअवेयर' के अनुसार, यह सेसना विमान न्यू ऑरलियन्स से फ्लोरिडा के फोर्ट मायर्स जा रहा था। इस दुर्घटना की जांच करने वाले 'फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन' और 'नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड' ने मंगलवार को बताया कि उन्हें इस घटना की जानकारी है। इस महीने की शुरुआत में, दक्षिण फ्लोरिडा में एक 'लियरजेट 60' बिजनेस जेट सीधे जमीन से टकरा गया था, जिसमें सवार सभी नौ लोगों की मौत हो गई थी। इस भयानक हादसे को कारों में बैठे लोगों ने अपने वीडियो में कैद कर लिया था।

अमेरिका में एच5एन1 से एक व्यक्ति की मौत- डब्ल्यूएचओ

वाशिंगटन, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अमेरिका के वाशिंगटन में एच5एन1 वायरस से इंसानों के संक्रमित होने की पुष्टि की है। इनमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। हालांकि संगठन के मुताबिक आम जनता को इससे कोई खास खतरा नहीं है। ये मामले 16 अक्तूबर से 4 नवंबर के बीच सामने आए। इनमें से एक मौत का मामला भी है, जो संक्रमित डेयरी पशुओं या उनसे दूषित वातावरण के संपर्क में आने के बाद हुई पहली दर्ज मौत है। ये तीनों मामले वयस्कों के हैं, जो वॉशिंगटन राज्य की याकिमा काउंटी में डेयरी पशु फार्मों पर काम करते थे। इन फार्मों के डेयरी पशुओं में हाल ही में यह वायरस पाया गया था। वायरस के संपर्क में आए लोगों और उनके करीबी संपर्कों की जांच और निगरानी की जा रही है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि बर्ड फ्लू वायरस मुख्य रूप से जानवरों में फैलते हैं और इंसानों को बहुत कम संक्रमित करते हैं। हालांकि, संक्रमित जानवरों या दूषित वातावरण के संपर्क में आने पर इंसानों में भी कभी-कभार संक्रमण हो सकता है।

सोलोमन द्वीप ने ऑस्ट्रेलिया को बनाया अपना प्रमुख सुरक्षा साझेदार, चीन के लिए सैन्य अड्डे का रास्ता बंद

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिण प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच सोलोमन द्वीप ने ऑस्ट्रेलिया को अपना प्रमुख सुरक्षा साझेदार घोषित किया है। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने बुधवार को एक नए द्विपक्षीय सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते में स्पष्ट किया गया है कि सोलोमन द्वीप में किसी भी विदेशी देश का सैन्य या सुरक्षा अड्डा नहीं होगा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और सोलोमन द्वीप के प्रधानमंत्री मैथ्यू वेले ने संयुक्त बयान में समझौते की जानकारी दी। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब खबरें हैं कि सोलोमन द्वीप 2022 में चीन के साथ हुए पांच वर्षीय सुरक्षा समझौते को आगे नहीं बढ़ाएगा। हालांकि, वेले ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि चीन के साथ समझौते में गोपनीयता की शर्त है और दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है।

हांगकांग अग्निकांड के एक साल बाद भी पीड़ितों को नहीं मिला इंसाफ

हांगकांग , एजेंसी। हांगकांग में पिछले साल हुए भीषण अग्निकांड के एक साल बाद भी पीड़ित परिवार सदमे और न्याय की उम्मीद के बीच जिंदगी गुजार रहे हैं। 26 नवंबर 2025 को वांग फुक कोर्ट आवासीय परिसर की सात इमारतों में लगी आग में 168 लोगों की मौत हो गई थी। यह शहर में कई दशकों की सबसे भीषण आग की घटनाओं में से एक थी। जांच में सामने आया कि आग संभवत: जलती हुई सिगरेट से लगी और तेजी से फैलने वाले मचान के ज्वलनशील पदार्थों ने इसे भयानक रूप दे दिया। हादसे से पहले भी निवासियों ने निर्माण कार्य के दौरान आग से जुड़े खतरों की शिकायत की थी।

कोलंबिया के सुपरमार्केट में 20 लोग बंधक हथियारबंद लोगों ने 18 करोड़ की फिरौती मांगी

कार्टाजेना, एजेंसी। कोलंबिया के कार्टाजेना शहर में मंगलवार को कुछ हमलावरों ने 20 लोगों को बंधक बना लिया। रॉयटर्स के मुताबिक, उन्होंने सुबह करीब 8 बजे सुपरमार्केट में घुसकर कैश लेकर जा रही बख्तरबंद गाड़ी को लूटने की कोशिश की थी। इस दौरान सुरक्षा कैमरों पर नजर रख रहे कर्मचारियों ने पैनिक बटन दबाकर पुलिस को सूचना दे दी। इसके बाद पुलिस और सुरक्षा बल मौके पर पहुंच गए। पुलिस को देखकर हमलावर सुपरमार्केट में घुस गए। यहां उन्होंने लोगों को बंधक बना लिया।



20 लाख डॉलर और दो सुरक्षा गाड़ियां मांगीं : रिपोर्ट्स के मुताबिक, बदमाशों ने 20 लाख डॉलर (करीब 18 करोड़ रुपए), दो बख्तरबंद गाड़ियां और सुरक्षित रास्ता देने की मांग की। वे कार्टाजेना से करीब 130 किलोमीटर दूर बैरेंक्विला शहर जाना चाहते थे। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो और तस्वीरों में हथियारबंद और चेहरे ढके बदमाश सुपरमार्केट में घुसते दिखाई दिए। कुछ तस्वीरों में बंधक बने लोग कुर्सियों पर बैठे दिखे। उनके हाथ बंधे हुए थे और बदमाश हथियार लेकर उनके पीछे पहरा दे रहे थे।

5 बुजुर्ग महिलाओं को छोड़ दिया : राष्ट्रपति अबेलार्डो डी ला एस्प्रिएला ने पहले बताया था कि बदमाशों ने 30 लोगों को बंधक बनाया है। इनमें से 5 बुजुर्ग महिलाओं समेत 10 को छोड़ दिया गया। बाकी लोगों को छुड़ाने के लिए पुलिस और सेना के जवानों के साथ खास सुरक्षा टीमें भी तैनात किए गए। रॉयटर्स के मुताबिक, पुलिस ने सुपरमार्केट और आसपास के इलाके को घेर लिया है। पास की इमारतों की छतों पर भी हथियारबंद जवान तैनात किए गए। इस बीच, इन्हें पकड़ने के लिए चलाए जा रहे अभियान के चलते शहर के राफेल नुनेज एयरपोर्ट पर 45 मिनट तक विमानों की लैंडिंग रोक दी गई। सुपरमार्केट चलाने वाली कंपनी ग्रुपो एक्सिटो ने बयान जारी कर कहा कि लोगों की जान और उनकी सुरक्षा उसकी पहली प्राथमिकता है। कंपनी ने बताया कि मामले को संबंधित सरकारी एजेंसियां संभाल रही हैं।

राष्ट्रपति ने क्या बताया : सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने स्थानीय मीडिया के हवाले से ये जानकारी दी। राष्ट्रपति अबेलार्डो डी ला एस्प्रिएला ने बताया कि नकाबपोश हथियारबंद लोगों ने पहले नकदी ले जा रहे एक बख्तरबंद वाहन को लूटने की कोशिश की थी। हालांकि, सुरक्षा कैमरों की निगरानी कर रहे कर्मचारियों ने पुलिस को अलर्ट कर दिया, जिसके बाद बदमाश पास के एक सुपरमार्केट में घुस गए और वहां मौजूद लोगों को बंधक बना लिया। राष्ट्रपति ने एक्स पोस्ट के जरिए बताया कि, बदमाशों ने शुरुआत में करीब 30 लोगों को बंधक बनाया था। इनमें से पांच बुजुर्ग महिलाओं को बाद में रिहा कर दिया गया। शेष लोगों को मुक्त कराने के लिए पुलिस और सैन्य बलों की विशेष इकाइयों को तैनात किया गया।

कहां हुई यह घटना : यह घटना कार्टाजेना के ला कास्टेलाना इलाके में स्थित एक्सितो सुपरमार्केट में हुई। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में लोगों को सुपरमार्केट से बाहर भागते देखा गया। स्थानीय मीडिया ने आसपास की इमारतों पर तैनात स्नाइपरों की तस्वीरें भी प्रसारित कीं। कुछ फुटेज में सुपरमार्केट के भीतर लोग हाथ बंधे होने की स्थिति में खिड़कियों के पास घुटनों के बल बैठे दिखाई दिए। हालांकि, इन तस्वीरों और वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। कार्टाजेना के ला कास्टेलाना इलाके स्थित एक्सितो सुपरमार्केट में मंगलवार (स्थानीय समयानुसार) को यह घटना हुई। राष्ट्रपति एबेलार्डो दे ला एस्प्रिएला के अनुसार, हथियारबंद लोगों ने पहले एक मॉल से नकदी ले जा रहे बख्तरबंद वाहन को लूटने की कोशिश की। सुरक्षा व्यवस्था सक्रिय होने और पुलिस के पहुंचने पर वे पास के सुपरमार्केट में घुस गए और वहां मौजूद लोगों को बंधक बना लिया। घटना के मद्देनजर कार्टाजेना के राफेल नुनेज हवाईअड्डे पर विमानों की लैंडिंग कुछ समय के लिए रोकनी पड़ी। बाद में उड़ान संचालन धीरे-धीरे बहाल किया गया।

बंधक बनाने वाले कौन हैं : राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया, 'सुपरमार्केट में लोगों को बंधक बनाने वाले सामान्य अपराधी हैं और उनका किसी गुरिल्ला या अर्धसैनिक संगठन से जुड़ाव सामने नहीं आया है।' यह घटना ऐसे समय हुई है जब देश पहले से ही विद्रोही संगठनों के हमलों और संगठित अपराध की चुनौती से जूझ रहा है। वहीं, मध्य कोलंबिया के विलाविसेंसियो शहर में मेटा प्रांत के गवर्नर कार्यालय को निशाना बनाकर विस्फोटकों से भरी कार में धमाका किया गया। अधिकारियों के मुताबिक, इस हमले में 22 लोग घायल हुए और 80 से अधिक इमारतों को नुकसान पहुंचा। कार में लगभग 100 किलोग्राम विस्फोटक होने की बात सामने आई है।

आतंकवादी नई तकनीक का कर रहे इस्तेमाल, भारत ने दुनिया को किया हैकिंग के खतरे से आगाह

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत ने दुनिया को आंतकियों के बदलते पैटर्न से आगाह किया है। संयुक्त राष्ट्र के मंच से भारत ने तकनीक के दुरुपयोग का हवाला देते हुए हैकिंग के प्रति सतर्क रहने का आह्वान किया। भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने मंगलवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा कि आतंकवादियों और नॉन-स्टेट एक्टर्स द्वारा उभरती तकनीकों का संभावित दुरुपयोग बेहद गंभीर चिंता का विषय है। 'तेजी से होते तकनीकी बदलावों के दौर में संघर्ष समाधान' विषय पर सुरक्षा परिषद की एक चर्चा के दौरान उन्होंने कहा, 'एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के जरिए अधूरा, गलत या जानबूझकर बदला गया डेटा निर्णय लेने की प्रक्रिया को कमजोर कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारत ने अपने डिजिटल बुनियादी ढांचे की सुरक्षा को प्राथमिकता दी है। पी हरीश बोले, 'भारत ने डिजिटल बुनियादी ढांचे, साइबर सुरक्षा और उभरती हुई तकनीकों के क्षेत्र में काफी प्रगति की है। इससे पता चलता है कि भारत महत्वपूर्ण सूचना बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और जरूरी नागरिक सेवाओं के निरंतर संचालन को सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दे रहा है। उन्होंने आगे कहा, 'देश के भीतर, 'सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम' (आईटी एक्ट) और उससे जुड़े नियम अनधिकृत पहुंच, डेटा के साथ छेड़छाड़ और कंप्यूटर सिस्टम में बाधा डालने के खिलाफ मजबूत सुरक्षा प्रदान करते हैं। ये नियम सशस्त्र संघर्ष के दौरान भी प्रासंगिक बने रहते हैं। उन्होंने कहा, 'तेजी से हो रही तकनीकी प्रगति, संघर्ष के स्वरूप और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा परिदृश्य को पूरी तरह से बदल रही है। माइक्रोसॉफ्ट के एक अधिकारी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण डिजिटल बुनियादी ढांचे पर बढ़ते खतरों की ओर ध्यान दिलाया। कंपनी के कॉर्पोरेट उपाध्यक्ष फ्रेडरिक हम्फ्रीज ने बताया कि माइक्रोसॉफ्ट की '2026 डिजिटल डिफेंस रिपोर्ट' के अनुसार, साइबर हमलों का जवाब देने के लिए मिलने वाला समय कम होता जा रहा है। अब सॉफ्टवेयर या सिस्टम में पाई गई नई कमियों का फायदा उठाकर 24 घंटे से भी कम समय में एक सक्रिय हमला किया जा सकता है। इस वजह से, संघर्ष को बढ़ने से रोकना और भी मुश्किल हो जाता है, क्योंकि घटनाओं की पुष्टि करने या इरादों के बारे में बातचीत करने के लिए बहुत कम समय मिलता है। हरीश ने कहा, 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्वायत्त (ऑटोनॉमस) सिस्टम और उभरती हुई डिजिटल तकनीकें अभूतपूर्व अवसर तो लाती हैं, लेकिन साथ ही ये पूरे संघर्ष चक्र में नई कमजोरियां और जोखिम भी पैदा करती हैं। '

उन्होंने जोर देकर कहा कि सिस्टम पर इंसानों का नियंत्रण सर्वोपरि होना चाहिए।

इस्राइल का दावा: ईरान बना रहा रासायनिक हथियार; अमेरिका को तेहरान की चेतावनी

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइली कार्यवाहक रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने ईरान को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि ईरान रासायनिक हथियार बना रहा है। इस्राइली मीडिया ने यह जानकारी दी। पत्रकारों से बातचीत में काट्ज ने कहा कि ईरान रासायनिक हथियार विकसित करने की प्रक्रिया में है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि यह कार्यक्रम कितना आगे बढ़ चुका है। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि इन हथियारों को कहां बनाया जा रहा है।

काट्ज ने कहा कि जून 2025 में इस्राइल और अमेरिका ने ईरान के अहम ठिकानों पर हमले किए थे। इसके बाद ईरान ने अपना परमाणु कार्यक्रम दोबारा शुरू नहीं किया है। लेकिन, ऐसे संकेत हैं कि वह इसे फिर से शुरू करने की कोशिश कर रहा है।

काट्ज ने कहा, 'अगर हमें पता चलता है कि ईरान इस्राइल पर हमला करने का इरादा रखता है, तो क्या हम सेना को पहले हमला करने और खतरे को नाकाम करने का आदेश नहीं दे सकते? अगर ईरान पहले हम पर हमला करता है, तो यह हमारी नाकामी होगी'। इस्राइल के सरकारी प्रसारक कान ने भी एक रिपोर्ट दी है। इसके मुताबिक, इस्राइल ने इसी महीने की शुरुआत में अमेरिका और खाड़ी देशों के साथ खुफिया जानकारी साझा की थी। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि ईरान उनके खिलाफ रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल करने पर विचार कर रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि इस्राइल को एक दशक से भी ज्यादा समय से ईरान के रासायनिक हथियार विकसित करने की जानकारी है। इस्राइली अधिकारियों के इन दावों के बीच ईरान की ओर से भी चेतावनी आई है। ईरान की सशस्त्र सेनाओं के प्रमुख मेजर जनरल अली अब्दोल्लाही ने मंगलवार को यह चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका अपने सैन्य ठिकानों को क्षेत्र में कहीं भी ले जाए। वे ईरानी सशस्त्र बलों की मिसाइलों की जद में रहेंगे। मंगलवार को बसीज संगठन के मौके पर एक बैठक हुई।

अमेरिका ने अलीबाबा की सात कंपनियों पर लगाया निर्यात प्रतिबंध

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका ने उन्नत कंप्यूटिंग उपकरणों और अत्याधुनिक सेमीकंडक्टर चिप की अनधिकृत इस्तेमालकर्ताओं तक पहुंचने की आशंका के चलते सिंगापुर की कंपनी मेगास्पीड और अलीबाबा की एक सहायक कंपनी समेत सात कंपनियों पर निर्यात प्रतिबंध लगा दिया है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग के उद्योग एवं सुरक्षा ब्यूरो (बीआईएस) ने इन कंपनियों को अपनी 'एंटिटी लिस्ट' में शामिल किया है। इसके बाद अमेरिकी निर्यात नियमों के दायरे में आने वाले उत्पादों, तकनीक और उपकरणों के निर्यात, पुनर्निर्यात या हस्तांतरण के लिए विशेष लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि ऐसे लाइसेंस के आवेदनों को सामान्यतः खारिज किया जाएगा। ये प्रतिबंध 23 नवंबर से प्रभावी हो गए हैं। हालांकि, इन्हें औपचारिक रूप से 25 नवंबर को अमेरिकी फेडरल रजिस्टर में प्रकाशित किया गया।



प्रतिबंधों के दायरे में सिंगापुर की मेगास्पीड इंटरनेशनल, स्विफ्टडाटा और एपेक्स एंटरप्राइज सॉल्यूशंस, मलेशिया की एमएसफ्यूजन, पीटी मेगास्पीड इंटरनेशनल और स्पीडमैट्रिक्स तथा थाईलैंड में मेगास्पीड का परिचालन शामिल है। अमेरिकी कार्रवाई के बाद अलीबाबा ने अपनी सहायक कंपनी एपेक्स को सूची में शामिल किए जाने पर आपत्ति जताई है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने इस फैसले को गलत बताते हुए कहा कि एपेक्स ने अमेरिकी प्रतिबंधों के दायरे में आने वाली उन्नत चिप को किसी अनधिकृत पक्ष तक नहीं पहुंचाया है। अलीबाबा ने अपने अधिकारों और प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए कानूनी रास्ता अपनाने की बात भी कही है। इस बीच, सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने मंगलवार को कहा कि मेगास्पीड के खिलाफ उनके देश की जांच अभी जारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सिंगापुर अमेरिका के निर्यात नियंत्रण कानूनों को लागू नहीं करता, लेकिन वह अपने देश का इस्तेमाल अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के लिए किए जाने के पक्ष में भी नहीं है। वोंग ने कहा, ' सिंगापुर अमेरिकी अधिकारियों की जांच में सहयोग करता है और अपने घरेलू कानूनों के संभावित उल्लंघनों की पड़ताल करता है।' उन्होंने यह भी बताया कि सिंगापुर ने अमेरिका से इस मामले में अतिरिक्त जानकारी मांगी है, लेकिन अभी तक पूरी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। उनके मुताबिक, मेगास्पीड ने एनवीडिया से जो चिप खरीदी थीं, वे सिंगापुर में इस्तेमाल होने के बजाय दूसरे देशों में भेजी गईं। इससे जांच जटिल हो गई है। सिंगापुर अमेरिकी अधिकारियों के साथ बातचीत कर यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि इन चिप का अंतिम इस्तेमाल किन देशों और संस्थाओं ने किया तथा संबंधित दस्तावेजों की सत्यता क्या है। इस मामले की अमेरिकी जांच 2024 में शुरू हुई थी। अमेरिकी वाणिज्य और न्याय विभागों ने 17 नवंबर को जारी संयुक्त बयान में कहा था कि जांचकर्ताओं को संवेदनशील सेमीकंडक्टर चिप की संभावित अनधिकृत आपूर्ति से जुड़ी संदिग्ध गतिविधियों का पता चला है। बयान के अनुसार, वाणिज्य विभाग ने मई 2025 में एनवीडिया से मेगास्पीड को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से की गई बिक्री का रिकॉर्ड मांगा था।

अमेरिका में खसरे का कहर: दो की मौत, इस साल 5838 मामले आए सामने

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में खसरे का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। दो राज्यों विस्कॉन्सिन और पेंसिल्वेनिया में खसरे से जुड़ी दो और मौतें दर्ज की गई हैं। इसके साथ ही दोनों राज्यों में इस साल इस बीमारी से जान गंवाने वालों की संख्या क्रमशः तीन और नौ हो गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बढ़ते संक्रमण के बीच लोगों से टीकाकरण कराने की अपील की है। विस्कॉन्सिन के स्वास्थ्य सेवा विभाग ने मंगलवार को बताया कि लाफायेट काउंटी में एक वयस्क की खसरे से जुड़ी दिक्कतों के चलते मौत हुई है। परिवार की निजता का सम्मान करते हुए मृतक के बारे में अतिरिक्त जानकारी साझा नहीं की गई। राज्य में इस साल अब तक खसरे के 920 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें शुक्रवार के बाद से सामने आए 88 नए मामले भी शामिल हैं। 918 मामले अगस्त में शुरू हुए प्रकोप से जुड़े हैं। राज्य में इस साल 20 मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है।



पेंसिल्वेनिया में कैसे बढ़ा संक्रमण : वहीं, पेंसिल्वेनिया के स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को सेंटर काउंटी के एक ऐसे निवासी की मौत की पुष्टि की, जो खसरे से संक्रमित पाया गया था और जिसका टीकाकरण नहीं हुआ था। विभाग ने मृतक की उम्र या पहचान से जुड़ी अन्य जानकारी नहीं दी। पेंसिल्वेनिया में इस साल अब तक 46 काउंटियों में खसरे के 1,638 मामले दर्ज किए गए हैं। 18 नवंबर के बाद से 49 नए मामले सामने आए हैं। राज्य में संक्रमण के कारण 330 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। इस साल खसरे से हुई नौ मौतें छह अलग-अलग काउंटियों में दर्ज की गई हैं। सेंटर काउंटी में यह पहली मौत है।

संक्रमण रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए : पेंसिल्वेनिया में अप्रैल के अंत में संक्रमण फैलना शुरू होने के बाद से स्वास्थ्यकर्मियों ने 287 अस्थायी टीकाकरण केंद्रों के माध्यम से खसरा, मम्प्स और रूबेला (एमएमआर) के 7,400 से अधिक टीके लगाए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि संक्रमण पर काबू पाने के लिए और टीकाकरण केंद्र खोले जाएंगे। देशभर में कितने मामले सामने आए? अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अनुसार, 19 नवंबर तक देश में खसरे के 5,838 पुष्ट मामले दर्ज किए जा चुके थे। यह संख्या 2025 में पूरे साल दर्ज किए गए 2,289 मामलों से कहीं अधिक है। इस साल सामने आए कुल मामलों में करीब 96 प्रतिशत संक्रमण के प्रकोप से जुड़े हैं। हालांकि, सीडीसी के राष्ट्रीय आंकड़ों की गणना की अंतिम तारीख राज्यों की हालिया रिपोर्ट से पहले की है। एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि संबंधित राज्यों के स्वास्थ्य विभाग अपने यहां संक्रमण की सबसे ताजा स्थिति की जानकारी देते हैं। विस्कॉन्सिन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि बुखार और शरीर पर चकत्ते जैसे लक्षण दिखाई देने पर सीधे अस्पताल या क्लीनिक जाने के बजाय पहले अपने स्वास्थ्य सेवा प्रदाता को फोन करें, ताकि दूसरे लोगों को संक्रमण से बचाने के लिए जरूरी सावधानियां बरती जा सकें।

प्रवासी परिवारों के आवास संबंधी नियम पर भड़के राज्य, ट्रंप सरकार पर केस

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राज्यों के एक गठबंधन ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ आवास संबंधी एक नियम को लेकर मुकदमा दायर किया है। इस नियम के तहत उन परिवारों को मिलने वाली किराये की सहायता बंद हो सकती है, जिनके सदस्यों में अमेरिकी नागरिकों के साथ-साथ ऐसे आप्रवासी भी शामिल हैं जो संघीय सहायता पाने के योग्य नहीं हैं। सोमवार को मैसाचुसेट्स की एक संघीय अदालत में दायर मुकदमे में, 'आवास और शहरी विकास विभाग' (एचयूडी) की एक नीति को चुनौती दी गई है। यह नीति सार्वजनिक आवास, रेंटल वाउचर और अन्य सब्सिडी वाले आवास कार्यक्रमों को प्रभावित करती है। कैलिफोर्निया, न्यूयॉर्क और मैसाचुसेट्स इस चुनौती का नेतृत्व कर रहे हैं। इनके साथ अन्य राज्य, डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया और पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो भी शामिल हैं। वे अदालत से इस नियम को रद्द करने और इसे लागू होने से रोकने की मांग कर रहे हैं।



यह विवाद 'मिश्रित-स्थिति' वाले परिवारों से जुड़ा है – ऐसे परिवार जिनमें कुछ सदस्य संघीय आवास सहायता के लिए पात्र हैं, जबकि अन्य सदस्य अपने आव्रजन (इमिग्रेशन) दर्जे के कारण पात्र नहीं हैं। मौजूदा व्यवस्था के तहत, सरकार परिवार की सब्सिडी को केवल पात्र सदस्यों के हिस्से तक सीमित कर देती है। एक अपात्र रिश्तेदार परिवार के साथ रह तो सकता है, लेकिन उसे सब्सिडी का कोई हिस्सा नहीं मिलता। नया नियम इस व्यवस्था को हमेशा के लिए खत्म कर देगा। इससे पात्र नागरिक और आप्रवासी लोग सहायता से वंचित हो सकते हैं, क्योंकि वे किसी ऐसे रिश्तेदार के साथ रहते हैं जो इस सहायता के लिए पात्र नहीं है। कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोंटा ने कहा, 'परिवारों को एक साथ रहने और सिर पर छत होने के बीच चुनाव करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। उनके कार्यालय का अनुमान है कि कैलिफोर्निया में 7,000 से अधिक ऐसे 'मिश्रित-स्थिति' वाले परिवार प्रभावित हो सकते हैं, जिनमें अमेरिकी नागरिक बच्चे भी शामिल हैं। एचयूडी ने 12 नवंबर को अंतिम नियम जारी किया, जो 14 दिसंबर से लागू होगा। इसके तहत, इन आवास कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने वाले या लाभ पाने वाले सभी लोगों को अपनी नागरिकता या पात्र आव्रजन दर्जे का सत्यापन (वेरिफिकेशन) कराना होगा, चाहे उनकी उम्र कुछ भी हो।

विभाग का कहना है कि ये बदलाव संघीय पात्रता शर्तों को लागू करते हैं और सीमित आवास संसाधनों को उन परिवारों तक पहुंचाते हैं, जिनके सभी सदस्य पात्रता की शर्तें पूरी करते हैं। एचयूडी का अनुमान है कि इस नीति के जरिए सालाना 167 मिलियन से 218 मिलियन डॉलर की रेंटल सहायता उन परिवारों को मिल सकती है जो पूरी तरह से पात्र हैं और मदद का इंतजार कर रहे हैं।

अमेरिकी सैनिक चीन को सेना के सीक्रेट बेच रहा था:मिसाइल और रॉकेट सिस्टम तक की जानकारी दी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी सैनिक पैसों के लिए अपने ही देश की सैन्य जानकारी चीन से जुड़े लोगों को बेच रहा था। वह सेना के सीक्रेट दस्तावेजों की तस्वीरें अपने मोबाइल से खींचता और उन्हें आगे पहुंचाता था। इन दस्तावेजों में मिसाइलों और रॉकेट सिस्टम से जुड़ी अहम जानकारियां थीं। सेना के सीसीटीवी कैमरों में उसकी यह हरकत रिकॉर्ड हो गई। अब उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आरोपी का नाम जियान झाओ है। उसकी उम्र 37 साल है। वह वॉशिंगटन के जॉइंट बेस लुईस-मैककॉर्ड में तैनात था। सेना में रहते हुए उसे कई दस्तावेजों और सैन्य उपकरणों तक पहुंच मिली हुई थी। जांच एजेंसियों के मुताबिक उसने इसका गलत फायदा उठाया।

सीक्रेट बेचने के बदले हजारों डॉलर मिलते थे : झाओ अपने निजी मोबाइल से सेना के गोपनीय दस्तावेजों की तस्वीरें खींचता था। इनमें सेना के ऑपरेशन, कम्युनिकेशन नेटवर्क, सैन्य अभ्यास और रॉकेट-मिसाइल सिस्टम से जुड़ी जानकारी थी। उसने रॉकेट सिस्टम से जुड़ी तकनीकी किताबों के कुछ हिस्से भी चीन से जुड़े लोगों को दिए। इसके अलावा उसने सेना के कंप्यूटर और सरकारी हार्ड ड्राइव बेचने की पेशकश भी की थी। जांच के मुताबिक, इस काम के बदले उसे हजारों डॉलर मिले।



पूर्व सैनिक भी साजिश में शामिल : अमेरिकी जांच एजेंसियों के मुताबिक यह साजिश 2021 के आखिर में शुरू हुई थी। इसमें रूयो डुआन नाम का एक पूर्व अमेरिकी सैनिक भी शामिल था। वह ओरेगन में रहता था। डुआन ने झाओ और सेना में काम कर रहे दूसरे सैनिकों को गोपनीय जानकारी देने के लिए तैयार किया था। वह चीन से जुड़े लोगों तक यह जानकारी पहुंचाने और सैनिकों को पैसे दिलाने का इंतजाम करता था। डुआन भी इस मामले में अपना जुर्म कबूल कर चुका है।

सीसीटीवी में तस्वीरें लेते दिखा, 17 लाख रुपए मिले जांच एजेंसियों ने सेना के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में झाओ को गोपनीय दस्तावेजों की तस्वीरें लेते देखा। इसके बाद 6 मार्च 2025 को उसे वॉशिंगटन के लेसी शहर में उसके घर से गिरफ्तार किया गया। घर की तलाशी में करीब 30 हजार डॉलर यानी लगभग 27 लाख रुपए नकद मिले। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक सामान और सेना की कई हार्ड ड्राइव भी बरामद हुईं। झाओ को इस साजिश से 17 लाख रुपए मिले थे। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा- सैनिकों की सुरक्षा खतरे में डाली अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि झाओ ने सेना में मिली अपनी जिम्मेदारी का गलत इस्तेमाल किया। उसने पैसों के लिए गोपनीय जानकारी चीन से जुड़े लोगों को दी। सेना के काउंटर इंटेलिजेंस कमांड के प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल सीन स्टिंचन ने कहा कि झाओ ने सेना की शपथ और अपने साथियों के भरोसे को तोड़ा। उसकी हरकत से सैनिकों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती थी।

जानकारी



एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर ग्रीन कॉफी से साफ हो जाती है लिवर की गंदगी

अगर आप पिछले कुछ वर्षों से खुद को फिट रखने के लिए ग्रीन-टी या ब्लैक कॉफी पी रहे हैं तो अब समय है कुछ बदलाव करने का। ग्रान-टा हो या ब्लैक कॉफी इन्हें छोड़कर अपनाइए ग्रीन कॉफी। यह सेहत को ठीक रखती है और वजन कम करने में भी सहायक है। ग्रीन कॉफी धीरे-धीरे हेल्थ और फिटनेस के बाजार में अपनी जगह बना रही है। इसके फायदों ने तो ग्रीन-टी को भी पीछे छोड़ दिया। वैसे बता दें कि ग्रीन-टी की ही तरह ग्रीन कॉफी में भी भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स हैं। यह वजन को तेजी से कम करने में सहायक है। खबरों के अनुसार इसके नियमित सेवन और बिना एक्सरसाइज के आप अपना वजन 10 किलो तक कम कर सकते हैं। इस बात में कितनी सच्चाई है, इस लेख में इस संबंध में बताया जा रहा है। ग्रीन कॉफी बीन्स को प्राकृतिक डिटॉक्स का एक रूप माना गया है। इसके सेवन से बैड कोलेस्ट्रॉल, अतिरिक्त फैट और लिवर से जीवाणु बाहर निकल जाते हैं, जिससे यह सही तरह से काम करता है और इसी से मेटाबॉलिज्म में सुधार होता है।

जरूरी टिप्स

कॉफी के अलावा अपनी डाइट में पोषक तत्वों से भरपूर फूड्स शामिल करें, जैसे- फल, सब्जी, नट्स, सीड्स और लीन मीट खाएं। डाइट फॉलो करते समय अगर आपको पाचन संबंधी परेशानियां, एसिडिटी और कब्ज की शिकायत हो रही है तो फिर न्यूट्रिशनिस्ट से सलाह लें और सही डाइट प्लैन बनवाएं। ध्यान दें कि हर 2 कॉफी के बीच में कम से कम 2-3 घंटे का अंतर रखें। शाम 5 के बाद कॉफी न पिएं। सोने से ठीक पहले इसका सेवन न करें, इससे अनिद्रा और वजन बढ़ सकता है।

क्या है ग्रीन कॉफी बीन्स?

कॉफी के पौधे से हरे रंग के बीजों को लेकर पहले उन्हें रोस्ट किया जाता है। फिर इसे पीसकर कॉफी बनाई जाती है। इस प्रक्रिया से कॉफी का रंग हरा से बदलकर हलका या गहरा भूरा हो जाता है और स्वाद भी बढ़ जाता है, लेकिन कॉफी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट जैसे गुणकारी तत्व खत्म हो जाते हैं।

ग्रीन कॉफी बनाने के तरीके

पहला तरीका

एक टीस्पून ग्रीन कॉफी बीन्स को रात भर 1 ग्लास पानी में भिगो दें। सुबह इस पानी को ग्रीन टी या कॉफी की तरह उबालें। इसमें शुरुआत में शहद मिला सकते हैं, लेकिन बाद में इसे फीका ही पीना शुरू करें, तभी आपको इसका फायदा मिलेगा।

दूसरा तरीका

ग्रीन कॉफी बीन्स को थोड़ी देर धूप में रखें। ग्राइंडर में बारीक पीस लें। इस पाउडर को तेज उबलते पानी में 2 मिनट तक बॉयल कर छानकर पिएं।

सही समय पर पीना जरूरी

इसे डाइट का हिस्सा बनाने से पहले यह समझ लें कि ऐसा न करें कि जब मन किया तभी इसे पी लिया, जो सही नहीं है। ग्रीन कॉफी को सुबह खाली पेट पिएं। इस समय पीने से इसका असर तेजी से होता है। दोपहर से आधा घंटा पहले या फिर खाने के एक घंटे बाद ही इसे पिएं। पेट खराब है तो इसका सेवन न करें। अगर ग्लूकोमा है तो इसके सेवन से बचें।

लेफ्टी या राइटी: कौन से लोग होते हैं ज्यादा बेहतर?



राइट हैंडड यानी दाहिने हाथ से काम करने वाले लोगों का प्रभुत्व दुनिया भर में कायम है और ऐसा प्राचीन काल से होता चला आ रहा है, लेकिन हमें इस बात का पता कैसे चले? शोधकर्ताओं ने प्राचीन काल के कंकालों के हाथ की हड्डियों और उस काल के दौरान पहने जाने वाले कपड़ों का आकलन कर इस बात का पता लगाया है।

पश्चिमी देशों में केवल 10 फीसदी ही लोग लेफ्टी यानी बाएं हाथ से काम करना पसंद करते हैं। इसके साथ ही अलग-अलग कार्यों के लिए अलग-अलग हाथों का प्रयोग करने वाले या समान कौशल के साथ दोनों हाथों का उपयोग करने वाले लोग असामान्य हैं। अगर आप भी लेफ्टी हैं या राइटी हैं तो यह खबर आपके लिए है। वैज्ञानिकों ने इस बात पर से पर्दा उठाया है कि इन दोनों में से कौन से लोग अधिक बेहतर होते हैं?

वैज्ञानिक लंबे अरसे से जानते हैं कि हैंडेडनेस (दाएं और बाएं हाथ का प्रयोग करने वाले लोग) आंशिक रूप से जीन द्वारा निर्धारित किए जाते हैं, लेकिन 2019 तक उन्होंने लेफ्ट और राइट हैंडर्स के डीएनए के भागों में अंतर नहीं पहचाना था। अध्ययन में पाया गया कि लेफ्टी लोगों के मस्तिष्क का दाहिना और बायां हिस्सा एक के साथ एक मिलकर बेहतर तरीके से काम करता है। यह दोनों हिस्से भाषा के कार्य की प्रक्रिया को चलाने का काम करते हैं, लेकिन अभी इस बात की तसदीक नहीं हो पाई है कि क्या लेफ्ट हैंडर्स राइट हैंडर्स के मुकाबले अधिक धाराप्रवाह तरीके से बोलने में सक्षम होते हैं। अध्ययन में यह भी बात सामने आई है कि लेफ्ट हैंडर्स छात्र स्कूल में अधिक संघर्ष करते हैं और उनमें अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिस्ऑर्डर (ADHD)के लक्षण पाए जाते हैं। यह बात उन लोगों के लिए विशेष रूप से सच हो सकती है, जो काम करते वक्त दोनों हाथों का प्रयोग करते हैं। एक अध्ययन में पाया गया कि वे बच्चे, जो बार-बार अपने दोनों हाथ आगे-पीछे करते रहते हैं, उनमें डिसलेक्सिया होने की संभावना भी दोगुनी हो जाती है। हालांकि शोधकर्ता अभी इस बात का पता नहीं लगा पाए हैं, लेकिन उन्हें संदेह है कि दोनों हाथों का प्रयोग करने वाले लोग जब ज्यादा बार एक ही हाथ का प्रयोग करते हैं तो उनमें निरंतर लेफ्ट हैंड का प्रयोग करने वालों की तुलना में ज्यादा दिक्कत झेलनी पड़ती है।



क्या लेफ्टी होते हैं ज्यादातर सुपीरियर?

आपके मस्तिष्क का दाहिना हिस्सा आपके शरीर के बाएं हिस्से की मांसपेशियों को कंट्रोल करता है और काफी हद तक आपकी संगीत और स्थानिक क्षमताओं को बढ़ाता है। यही कारण है कि लेफ्ट हैंडर्स लोग अक्सर रचनात्मक प्रोफेशन का हिस्सा होते हैं। मिरर राइटिंग, जिसमें अक्षर पलट जाते हैं और उन्हें पीछे की तरफ से लिखा जाता है यह लगभग लेफ्ट हैंड वाले लोग ही कर पाते हैं। कुछ अध्ययनों में यह बताया गया है कि लेफ्ट हैंड वाले बच्चे मुंह से पूछे गए सवालों में अधिक अंक लाते हैं। जबकि कुछ अध्ययन में यह गलत पाया गया है।

इतिहास राइटी को मानता है शक्तिशाली

विज्ञान भले ही लेफ्टी को सुपीरियर मानता हो, लेकिन साहित्य लेफ्ट हैंडर्स के हमेशा खिलाफ रहा है। मध्य युग में दानवों को लेफ्टी माना जाता था। जापान, चीन और अन्य एशियाई देशों में लेफ्ट हैंडर्स की संख्या पश्चिमी देशों के मुकाबले बहुत कम है। 1900 की शुरुआत में अमेरिकी शिक्षकों और डॉक्टर्स का मानना था कि लेफ्ट हैंडर्स में मानसिक विकारों से ग्रस्त होने की संभावना अधिक होती है और इसलिए वहां छात्रों को सीधे हाथ के बजाए उल्टे हाथ का प्रयोग करने के लिए कहा जाता था।

सेहत

साइनस इंफेक्शन होने पर एक टुकड़ा लहसुन आएगा काम

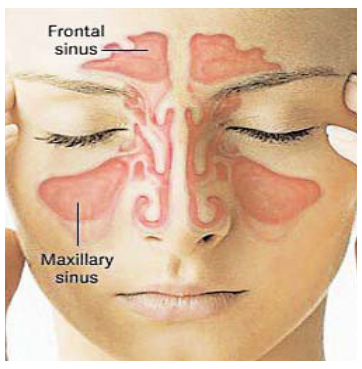

साइनस इंफेक्शन जिसे साइनसाइटिस या राइनोसिनिटिस के रूप में भी जाना जाता है, वास्तव में साइनस की सूजन है जिसके परिणामस्वरूप व्यक्ति को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इनके लक्षणों में भरी हुई या बहती हुई नाक, बुखार, सिरदर्द, गले में खराश या खांसी आदि होती है। साइनस संक्रमण एक आम स्वास्थ्य समस्या है और ठंड के मौसम में लोगों को इस समस्या का अधिक सामना करना पड़ता है। इतना ही नहीं, साइनसाइटिस होने पर व्यक्ति को अपने दैनिक कार्य करने में भी परेशानी होती है। हालांकि अधिकतर लोग यह समस्या होने पर दवाई लेते हैं, लेकिन हर बार दवाई लेना अच्छा विचार नहीं है। इससे आपको कुछ समय के लिए भले ही राहत मिल जाए, लेकिन लंबे समय में आपको इन दवाईयों के नुकसान ही झेलने पड़ते हैं। ऐसे में आप अपने किचन से ही साइनस का इलाज ढूंढ सकते हैं।



बनाएं नोड़ ड्रॉप

लहसुन की मदद से आप नोड़ ड्रॉप बनाकर अपनी नाक में डाल सकते हैं। इससे आपको काफी राहत महसूस होगी। नोड़ ड्रॉप बनाने के लिए आधा कप डिस्टिल्ड वॉटर लेकर उसमें एक लहसुन की कली को कुचलकर डालें और कुछ घंटों के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें। अब पानी को छान लें, ताकि पानी में लहसुन के टुकड़े न रह जाएं। अब इस पानी को आई ड्रॉपर में डालें और अब लेटकर इसकी एक-एक बूंद अपनी नाक में डालें। इसी तरह, कुछ देर लेटे रहें। आप दिन में एक बार यह उपाय अपना सकते हैं। हालांकि शुरू में इसमें थोड़ी जलन होती है, लेकिन यह जलन जल्द ही ठीक हो जाती है।

यह भी है तरीका

अगर आप लहसुन को बतौर नोड़ ड्रॉप इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं या आपको अधिक जलन हो रही है तो आप अन्य तरीकों से भी लहसुन का इस्तेमाल कर सकते हैं और साइनस इंफेक्शन को दूर कर सकते हैं। जैसे-

- आप लहसुन की एक या दो कली को छीलकर और धोकर उसे कच्चा खा सकते हैं।
- लहसुन की कली को छीलकर एवं धोकर उसे क्रश करें। अब इसमें गर्मागर्म पानी मिलाएं और पानी के हल्का ठंडा होने पर सिप-सिप करके इसे पिएं।
- पांच से सात लहसुन की कलियों को पानी में आठ-दस मिनट के लिए सोक करें। अब इसे क्रश करके फाइन पेस्ट बनाएं। अंत में इस पेस्ट को अपनी नाक के पास ले जाएं और इनहेल करें। इससे भी आपको काफी आराम महसूस होगा और बंद नाक भी खुलेगी।
- आप लहसुन की मदद से स्टीम भी ले सकते हैं। इसके लिए पहले आप किसी बर्तन में पानी डालकर उबालें। अब इसमें लहसुन की कली को क्रश करके डालें और गैस बंद कर दें। अब एक तौलिए की मदद से अपने सिर को कवर करते हुए स्टीम लें। यह तरीका साइनस इंफेक्शन में बेहद प्रभावी तरीके से काम करता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय समान रहेगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुख-आनंद कारक समय है। अपने काम पर ध्यान दीजिए। अंधविश्वासी न बनें। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। यात्रा का योग। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-2-3-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। आर्थिक चिंताएं कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-3-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2659

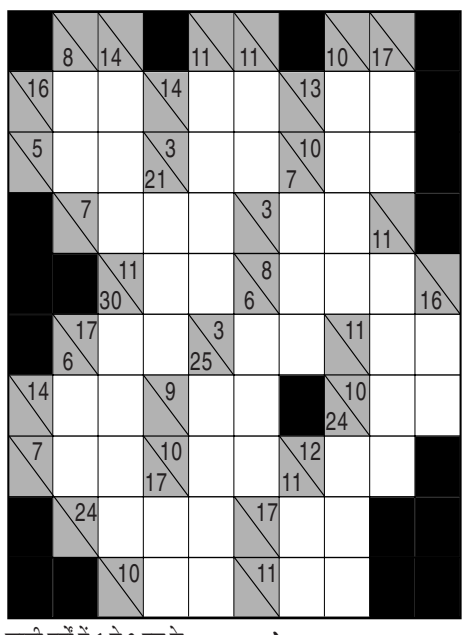

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

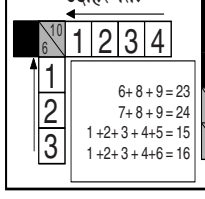

काकुरो - 2658 का हल

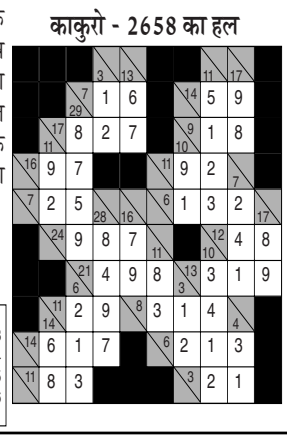

हंसी के फव्वारें

दारोगा (रमेश से)- जब तुम्हारे यहां चोरी हुई, उस समय कितना बजा था?

रमेश (दारोगा से)- हम पर चार लट्ठ और हमारे भाई पर दो लट्ठ बजे थे.

दारोगा (रमेश से)- अरे मै घड़ी का पूछ रहा हूं उसमे कितना बजा था?

रमेश (दारोगा से)- साहब घड़ी तो एक ही लट्ठ बजने पर टूट गई.

□ □ □

महेश (संजय से) - मुझे खुशी इस बात की है कि मेरा बॉस एक डॉक्टर है.

संजय (महेश से) - ऐसी क्या खासियत है आपके बॉस में?

महेश (संजय से) - मैं थोड़ा भी बीमार पड़ता हूं, तो वह मुझे फौरन बेड रेस्ट की सलाह दे देता है.

□ □ □

दो मूर्ख वार्तालाप कर रहे थे.

पहला बोला- 'यदि वृक्ष पर हाथी चढ़ जाए और वहां से नीचे उतरना चाहे तो उसे क्या करना चाहिए?'

दूसरा मूर्ख बोला- 'हाथी को वृक्ष की टहनी पर बैठकर पतझड़ के आने की प्रतीक्षा करनी चाहिए.'

□ □ □

राम (मोहन से)- क्या कर रहे हो?

मोहन- दोस्त को पत्र लिख रहा हूं.

राम- लेकिन तुम्हें लिखना नहीं आता.

मोहन (राम से)- तो मेरे दोस्त को कौन सा पढ़ना आता है.

फिल्म वर्ग पहेली- 2659

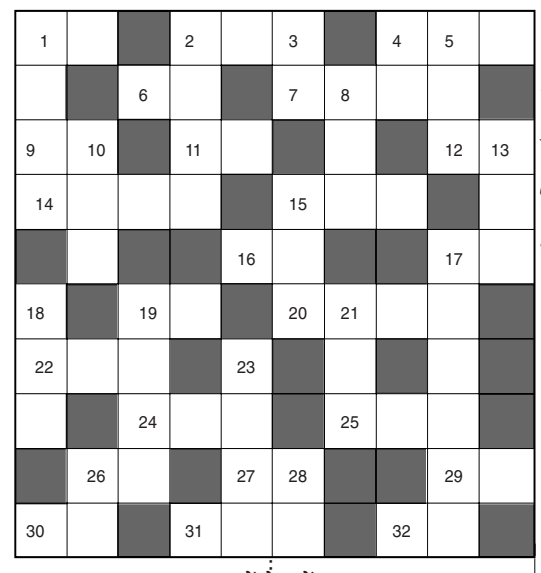

बायें से दायें:-

१. 'बरसो रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२. राजेशखन्ना, धर्मेन्द्र, वहीदा की फिल्म-३
४. 'नींद कभी रहती थी आँखों में' गीत वाली फिल्म-३
६. राज सोलंकी, हिना रहमान, पायल की फिल्म-२
७. 'कहना है जो दिल से कहो' गीत वाली फिल्म-४
९. संजीवकुमार, नूतन की फिल्म-२
११. 'हम और तुम तुम और' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१४. 'कुछ लोग यहाँ पर ऐसे है' गीत वाली फिल्म-४
१५. मकरंद देशपांडे, शबाना, श्वेता की फिल्म-३
१६. 'जब आती होगी याद मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
१९. 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
२०. अनिल धवन, रेहाना की फिल्म-२,२
२२. 'पर्दे में रहने दो पर्दा ना' गीत वाली फिल्म-३
२४. सुनील दत्त, साधना की फिल्म-३
२५. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२६. अभिषेक, उदय, एशा की फिल्म-२
२७. 'शरमाए काहे घबराये' गीत वाली फिल्म-२
२९. आमिर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
३०. 'लगन लागी मन की लगन' गीत वाली फिल्म-२
३१. फिल्म 'मनोरंजन' में नायिका कौन थी-३
३२. शाहरूख, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. ऋषि, अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-४
२. 'नील गगन पे उड़ते बादल आ' गीत वाली फिल्म-४
३. फिल्म 'मि. बॉण्ड' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
४. जीतेंद्र, रीना राय, रामेश्वरी की 'धक धक से धड़कना' गीत वाली फिल्म-२
५. 'सपनों का शहर हो' गीत वाली अरशद वारसी, महिमा चौधरी की फिल्म-३
८. सुष्मिता की पहली फिल्म ?-३
१०. 'चूड़े वाली छमिया मिला नैन रे' गीत वाली सनी, जयाप्रदा की फिल्म-३
१३. विनोद खन्ना, बिन्दू की 'दिल करने लगा है प्यार तुम्हे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'जीना तेरी बाहों' गीत वाली सुनील शेट्टी, इंद्रकुमार, नम्रता की फिल्म-३
१७. प्रदीपकुमार, नर्गिस की 'दिल की गिरह खोल दो' गीत वाली फिल्म-२,२,२
१८. 'नजर के सामने जिगर' गीत वाली राहुल राय, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
१९. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'ढपली वाले ढपली बजा' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'गोरी जो मटके बालों' गीत वाली सुनील, खीना, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
२३. राजेंद्र कुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'हर एक घर में दिया' गीत वाली संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की फिल्म-२
२८. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'अभी सॉस लेने की' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2658

य	स	बॉ	स		स	र	फ	रे	श
ह		बी		ह	त्या		ग	जा	
दी	पा		दे	व		डो	र		अं
	ल	म्हे		स	हे	ली		ग	ज
खा	की		औ		ग		अं	ज	लि
मो		स	र	ग	म			पू	
श	ग	फ	त			प्रि	य	त	मा
		र		मि	ली		श		ई
रे	टी		सू	ल		रॉ		खे	ल
	ना	म		न	म	की	न		व

सूडोकु -2659

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2658 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्द पहेली - 2659



बाएँ से दाएँ

1.बादलों की गड़गड़ाहट-4
3.नीरस, रस विहीन-4
8.नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10.कंठस्थ करना-3
11.जुड़वा-3
13.उक्ति,काव्य कृति-3
15.आने वाला दिन-2
17.पर,पराया,दूसरा-2
18.हाथ-2
19.कविता लिखने वाल-2
21.बजाने वाला-3
25.कक्ष,रूम-3
26.ठिकाना,नीड़-3
27.हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30.अभिप्राय-4
31.आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे

2.तरुणाई,लड़कपन-3
4.सहायता,आधार-3
5.बीताना,यापन करना-4
6.दिखावा,पाखंड-4
7.जरुरत,स्वार्थ-3
8.राजी करना-3
9.योग्य-3
12.मसलना-3
13.इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14.सुगंध,लास-3
16.रोकड़ राशि-3
20.रुकना, स्थिर होना-3
22.विजय दशमी -4
23.भोर,सवेरा-3
24.सना हुआ,तर-4
25.छल,धोखा-3
28.अनुकृति-3
29.श्रंगार -3

शब्द पहेली -2658 का हल

अ	ति	आ	व	श्य	क		का	रा	वा	स	
ज	ल		र		म	छ	ली		र	मा	
र		अ	दा	का	र		न	र		धा	
अ	र	मा	न		बं	द		ज	मी	न	
म		न		म	द	म	स्त		रा		
र	ज	त	प	ट		क	र	म	ज	ला	
	प		ट	क	रा	ना		स		ल	
मु	ना	दी		ना	ग		द	ल	ह	न	
ला		प	ती		गा	ड़ी	वा	न		पा	
का	का		त	न	य		घ		न	ल	
त	र	सा	ना		न	ग	र	भ	व	न	

भारत में पाकिस्तानी वेब सीरीज पर बैन, नेटफ्लिक्स को केंद्र की सख्त चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स को पाकिस्तान में निर्मित किसी भी सामग्री की भारत में स्ट्रीमिंग न करने का सख्त निर्देश दिया है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय का यह कदम पाकिस्तान स्थित वेब सीरीज जो बचे हैं संग समेट लो की भारत में संभावित रिलीज को लेकर उठे विवाद के बाद आया है। केंद्रीय मंत्रालय ने नेटफ्लिक्स से कहा है कि वह अपने पहले जारी किए गए आदेशों और स्वयं के वादों का सम्मान करे, जिसके तहत भारत में पाकिस्तानी कंटेंट की उपलब्धता प्रतिबंधित है। केंद्रीय मंत्रालय ने नेटफ्लिक्स को पिछले साल जून में किए गए उसके अपने वादे की याद दिलाई है। उस समय स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने मंत्रालय को यह सुनिश्चित किया था कि भारत में उसके सब्सक्राइबर्स के लिए पाकिस्तान से जुड़ी कोई भी फिल्म या वेब सीरीज उपलब्ध नहीं होगी। नेटफ्लिक्स ने तब स्पष्ट रूप से बताया था कि उसकी लाइब्रेरी में भारत के लिए कोई भी पाकिस्तानी कंटेंट मौजूद नहीं है, और मंत्रालय ने अब उसी रुख पर कायम रहने को कहा है।
यह ताजा निर्देश कई शिकायतों और ज्ञापनों के बाद आया है, जिसमें जो बचे हैं संग समेट लो नामक पाकिस्तानी वेब सीरीज की भारत में संभावित रिलीज को लेकर कड़ी आपत्ति जाहिर की गई थी। मंत्रालय ने नेटफ्लिक्स से कहा है कि वह पहले स्पष्ट किए गए अपने रुख पर कायम रहे और यह सुनिश्चित करे कि पाकिस्तान में बनी कोई भी सामग्री भारतीय दर्शकों के लिए स्ट्रीम न हो सके।

बिहार में स्वास्थ्य विभाग का कड़ा एक्शन : 11 डॉक्टर बर्खास्त

पटना, एजेंसी। बिहार के स्वास्थ्य विभाग ने लंबे समय से ड्यूटी से नदारद 11 डॉक्टरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर उन्हें सरकारी सेवा से बर्खास्त किया है। कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने फैसले की जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही और अनुशासनहीनता बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री कुमार ने कहा कि डॉक्टर का पेशा सिर्फ नौकरी नहीं, बल्कि मानव सेवा का एक पवित्र संकल्प है। इसतरह के लंबे समय तक अपने कर्तव्यों से विमुख रहना एक गंभीर मामला है। उन्होंने प्रदेश के सभी डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों से पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ अपनी ड्यूटी निभाने की अपील की। इस कार्रवाई के जरिए बिहार सरकार ने यह साफ संदेश दिया है कि आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। बिहार सरकार का मानना है कि इसके लिए स्वास्थ्य विभाग में जवाबदेही और अनुशासन अत्यंत आवश्यक है। इस कदम से स्पष्ट है कि सरकारी अस्पतालों में ड्यूटी के प्रति लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ भविष्य में भी सख्त से सख्त कदम उठाए जाएंगे।

तिरुपति बालाजी को अज्ञात भक्त ने दिया 121 किलो सोने का महादान

तिरुपति, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के तिरुपति स्थित भगवान वेंकटेश्वर मंदिर फिर चर्चा का विषय बन गया है। एक अज्ञात भक्त ने मंदिर को 121 किलोग्राम सोने के आभूषण दान किए हैं, जिसकी अनुमानित कीमत 160 करोड़ रुपये है। यह मंदिर के इतिहास में किसी एक श्रद्धालु द्वारा दिया गया अब तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत दान माना जा रहा है, जिसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ट्रस्ट द्वारा इन अद्भुत आभूषणों को रंगनायकुल मंडपम में प्रदर्शित किया गया। जानकारी के अनुसार, इन आभूषणों को मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की मौजूदगी में टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी (ईओ) को सौंपा गया। इन 121 किलोग्राम सोने में कुल 45 आभूषण शामिल हैं, जिन्हें नौ अलग-अलग सेटों में व्यवस्थित किया गया है। ये आभूषण विशेष रूप से भगवान श्री वेंकटेश्वर को सिर से पैर तक सजाने के लिए तैयार किए गए हैं। आंध सरकार और टीटीडी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि दानकर्ता ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम के साथ सभी आवश्यक विचार-विमर्श पूरे कर लिए थे और मंदिर परिसर में ही प्रशासन को यह बहुमूल्य चढ़ावा सौंपा गया। इस असाधारण दान ने देशभर में भक्ति और उदारता की नई मिसाल कायम की है।

मोगा रैली: केजरीवाल ने मान के नाम पर मांगे वोट, कांग्रेस-बीजेपी पर साधा निशाना

मोगा, एजेंसी। पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले, आम आदमी पार्टी (आप) ने मोगा में अपने स्थापना दिवस पर खुशहाल पंजाब-महारैली का आयोजन किया। इस दौरान आप संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के नाम पर वोट मांगे और कांग्रेस व भाजपा दोनों पर तीखा हमला बोला। मुख्यमंत्री मान ने अकाली दल और भाजपा के गठबंधन को कृषि सुधार कानूनों को वापस लाने की शर्त पर हुआ बताया।
केजरीवाल ने पंजाब के मतदाताओं को आगाह किया कि यदि कांग्रेस सत्ता में आती है, तब मुफ्त बिजली और महिलाओं को मिलने वाले एक हजार रुपये प्रति माह जैसी योजनाएं बंद हो जाएगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इन्हें फ्री की रेवड़ी कहने का जिक्र कर कहा कि दिल्ली में भी केंद्र ने उनकी सरकारी स्कीमें बंद की थीं। उन्होंने लोगों से मान को दोबारा मुख्यमंत्री बनाने की अपील की ताकि ये योजनाएं जारी रह सकें। एक हजार रुपये की योजना में देरी पर उन्होंने पिछली सरकारों पर खजाना खाली करने का आरोप लगाया। रैली के दौरान, केजरीवाल ने सीएम मान के साथ मिलकर नए लाभार्थियों को राशन कार्ड भी वितरित किए, जिसके तहत दस लाख नए लोगों को कार्ड दिए जा रहे हैं।
सीएम मान ने अपने संबोधन में कांग्रेस की आंतरिक कलह पर निशाना साधकर कहा कि वहां 6-7 मुख्यमंत्री उम्मीदवार हैं और उनमें रोज लड़ाई होती है। उन्होंने परगट सिंह के गोल करने के उदाहरण से कांग्रेस की आपसी खींचतान को उजागर किया। केजरीवाल ने अपनी सरकार की



उपलब्धियां गिनाकर दावा किया कि उन्होंने 77 हजार युवाओं को नौकरियां दी हैं और एक भी व्यक्ति यह नहीं कह सकता कि उसने नौकरी के लिए पैसे दिए हैं। उन्होंने पिछली सरकारों में रिश्वतखोरी के तौर-तरीकों, जैसे अटैची तौलकर पैसे लेने का जिक्र किया।

आप के स्थापना दिवस पर केजरीवाल का संकल्प: न पार्टी डरेगी और न ही तय लक्ष्यों से पीछे हटेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को पार्टी के स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों को बधाई देकर देश के लिए बड़े संकल्प का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी न डरेगी और न ही अपने लक्ष्यों से पीछे हटेगी, क्योंकि देश के लिए अभी बहुत काम करना बाकी है। केजरीवाल ने सोशल मीडिया पोस्ट में पार्टी के अब तक के सफर पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे 2012 में पार्टी की स्थापना के समय कई सवाल उठे थे, कि क्या यह कुछ कर पाएगी, कितने दिन टिकेगी, और इन लोगों को राजनीति की क्या समझ है। हालांकि, केजरीवाल ने गर्व से कहा कि पार्टी न केवल टिकी रही, बल्कि उसने पूरे देश के लोगों का भरोसा और समर्थन भी जीता। उन्होंने पार्टी की सफलताओं का जिक्र कर कहा कि आप ने दिल्ली और पंजाब जैसे राज्यों में अपनी सरकारें बनाई हैं। इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर, गोवा और गुजरात सहित अन्य कई राज्यों में भी पार्टी को लोगों का विश्वास और प्यार मिला है। केजरीवाल ने जोर दिया कि आप ने काम की राजनीति पर ध्यान केंद्रित किया, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत मुद्दों पर बात की, और यह राजनीति से प्रभावित नहीं हुई बल्कि उसने खुद राजनीति को बदल दिया। अपने संदेश में, उन्होंने भविष्य की योजनाओं और पार्टी के अटल निश्चय को दोहराया। केजरीवाल ने लिखा, अभी बहुत कुछ करना है। देश के लिए बहुत काम करना है। उन्होंने आम आदमी पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ भी दीं। गौरतलब है कि आप की स्थापना 26 नवंबर, 2012 को अरविंद केजरीवाल द्वारा की गई थी। यह पार्टी 2011 में यूपीए सरकार के दौरान सामने आए भ्रष्टाचार के मामलों के खिलाफ हुए इंडिया अगेंस्ट करप्शन आंदोलन से निकली थी। केजरीवाल ने पार्टी शुरू करने के लिए 26 नवंबर की तारीख इसलिए चुनी, क्योंकि इसी दिन 1949 में भारत के संविधान को अपनाया गया था।

माकपा नेता के भड़काऊ भाषण की होगी पुलिस जांच: गृह मंत्री

पय्यान्नूर , एजेंसी। केरलम के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने घोषणा की कि पुलिस मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेता और पूर्व विधायक टी.आई. मधुसूदनन के भाषण की गहन जांच करेगी। मधुसूदनन ने सोशल मीडिया पर पार्टी की आलोचना करने वालों को खुलेआम चेतावनी दी थी कि पार्टी उनसे हिसाब चुकता करेगी और इसके गंभीर परिणाम भुगतना होगा। गृह मंत्री चेन्निथला ने कहा कि गृह विभाग इन टिप्पणियों को अत्यंत गंभीरता से ले रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी निर्वाचित जनप्रतिनिधि रह चुके व्यक्ति के लिए इस तरह के धमकी भरे भाषण देना अनुचित है। उन्होंने चेतावनी दी कि राज्य सरकार ऐसी हरकतों को बर्दाश्त नहीं करेगी और न ही पुलिस ऐसा होने देगी। पुलिस जांच के लिए भाषण का पूरा पाठ जुटा रही है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री के.मुरलीधरन ने भी मधुसूदनन के बयानों पर कड़ी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केरलम की मौजूदा सरकार हिंसा की धमकी देने वाले भाषणों पर चुप नहीं बैठेगी और ऐसी हरकतों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुरलीधरन ने चेतावनी दी कि जेन जी के दौर में इस तरह के भाषणों से कोई फायदा नहीं होगा, बल्कि यह वामपंथी पार्टी के पतन का कारण बन सकते है। स्वास्थ्य मंत्री मुरलीधरन ने माकपा नेताओं द्वारा हाल ही में आए सी.वी.धनराज हत्याकांड के फैसले पर सवाल उठाने और न्यायाधीशों पर टिप्पणी करने को अस्वीकार्य बताया। उन्होंने अदालतों के सम्मान पर जोर देकर अरियिल शुकूर हत्याकांड का उदाहरण दिया, जहां कांग्रेस और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) भी फैसले से असंतुष्ट थे, लेकिन उन्होंने न्यायाधीशों के खिलाफ कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की। उन्होंने स्वीकार किया कि दोनों ही मामलों में अभियोजन पक्ष की ओर से चूक हुई है। मधुसूदनन ने पय्यान्नूर में एक डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) कार्यक्रम में ये धमकी भरे बयान दिए थे, जो धनराज हत्याकांड के फैसले के बाद आयोजित किया गया था। आरोप है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर पार्टी की आलोचना करने वालों को चेताया था कि पार्टी उनसे हिसाब चुकता करेगी और पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि पार्टी का अपमान करने वालों को शायद पहले ही उनके किए की सजा मिल चुकी है और जो लोग लड़ाई को सड़कों पर ले जाएंगे, उन्हें इसके गंभीर परिणाम भुगतना होगा। गृहमंत्री चेन्निथला ने कहा कि नेताओं और पूर्व विधायकों को अशांति भड़काने के बजाय शांति बनाए रखने तथा हत्याओं और हिंसा को रोकने के लिए काम करना चाहिए।

मंच से खरगे की इमरान मसूद को नसीहत... बातों से ज्यादा काम पर ध्यान केंद्रित करें

यूपी में गठबंधन की सरकार लानी है और मोदी-योगी को हराना

लखनऊ , एजेंसी। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लखनऊ में पार्टी नेताओं को गठबंधन के खिलाफ बयानबाजी से बचने की नसीहत दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गठबंधन की सरकार लानी है और मोदी-योगी को हराना है, क्योंकि अंदरूनी झगड़े जीत को मुश्किल बनाते हैं।
कांग्रेस नेता खड़गे ने इस दौरान पार्टी नेता और सांसद इमरान मसूद के जोश की सराहना की, लेकिन साथ ही उन्हें गठबंधन धर्म निभाने और केवल बातों से ज्यादा काम पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सभी को मिलकर काम करना होगा तभी पार्टी आगे बढ़ेगी। लोकसभा चुनाव का जिक्र कर कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने दावा किया कि अजय राय ने प्रधानमंत्री मोदी से टक्कर ली थी और वह थोड़े से चूक गए,



नहीं तब मौजूदा प्रधानमंत्री गुजरात जाकर बैठते।
कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगेसंविधान बचाओ मार्च में शामिल होने लखनऊ पहुंचे थे, हालांकि लखनऊ प्रशासन ने मार्च की अनुमति नहीं दी थी। खड़गे के जाने के बाद कार्यकर्ताओं ने मार्च निकाला, लेकिन पार्टी कार्यालय से करीब 150 मीटर आगे बढ़ने पर पुलिस ने उन्हें रोक दिया। पुलिस ने पहले से ही थ्री-लेयर बैरिकेडिंग लगा रखी थी। लगभग 40 मिनट तक कांग्रेसियों ने आगे बढ़ने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए। इसके बाद पुलिस ने मार्च में शामिल प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा, कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद सहित कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। उन्हें इको गार्डन ले जाकर बाद में छोड़ दिया गया।
इस घटना पर प्रतिक्रिया देकर कांग्रेस नेता अजय राय ने योगी सरकार पर तानाशाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस के दिन सरकार संविधान को कुचलने का काम कर रही है, जो दर्शाता है कि ये लोग संविधान को मानने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का हर कार्यकर्ता संविधान बचाने के लिए सड़क पर उतरा है। कांग्रेस नेता राय ने ओवैसी और चंद्रशेखर की रैलियों को भारतीय जनता पार्टी प्रायोजित बताया।

सौरव दास की विदेश यात्रा पर रोक: दिल्ली हाईकोर्ट में बोला केंद्र, उनके खिलाफ एलओसी जारी

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट में गुरुवार 26 नवबंर को सीजेपी के सह-संयोजक सौरव दास की याचिका पर सुनवाई हुई, जिन्हें ब्रिटेन जाने से रोक दिया गया था। केंद्र ने दिल्ली की अदालत को बताया कि मुंबई पुलिस ने 23 नवबंर को उनके खिलाफ लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया था, इस कारण उन्हें विदेश जाने से रोका गया। सौरव दास को 24 नवबंर को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ब्रिटेन जाना था, जहां उन्हें कॉकरोच मूवमेंट विषय पर बोलना था। अपनी याचिका में दास ने आरोप लगाया है कि 23 नवबंर की रात लंदन जाने वाली फ्लाइट में सवार होने से ठीक पहले उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन काउंटर पर रोक दिया गया था। इस रोक को उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला, अब पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर चेतावनी लेबल लगाना जरुरी

बेंच ने कहा- नमक, कुल शुगर और सैचुरेटेड फैट की सीमा नए सिरे से तय की जाए

नई दिल्ली, एजेंसी। पैकेटबंद खाद्य पदार्थों में नमक, चीनी और सैचुरेटेड फैट की ज्यादा मात्रा को लेकर अब ग्राहकों को पैकेट पर ही चेतावनी दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) से चेतावनी लेबल के नियम तैयार करने को कहा है। कोर्ट ने साफ किया है कि खाद्य पदार्थों में मौजूद कुल शुगर और सैचुरेटेड फैट को चेतावनी के लिए आधार बनाया जाए, न कि सिर्फ अलग से मिलाई गई चीनी और फैट को। जस्टिस जेबी पारडीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि नमक, कुल शुगर और सैचुरेटेड फैट की अधिकतम सीमा नए सिरे से तय की जाए। चेतावनी के लिए तय सीमा न तो इतनी कम हो कि हर खाद्य पदार्थ के पैकेट पर चेतावनी छपने लगे और न ही इतनी ज्यादा कि स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह मात्रा भी इसके दायरे से बाहर रह जाए।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने निर्देश दिया कि पैकेट के मुख्य हिस्से पर तीन अलग-अलग षट्कोण (हेक्सागोन) बनाए जाएं। इनमें क्रमशः हाई फैट, हाई शुगर और हाई साल्ट लिखा हो। हर हेक्सागोन पैकेट के मुख्य डिस्प्ले क्षेत्र का कम से कम 4 से 5 फीसदी हिस्सा घेरे। इसके भीतर लिखे शब्दों का फॉन्ट इतना बड़ा और स्पष्ट हो कि ग्राहक आसानी से पढ़ सकें। बेंच ने बच्चों और आम लोगों को पैकेटबंद खाद्य पदार्थों में मौजूद पोषक तत्वों और उनके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों के प्रति जागरूक करने की जरूरत पर भी जोर दिया।
सुप्रीम कोर्ट ने एफएसएसएआई को इन निर्देशों के आधार पर ड्राफ्ट नियम तैयार करने और संबंधित पक्षों से सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित करने को कहा है, साथ ही नियमों को जल्द से जल्द अंतिम रूप देकर अधिसूचित करने का भी निर्देश दिया। मामले में 10 सप्ताह बाद अगली सुनवाई होगी। उस



दिन कोर्ट इस बात की जानकारी लेगा कि ड्राफ्ट नियम तैयार हो गए हैं या नहीं।
बता दें यह मामला फ्रंट ऑफ पैकेट वार्निंग लेबल लागू करने से जुड़ा है। एक संस्था ने याचिका दाखिल कर पैकेटबंद खाद्य पदार्थों में नमक, चीनी और फैट की अधिक मात्रा के बारे में ग्राहकों को स्पष्ट चेतावनी देने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस व्यवस्था को लागू करने में ढिलाई पर पहले भी एफएसएसएआई को कड़ी फटकार लगाई थी।

संविधान पर प्रहार, भारत अब देगा मुंहतोड़ जवाब : देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 26/11 मुंबई आतंकी हमलों को संविधान पर प्रहार बताकर कहा कि भारत अब अपने सैनिकों या नागरिकों पर हमलों को बर्दाश्त नहीं करेगा, बल्कि जिम्मेदार लोगों को मुंहतोड़ जवाब देगा। गेटवे ऑफ इंडिया पर आयोजित कार्यक्रम में 2008 के हमलों में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देकर सीएम फडणवीस ने कहा कि आतंकवादियों ने जानबूझकर इसरतह के स्थानों को निशाना बनाया था जहां विदेशी नागरिक और राजनयिक समुदाय के सदस्य अक्सर आते-जाते थे, उनका मकसद अधिक से अधिक लोगों को मारना और दुनिया को यह संदेश देना था कि भारत पर हमला किया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह हमला केवल मुंबई पर ही नहीं, बल्कि भारत के संविधान पर भी था।
मुख्यमंत्री ने आतंकवादियों से मुकाबला करने वाले पुलिसकर्मियों की बहादुरी को यादकर विशेष रूप से तुकाराम ओंबले को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने कई गोलियां लगने के बावजूद पाकिस्तानी आतंकवादी अजमल कसाब को



जीवित पकड़ा था। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों हेमंत करकरे, अशोक कामटे, विजय सालस्कर और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के मेजर संदीप उन्नीकृष्णन सहित जान गंवाने वाले सभी शहीदों को नमन किया। सीएम फडणवीस ने बताया कि 26 नवंबर 2008 को पाकिस्तान से समुद्र के रास्ते आए लश्कर-ए-तैयबा के 10 भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों के इन हमलों में विदेशियों सहित 166 लोगों की मौत हुई थी। कसाब की गिरफ्तारी से अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने हमलों में पाकिस्तान की संलिप्तता उजागर हुई और यह साबित हुआ कि यह हमला पाकिस्तान प्रायोजित था।
सीएम फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नये भारत ने आतंकवादी हमलों का जवाब देने का साहस दिखाया है। उन्होंने 2016 के उरी और पहलगाम हमलों के जवाब में भारत की कार्रवाई का जिक्र कर कहा कि भारत अपने सैनिकों या नागरिकों पर किसी भी हमले को बर्दाश्त नहीं करेगा और पाकिस्तान में घुसकर इसतरह के हमलों के लिए जिम्मेदार लोगों को करारा जवाब देगा। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि बीते 12 वर्षों में मुंबई और देश में आतंकी घटनाओं को पूरी तरह से समाप्त किया गया है, साथ ही इसतरह के हमलों को अंजाम देने के प्रयासों को विफल किया गया है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने मुंबई की अदम्य भावना को सलाम कर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रहने के संकल्प को दोहराया और पुलिसकर्मियों के कल्याण के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की।

शरद पवार फिर अस्पताल में भर्ती, बाबा को डिहाइड्रेशन हुआ

- बेटी सुप्रिया सुले ने दी जानकारी

मुंबई, एजेंसी । एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार की तबीयत गुरुवार को फिर बिगड़ गई है, जिसके चलते उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती किया गया है। इसकी जानकारी उनकी बेटी और पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने दी। 85 वर्षीय पवार की तबीयत खराब होने की खबर मिलते ही सुप्रिया अपनी अहम बैठक छोड़कर अस्पताल के लिए रवाना हो गईं। सुप्रिया सुले ने बताया कि बाबा को डिहाइड्रेशन हुआ है। उन्होंने लिखा कि पवार को अब आराम करने और कम यात्रा करने की जरुरत है, लेकिन वे अपने काम से प्यार करते हैं और सुनते नहीं हैं। सुप्रिया ने अपने शुभचिंतकों का आभार जाहिर किया। सुप्रिया ने गुरुवार को ही एनसीपी (एसपी) नेताओं की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई थी, जिसमें पार्टी में चल रहे विवाद पर खास चर्चा होनी थी।

मुजफ्फरनगर दंगों के लिए अखिलेश-आजम जिम्मेदार: संगीत सोम

भाजपा 300 से अधिक सीटों के साथ सरकार बनाएगी

शामली, एजेंसी । भाजपा के पूर्व विधायक संगीत सोम ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और पूर्व मंत्री आजम खान पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने मुजफ्फरनगर दंगों के लिए तत्कालीन अखिलेश सरकार और आजम को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराते हुए गंभीर आरोप लगाए।
पूर्व विधायक सोम ने आरोप लगाया कि दंगों के दौरान अखिलेश सैफई में कार्यक्रम देख रहे थे, जबकि आजम थानों से आरोपितों को छुड़वाने में लगे थे। उन्होंने कहा कि इस हिंसा में निर्दोष लोगों की जान गई और तत्कालीन सरकार ने मरने वालों के वास्तविक आंकड़े छिपाए, जिसका खामियाजा हिंदू परिवारों को भुगतना पड़ा।
आजम पर जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण के लिए हजारों करोड़ रुपये के स्रोत पर सवाल उठाकर सोम ने आतंकवाद का अड्डा बनाने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने अखिलेश और समाजवादी पार्टी पर माफिया के साथ होने और तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। पूर्व विधायक सोम ने कहा कि उन्हें इसतरह के मुस्लिम पसंद हैं



जो भारत में रहकर वंदेमातरम और जय हिंद बोलते हैं, देशविरोधी गतिविधियों का समर्थन करने वालों को भारत में जगह नहीं मिलनी चाहिए।
अखिलेश पर ब्राह्मणों, जाटों और राजपूत समाज के खिलाफ टिप्पणी करने का आरोप लगाकर सोम ने कहा कि वोट बैंक टोपी पहनने से नहीं बनता। आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत का दावा कर उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता मुजफ्फरनगर जैसे दंगे फिर नहीं देखना चाहती और अखिलेश सरकार की वापसी से ऐसी आशंकाएं बढ़ेंगी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा 300 से अधिक सीटों के साथ सरकार बनाएगी।

चैंपियंस लीगः लिवरपूल ने दर्ज की धमाकेदार जीत

मैनचेस्टर यूनाइटेड और स्पोर्टिंग सीपी का मुकाबला 2-2 से रहा ड्रॉ

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस लीग में लिवरपूल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए क्लब ब्रुग को 3-0 से हराया। इस मैच में अलेक्जेंडर इसाक ने दो गोल किए, जबकि फ्लोरियन विर्ट्ज ने भी एक शानदार लॉन्ग-रेंज गोल दागा। जान ब्रेयडेल स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले की शुरुआत में ही अलेक्जेंडर इसाक ने करीब से गोल करके लिवरपूल को बढ़त दिला दी। लिवरपूल का डिफेंस भी मुकाबले में काफी मजबूत नजर आया और मैच के अंत में फ्लोरियन विर्ट्ज और इसाक के बेहतरीन गोलों की मदद से 3 अंक पक्के कर लिए। डोमिनिक सोबोस्जलाई के पास पर इसाक ने गोल करके लिवरपूल को हाफ-टाइम तक बढ़त दिला दी। इस दौरान यान सोमर ने हंगरी के खिलाड़ी सोबोस्जलाई के करीब से लिए गए शॉट को रोक दिया, जबकि दूसरे हाफ में लिवरपूल के गोलकीपर एलिसन बेकर ने फेलिक्स लेमारेचल के शॉट को बाहर कर दिया।



मैच खत्म होने से 11 मिनट पहले रियो न्गुमोहा के पास पर विर्ट्ज ने गेंद को पोस्ट के सहारे गोल में बदल दिया। इसके बाद, एलिसन की लंबी पास पर इसाक ने शानदार तरीके से गेंद को कंट्रोल करते हुए एक और गोल दागा। एंडोनी इराओला की टीम ने लीग चरण में अब तक 15 में से 12 अंक हासिल कर लिए हैं। उनका अगला मुकाबला घरेलू मैदान पर एफसी पोर्टो के खिलाफ होगा।

बार्सिलोना ने सबाह एफके को 4-1 से हराया, पीएसजी-रोमा के बीच 2-2 से ड्रॉ रहा मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। एफसी बार्सिलोना ने बाकू में सबाह एफके को 4-1 से हराया। एंथनी गॉर्डन के दो गोल और करीम अदेयेमी तथा गेब्रियल जीसस के एक-एक गोल की मदद से बार्सिलोना ने यूईएफए चैंपियंस लीग के लीग चरण में अपने पांचवें मैच में चौथी जीत दर्ज की। शुरुआत से ही गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखने के बावजूद, बार्सिलोना को अजरबैजानी टीम के अनुशासित डिफेंस को भेदने में शुरुआती संघर्ष करना पड़ा। हाफ-टाइम के बाद, गेब्रियल जीसस के शॉट को पोकातिलोव ने रोका, लेकिन गेंद रिबाउंड होकर गॉर्डन के पास आई, जिन्होंने बार्सिलोना के लिए पहला गोल दागा। इसके बाद करीम अदेयेमी ने दूसरा गोल किया। जीसस ने तीसरा गोल किया, जबकि जॉय-लांस मिकल्स ने एक शानदार फिनिश के साथ अपनी टीम के लिए एक गोल किया। अदेयेमी पांचवां गोल करने के करीब थे, लेकिन पेनल्टी एरिया के अंदर से लगाया गया उनका जोरदार शॉट क्रॉसबार से टकरा गया। हालांकि, बार्सिलोना ने तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल करने और राउंड ऑफ 16 में सीधे क्वालिफिकेशन की ओर एक और बड़ा कदम बढ़ाने के लिए पर्याप्त काम कर लिया था। इस बीच, पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने अपने घरेलू मैदान पर एएस रोमा के साथ 2-2 से ड्रॉ खेलकर यूईएफए चैंपियंस लीग में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। मारियो हर्मोसो (5वें मिनट) के शुरुआती गोल के जवाब में इल्या जबार्नी (31वें मिनट) ने पीएसजी के लिए अपना पहला कॉन्टिनेंटल गोल किया।



ईयर एंडर 2026

टी20 विश्व कप का खिताब, छक्कों का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए साल 2026 बेमिसाल रहा। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया अपनी ही धरती पर टी20 विश्व कप के खिताब का बचाव करने वाली दुनिया की पहली टीम बनी। इसके साथ ही एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल के अलावा टीम ने छक्कों का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया। टी20 विश्व कप का खिताब : भारतीय टीम ने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टी20 विश्व कप 2026 का खिताब अपने नाम किया। फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराने के साथ ही भारत टी20 विश्व कप के खिताब का बचाव करने वाला पहला देश बना। इसके साथ ही अपनी घरेलू सरजमीं पर टीम इंडिया चैंपियन बनने वाली पहली



टीम भी बनी। भारत ने तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया। भारतीय टीम का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में शानदार रहा और टीम को सिर्फ एक मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। भारत के लिए संजू सैमसन ने सर्वाधिक 321 रन बनाए जबकि 8 मैचों में 14 विकेट लेकर बेस्ट गेंदबाज रहे। एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल : जापान की धरती पर खेले गए एशियन गेम्स 2026 में भी भारतीय क्रिकेट टीम का जलवा रहा। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम इंडिया ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल अपने नाम किया। टूर्नामेंट में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन ईशान किशन ने बनाए जबकि अक्षर पटेल सबसे सफल गेंदबाज रहे।

मुल्डर की शानदार गेंदबाजी, बांग्लादेशी बल्लेबाजों का दूसरी इनिंग में भी 'सरेंडर'

साउथ अफ्रीका ने एक पारी और 219 रनों से जीता दूसरा टेस्ट

सेंचुरियन(एजेंसी)। साउथ अफ्रीका ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को दूसरे टेस्ट मैच में एक पारी और 219 रनों से हराया। सुपरस्पोर्ट्स पार्क के मैदान पर बांग्लादेश के बल्लेबाजों का प्रदर्शन दूसरी इनिंग में भी निराशाजनक रहा और पूरी टीम सिर्फ 184 रन बनाकर सिमट गई। दूसरी पारी में बांग्लादेश तंजीद हसन तमीम और महफिजुल इस्लाम ने सधी हुई शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 58 रन जोड़े। तंजीद 29 रन बनाकर आउट हुए, जबकि महफिजुल 38 रन बनाने के बाद पवेलियन लौटे। मोमिनुल हक अपना खाता भी नहीं



खोल सके। वहीं, कप्तान नजमुल हुसैन शांतो 34 रन बनाने के बाद वियान मुल्डर का शिकार बने। तौहीद हिरदॉय भी अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और 33 गेंदों में 41 रन बनाकर आउट हुए। लिटन दास ने 15 रन बनाए, जबकि जेकर अली 2 रन ही बना सके। शोरिफुल इस्लाम (0) और तस्कीन अहमद (10 रन) भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। खलील अहमद 5 रन बनाकर आउट हुए। दूसरी पारी में साउथ अफ्रीका की तरफ से वियान मुल्डर ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 11 ओवर के स्पेल में 31 रन देकर 7 विकेट चटकाए, जबकि मार्को जानसेन ने 2 विकेट अपने नाम किए। कगिसो रबाडा ने एक विकेट झटका। बांग्लादेश की पूरी टीम पहली पारी में सिर्फ 91 रन बनाकर ढेर हो गई थी, जिसके जवाब में साउथ अफ्रीका ने 7 विकेट खोकर 494 रन बनाने के बाद अपनी पारी को घोषित किया था।

न्यूजीलैंड-भारत दूसरा टेस्ट | क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल में कैसा है भारत का टेस्ट रिकॉर्ड, 2020 में करना पड़ा था करारी हार का सामना

क्राइस्टचर्च में दूसरा टेस्ट आज से



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल मैदान पर खेला जाना है। वेलिंगटन में खेला गया सीरीज का पहला टेस्ट मैच ड्रॉ रहा था। आइए आपको बताते हैं कैसा रहा है टीम इंडिया का हेगली ओवल के मैदान पर टेस्ट रिकॉर्ड। दरअसल, भारतीय टीम ने क्राइस्टचर्च के इस मैदान पर अब तक सिर्फ एक ही टेस्ट मैच खेला था और इस मुकाबले में टीम को 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। 2020 में विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम पहली पारी में 242 रन बनाकर ऑलआउट हुई थी।

इसके जवाब में भारतीय गेंदबाज न्यूजीलैंड की पहली पारी को 235 रनों पर समेटने में सफल रहे थे। दूसरी पारी में टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने आसानी से न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों के आगे घुटने टेक दिए थे और पूरी टीम महज 124 रन बनाकर सिमट गई थी। न्यूजीलैंड ने 132 रनों के लक्ष्य को 3 विकेट खोकर हासिल करते हुए टेस्ट मैच को तीसरे ही दिन अपने नाम कर लिया था। हालांकि, शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इस बार पिछली हार का हिसाब चुकता करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। न्यूजीलैंड ने इस ग्राउंड पर अब तक कुल 15 टेस्ट मैच खेले हैं और टीम को 9 में जीत हासिल हुई है। हेगली ओवल में न्यूजीलैंड को 4 टेस्ट मैचों में हार का सामना करना पड़ा है, जबकि 2 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। भारतीय टीम के लिहाज से पहला टेस्ट मैच शानदार रहा था। भारत का बल्लेबाजी क्रम जबरदस्त फॉर्म में नजर आया था। केएल राहुल और ऋषभ पंत शतकीय पारियां खेलने में सफल रहे थे, तो यशस्वी जायसवाल, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल और कप्तान गिल ने भी अर्धशतकीय पारियां खेली थीं।

भारतीय टीम पहली पारी में ही 720 रन बनाने में सफल रही थी, जो न्यूजीलैंड की धरती पर टेस्ट में बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर था। हालांकि, भारतीय टीम के गेंदबाज दूसरी पारी में संघर्ष करते हुए जरूर दिखाई दिए थे। टीम के गेंदबाज आखिरी दो सेशन में सिर्फ एक ही विकेट निकालने में सफल रहे थे और न्यूजीलैंड टेस्ट मैच को ड्रॉ कराने में कामयाब रहा था।

दो बार शून्य पर आउट हुए लाथम, बुमराह ने दोनों पारियों में किया था शिकार, क्या निकाल पाएंगे तोड़?

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लाथम जानते हैं कि जसप्रीत बुमराह का सामना करना आसान नहीं है। भारत के तेज गेंदबाज ने सीरीज के पहले टेस्ट की दोनों पारियों में उन्हें खाता भी नहीं खोलने दिया था। इसके बावजूद लाथम दूसरे टेस्ट में अपनी बल्लेबाजी की शैली में कोई बड़ा बदलाव नहीं करना चाहते हैं। उनका कहना है कि उनकी तैयारी पिछले सप्ताह जैसी ही है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का दूसरा टेस्ट शुक्रवार से क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल में खेला जाएगा। बुमराह की अनूठी गेंदबाजी शैली और बल्लेबाज के करीब गेंद डालने की क्षमता उन्हें खास बनाती है। स्विंग के अनुकूल परिस्थितियों में उनका सामना करना और भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है।



अपनी बल्लेबाजी में बदलाव नहीं करना चाहते लाथम

लाथम अपनी बल्लेबाजी शैली पर ही कायम रहना चाहते हैं। उनका मानना है कि तकनीक में बदलाव करने के बजाय अपने विचारों में स्पष्टता रखना ज्यादा जरूरी है। उन्होंने कहा, 'कभी-कभी मुश्किल यह होती है कि अगर कुछ अलग करने की कोशिश सफल नहीं होती, तो इससे ध्यान भटक जाता है। लेकिन मुझे लगता है कि अगर आज मैं इस मुकाम पर हूं तो इसका कारण यही है कि मैं जो कर रहा हूं, उसे लेकर पूरी तरह स्पष्ट हूं।' लाथम ने कहा, 'तकनीक के मामले में इसे बिल्कुल सरल रखना सबसे महत्वपूर्ण है। चुनौती यह हो सकती है कि उस सोच से बाहर निकलकर रन बनाने का कोई जादुई तरीका खोजने की कोशिश की जाए। लेकिन हमारे खेल में ऐसा कोई जादुई तरीका नहीं है।'



बुमराह की गेंदबाजी शैली को बताया चुनौतीपूर्ण

दूसरे टेस्ट की पूर्व संध्या पर लाथम ने बुमराह की गेंदबाजी पर बात की। उन्होंने कहा, 'जसप्रीत बुमराह निश्चित रूप से चुनौती पेश करते हैं, चाहे वह नई गेंद से गेंदबाजी कर रहे हों या पुरानी गेंद से। उनकी गेंदबाजी शैली अनूठी है और वह दूसरे गेंदबाजों की तुलना में गेंद को बल्लेबाज के थोड़ा अधिक करीब डालते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण उस गेंद को खेलने के लिए खुद को तैयार रखना है, जो सबसे खतरनाक साबित हो सकती है। हो सकता है कि कुछ खिलाड़ियों का खेलने का तरीका मुझसे बिल्कुल अलग हो।'

विमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी अपने विजय रथ को बरकरार रखना चाहेगी भारतीय टीम

सेमीफाइनल में मलेशिया से होगी भिड़ंत



भोपाल (एजेंसी)। लगातार पांच जीत दर्ज करके शानदार फॉर्म में मौजूद भारतीय विमेंस हॉकी टीम शुक्रवार को नाथू बरखेड़ा स्थित इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में विमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 के सेमीफाइनल में मलेशिया से भिड़ेगी। मौजूदा चैंपियन भारत ने 2016, 2023 और 2024 में महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता है। अब टीम अपने चौथे खिताब की तलाश में है, जो उसे इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम बना देगा। भोपाल संस्करण की शुरुआत से पहले, भारत और साउथ कोरिया दोनों के नाम तीन-तीन चैंपियनशिप थीं। मुख्य कोच स्योर्ड मारिन के मार्गदर्शन में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है। टीम ने पांच मैचों में 15 अंक हासिल करके अंक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। मौजूदा चैंपियन ने 23 गोल किए हैं और केवल चार गोल खाए हैं, जिससे उनका गोल अंतर प्लस 19 रहा है। भोपाल में भारत का अब तक का प्रदर्शन उनकी आक्रामक क्षमता और मजबूत डिफेंस को दर्शाता है। इसी शानदार खेल की बदौलत भारतीय टीम इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन (एफआईएच) रैंकिंग में विश्व नंबर 4 के ऐतिहासिक मुकाम पर पहुंच गई है।

दीपिका इस टूर्नामेंट की सबसे प्रभावशाली आक्रामक खिलाड़ियों में से एक बनकर उभरी हैं। उन्होंने आठ गोल के साथ स्कोरिंग चार्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया है, जिसमें थाईलैंड और चीन के खिलाफ लगाई गई हैट्रिक भी शामिल है। हालांकि, मेजबान टीम की ताकत सिर्फ उनके टॉप स्कोरर तक ही सीमित नहीं है। लालरेमसियामी, नवनीत कौर, मुमताज खान, नेहा, साक्षी राणा और सुनेलिता टोप्पो ने भी टीम के लिए अहम योगदान दिया है।

मिडफील्ड में नवनीत ने मौके बनाने और पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने में अहम भूमिका निभाई है, जबकि कप्तान सलीमा टेटे ने अपने पासिंग, मूवमेंट और नेतृत्व क्षमता से टीम को मजबूती दी है। साक्षी, सुनेलिता और नेहा के

'आप ऐसे कारनामे कर रहे हैं, जो हमारे में से ज्यादातर लोग पूरे करियर में नहीं कर पाते'

पीटरसन हुए वैभव के फैन

नई दिल्ली(एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की है। एसीसी मेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ रिकॉर्ड तोड़ने वाला दोहरा शतक लगाने के बाद पीटरसन ने कहा कि 15 साल का यह खिलाड़ी ऐसे कारनामे कर रहा है, जो ज्यादातर क्रिकेटर अपने पूरे करियर में भी नहीं कर पाते। सूर्यवंशी ने शानदार पावर-हिटिंग का प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 53 गेंदों में 204 रन बनाए। उनकी इस पारी में 28 छक्के और 7 चौके शामिल थे, जिसकी मदद से भारत-ए ने 7 विकेट से जीत दर्ज की और सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया। इस युवा खिलाड़ी की असाधारण पारी पर प्रतिक्रिया देते हुए पीटरसन ने सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई दी और उन्हें बेहद शानदार प्रतिभा बताया। पीटरसन ने अपने 'एक्स' पर लिखा, 'अपने करियर की शुरुआत में ही लगातार रिकॉर्ड तोड़ना वाकई कमाल है। आप ऐसे कारनामे कर रहे हैं जो हमारे में से ज्यादातर लोग अपने पूरे करियर में नहीं कर पाते। आपको और ताकत मिले, मुझे आपका सफर देखना बहुत पसंद है।' बिहार के इस युवा बल्लेबाज ने यूएई के खिलाफ रन चेज के दौरान लिस्ट-ए क्रिकेट के रिकॉर्ड बुक को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने इस फॉर्मेट में सबसे तेज शतक और दोहरा शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने सिर्फ 28 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो ऑस्ट्रेलिया के जेक फ्रेजर-मैकगर्क के रिकॉर्ड से बेहतर है।



फ्रेजर-मैकगर्क ने 2023 में तस्मानिया के खिलाफ साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए 29 गेंदों में शतक लगाया था। सूर्यवंशी ने सिर्फ 52 गेंदों में अपना पहला दोहरा शतक पूरा किया। इसके साथ ही उन्होंने लिस्ट-ए की एक पारी में किसी बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत-ए ने सिर्फ 14.2 ओवर में 254/3 रन बनाते हुए आसानी से मैच को अपने नाम किया।

सुरेश रैनाः टी20 इंटरनेशनल में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज

विश्व कप 2011 में निभाई थी अहम भूमिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने अपने इंटरनेशनल करियर में कई बड़े मुकाम हासिल किए। वह टी20 इंटरनेशनल में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज रहे। इसके साथ ही उन्होंने वनडे विश्व कप 2011 में टीम इंडिया को चैंपियन बनाने में भी अहम भूमिका निभाई। सुरेश रैना का जन्म 27 नवंबर 1986 को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के मुरादनगर में हुआ। रैना की क्रिकेट में दिलचस्पी अपने बड़े भाई मुकेश को क्रिकेट खेलते देखकर जागी। वह मुरादनगर के वीनस क्रिकेट क्लब में भाई के साथ



जाया करते थे। रैना ने जल्द ही इस खेल में अपना करियर बनाने की ठान ली। रैना ने क्लब स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और जल्द ही उत्तर प्रदेश की अंडर-16 टीम में जगह बना ली। अंडर-17 और अंडर-19 टीमों के लिए दमदार प्रदर्शन करने के बाद रैना ने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में अपना डेब्यू साल 2003 में किया।

घरेलू क्रिकेट में रैना ने लगातार अपनी बल्लेबाजी से काफी प्रभावित किया। 109 फर्स्ट-क्लास मैचों में रैना ने 42.15 की औसत से खेलते हुए 6,871 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 14 शतक और 45 अर्धशतक लगाए।

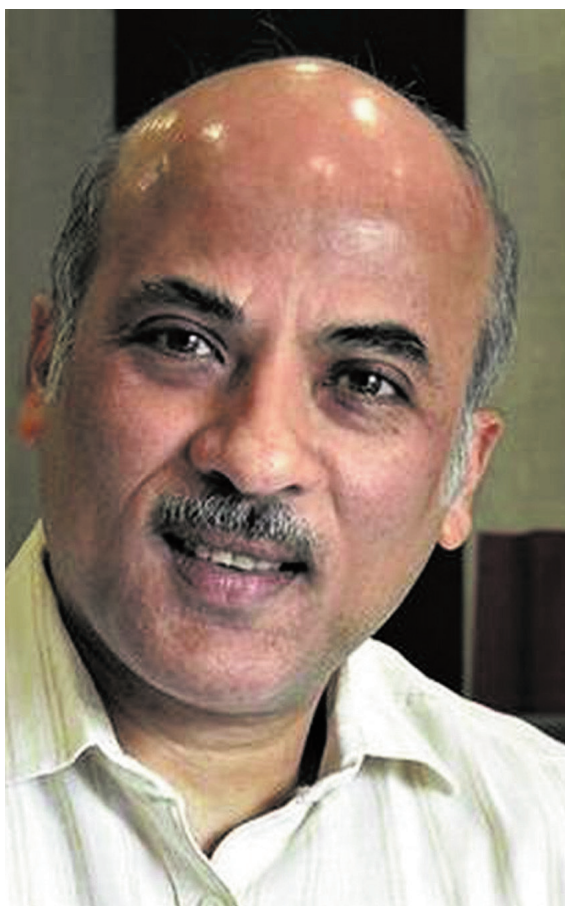

सूरज ने परिवार की बदलती तस्वीर और फैमिली एंटरटेनमेंट के भविष्य पर बात की

निर्देशक सूरज बड़जात्या एक बार फिर पारिवारिक रिश्तों की नई परिभाषा लेकर आ रहे हैं। आयुष्मान खुराना और शरवरी स्टारर उनकी नई फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' में परिवार, बदलती पीढ़ी की सोच और रिश्तों के बीच संतुलन जैसे मुद्दे दिखेंगे। सूरज ने परिवार की बदलती तस्वीर और फैमिली एंटरटेनमेंट के भविष्य पर खुलकर बात की...

आज की जेन जी परिवार से ज्यादा अपनी पहचान और पर्सनल स्पेस को महत्व देती है। आपकी फिल्म क्या कहती है?

यह बदलाव हमें स्वीकार करना पड़ेगा। हमारे समय में हम अपनी इच्छाएं माता-पिता के सामने नहीं रखते थे। उन्होंने जो कहा, वही किया। लेकिन आज के बच्चे अपनी प्राथमिकताएं बताते हैं, सवाल करते हैं और फैसलों में भागीदारी चाहते हैं। मुझे लगता है कि यह गलत नहीं है। माता-पिता के तौर पर हमें उनकी बात सुननी और समझनी चाहिए। जरूरी नहीं कि हर बार हमारा अनुभव ही सही हो। उनकी बातों के पीछे भी एक नजरिया और तर्क होता है। असल जरूरत दोनों पीढ़ियों के बीच संतुलन बनाने की है। समाज बदल रहा है तो हमारी फिल्मों को भी बदलना होगा। मेरी नई फिल्म इसी सोच पर आधारित है।

'ये प्रेम मोल लिया' में परिवार के किस पहलू को दिखाया है?

मैं इसे अपनी सबसे प्रोग्रेसिव फैमिली फिल्मों में से एक मानता हूं। इसका संदेश है कि माता पिता को बच्चों की प्राथमिकताओं का सम्मान करना चाहिए। मेरी 'हम आपके हैं कौन' में नजरिया था कि परिवार के साथ रहना कितना खूबसूरत होता है। सबका एक साथ होना मेरी ड्रीम वर्ल्ड का हिस्सा था। 'हम साथ-साथ हैं' में भी संदेश था कि बच्चों को सही संस्कार दें तो परिवार में बहुत कुछ अच्छा हो सकता है। इस फिल्म में हम कहना चाहते हैं कि मायका और ससुराल दो अलग-अलग घर नहीं, बल्कि एक परिवार जैसे होने चाहिए।



आयुष्मान और शरवरी को कास्ट करने की क्या वजह रही

इस कहानी का विषय प्रोग्रेसिव है और आज की पीढ़ी से जुड़ा हुआ है। इसलिए सबसे पहले मेरे दिमाग में आयुष्मान का नाम आया। उनकी फिल्मोग्राफी में ऐसे कई किरदार हैं, जो समाज की स्थापित धारणाओं को सहजता से चुनौती देते हैं। मुझे लगा कि वह इस कहानी को बिना किसी अतिरिक्त आक्रामकता के स्वाभाविक और रिलेटेबल बना पाएंगे। वहीं शरवरी मेरे लिए सरप्राइज पैकेज हैं। मैंने उनकी एक फिल्म में बॉक्सिंग का शॉट देखा था, जिसमें उनका समर्पण प्रभावित करने वाला था। मुझे ऐसी लड़की चाहिए थी, जो अपने विचारों पर मजबूती से खड़ी हो सके। मुझे संदेह था कि इतनी कम उम्र में वह मैच्योर किरदार निभा पाएंगी या नहीं, लेकिन उन्होंने हर कदम पर सरप्राइज किया। उन्होंने किरदार और फिल्म की इंडियननेस को पूरी तरह अपनाया है।



शरद कपूर की मदद की अपील पर बोलीं त्रिधा चौधरी

अभिनेता शरद कपूर इन दिनों अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। करीब 2-3 साल से बिस्तर पर रहने के बाद अब वह दोबारा काम शुरू करना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक वीडियो पोस्ट कर फिल्म इंडस्ट्री के सीनियर कलाकारों और लोगों से मदद मांगी। शरद कपूर के इस वीडियो पर अभिनेत्री त्रिधा चौधरी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने शरद के हिम्मत दिखाकर मदद मांगने की तारीफ की और बताया कि मुश्किल वक्त में अपनी परेशानी सामने रखने से दूसरे लोग भी प्रेरित हो सकते हैं। त्रिधा चौधरी ने यह बात टीसीईएल 2027 के दौरान खास बातचीत में कही। उन्होंने कहा कि आर्थिक परेशानी के दौर में मदद मांगना कोई गलत बात नहीं है। उन्होंने कहा, ''आप जानते हैं कि हम कलाकार हैं और लोग हमें पर्दे पर देखते हैं। दर्शक हमारी काफी सराहना भी करते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि अगर वह किसी को प्रेरित करना चाहते हैं और आर्थिक परेशानी से गुजरने के बावजूद मदद मांगने से नहीं डरते, तो दूसरे लोगों को भी ऐसा ही करना चाहिए। मुझे लगता है कि इस मामले में वह एक अच्छी मिसाल पेश कर रहे हैं।''

दरअसल, अभिनेता शरद कपूर हाल ही में अपने एक भावुक वीडियो की वजह से चर्चा में आए थे। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में उन्होंने बॉलीवुड इंडस्ट्री से काम देने की अपील की थी। उन्होंने बताया कि वह पिछले दो से तीन साल से बिस्तर पर हैं। उन्होंने इंडस्ट्री के अपने वरिष्ठ साथियों से मदद मांगी थी ताकि वह एक बार फिर अपने करियर को पटरी पर ला सकें। त्रिधा से पहले अभिनेत्री नेहा धूपिया ने भी शरद कपूर की स्थिति पर प्रतिक्रिया दी थी। आईएएनएस से बातचीत में उन्होंने कहा, ''जब आप इस तरह के वीडियो देखते हैं तो सच में आपका दिल उनके लिए दुखी होता है और आपको अंदर तक भावुक कर देता है। मनोरंजन जगत एक ऐसा पेशा है, जो कलाकारों की जिंदगी का अहम हिस्सा बन जाता है। एक बार इस दुनिया का हिस्सा बनने के बाद इससे अलग होना आसान नहीं होता।'' उन्होंने कहा, ''मैं उम्मीद करती हूं कि हर कोई हमेशा अच्छा करे और किसी को मुश्किलों का सामना न करना पड़े। लांकि, मैं नहीं जानती कि मेरी यह उम्मीद कितनी पूरी हो सकती है।''

हेली दारूवाला ने भुवन बाम के साथ काम करने के अनुभव को शेयर किया



अभिनेत्री हेली दारूवाला इन दिनों भुवन बाम की कॉमेडी वेब सीरीज 'ढिंढोरा सीजन 2' में रम्या के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री हेली दारूवाला ने भुवन बाम के साथ काम करने के अनुभव को शेयर किया। अभिनेत्री का कहना है कि उनके लिए ऐसे शो का हिस्सा बनना एक शानदार मौका था, जिसने पहले से ही दर्शकों के दिलों में खास जगह बना रखी है। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि वह काफी समय से भुवन बाम के काम को फॉलो करती आ रही हैं। हेली दारूवाला ने भुवन बाम की क्रिएटिविटी और कॉमिक टाइमिंग की तारीफ करते हुए कहा, 'भुवन के साथ काम करना और 'ढिंढोरा 2' जैसे कल्ट-क्लासिक शो का हिस्सा बनना बेहद खुशी की बात थी। रम्या का स्पेशल अपीयरेंस शूट करना बहुत मजेदार था। भुवन बहुत ही आसानी से लोगों को हंसा देते हैं और हम सेट पर इतना हंसे कि हमारे पेट में दर्द हो गया।'

उन्होंने बताया कि भले ही टीम के साथ उनका यह पहला प्रोजेक्ट था, लेकिन उन्हें कभी ऐसा महसूस नहीं हुआ कि वह पहली बार काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने लंबे समय से भुवन के काम को फॉलो किया है और हमेशा से उनके काम की फैन रही हूं, लेकिन उन्हें पर्सनली जानने के बाद मेरी तारीफ और बढ़ गई। वह न सिर्फ बेहद टैलेंटेड हैं, बल्कि एक बेहतरीन इंसान भी हैं।' यह सीरीज 20 नवंबर, 2026 को रिलीज हो चुकी है और अभिनेत्री ने दर्शकों की तरफ से मिल रहे रिस्पॉन्स पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, 'अब जब शो आ चुका है, तो इंडस्ट्री के दोस्तों से अपने सीन की तारीफ वाले कॉल मिलना दिल को छू लेने वाला है, वहीं फैंस मुझे मेरे अपीयरेंस के स्क्रीनशॉट भेज रहे हैं। इस तरह का प्यार और तारीफ इस अनुभव को और भी खास बना देती है। मैं इस शानदार शो का हिस्सा बनकर सच में बहुत खुश हूं।' 8-एपिसोड वाली सीरीज में भुवन बाम (9 अलग-अलग किरदारों में) और कविता मामी के रूप में संजीदा शेख मुख्य भूमिकाओं में हैं।



ट्रोलिंग पर बोले बाबिल, मैं जैसा हूं, वैसा ही रहूंगा



दिवंगत एक्टर इरफान खान के बेटे और एक्टर बाबिल खान अक्सर अपने भावुक स्वभाव को लेकर ट्रोल होते हैं। कुछ लोग उनके जज्बातों को दिखावा भी बताते हैं। अब एक मीडिया से बातचीत में बाबिल ने ट्रोलिंग पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में 6 साल बिताने के बाद अब उन्होंने निगेटिविटी से दूरी बनाकर आगे बढ़ना सीख लिया है। बाबिल ने कहा, 'मैं जैसा हूं, वैसा ही रहूंगा। खुद को वैसा ही बनाए रखने के लिए मुझे बहुत कुछ झेलना पड़ा है।' बता दें कि साल 2024 में एक इवेंट के दौरान गलती से एक महिला की तस्वीर के बीच आने पर बाबिल का माफी मांगने वाला वीडियो वायरल हुआ था। इसके बाद उन्हें दिखावटी कहकर ट्रोल किया गया। वहीं, मई 2025 में बॉलीवुड पर बात करते हुए भावुक होने का उनका वीडियो भी चर्चा में रहा था। बाबिल ने कैमरा असिस्टेंट के तौर पर करियर शुरू किया था और 2022 में फिल्म 'कला' से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था।

कोयला माफिया की कहानी में नजर आएंगे सिद्धांत चतुर्वेदी

सिद्धांत चतुर्वेदी जल्द ही सीरीज 'काला' में अभिनय करते नजर आएंगे। सूत्रों के मुताबिक सीरीज की शूटिंग का काम जारी है। यह किरदार एक्टर के बाकी किरदारों से काफी अलग होगा। फिल्म की शूटिंग पुणे में हो रही है।

क्या है 'काला' कहानी

सिद्धांत चतुर्वेदी आगामी दिनों में एक एक्शन ड्रामा सीरीज में दिखाई देंगे। मिली जानकारी के मुताबिक वह जल्द भी सीरीज 'काला' से फैंस का मनोरंजन करेंगे। इस सीरीज की कहानी झारखंड के कोयला माफिया पर आधारित है। इसकी शुरुआत 1960 के दशक से होगी। कहानी में कई दशकों के दौरान कोयले के कारोबार में आए बदलाव, अपराध और उससे जुड़ी राजनीति को दिखाया जाएगा। इस सीरीज में वह अहम भूमिका निभाई रहे हैं। सीरीज का निर्देशन अभिषेक चौबे कर रहे हैं। वहीं इसका निर्माण एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले हो रहा है।

विकास बहल के साथ दूसरी फिल्म

सिद्धांत ने हाल ही में विकास बहल की फिल्म 'बोलो बोलो बोलो' का ब्रिटेन में शूटिंग खत्म की है। विकास के साथ यह उनकी दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' में साथ काम कर चुके हैं। इस फिल्म में सिद्धांत के साथ वामिका गब्बी और जया बच्चन नजर आएंगी। 'बोलो बोलो बोलो' की कहानी 1990 के दशक के ब्रिटेन की है। फिल्म में उस दौर में पंजाबी संगीत के बढ़ते चलन को दिखाया जाएगा। सिद्धांत इसमें ढोल बजाने वाले कलाकार की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, अलिजेह अग्निहोत्री गायिका के किरदार में हैं। जिम्मी शेरगिल और मोना सिंह भी फिल्म में नजर आएंगे। फिल्म को 2027 में रिलीज करने की तैयारी है।



अंकिता एक 'फैमिली गर्ल' हैं, जो बड़े परिवार को अकेले संभाल सकती हैं

अभिनेत्री अंकिता लोखंडे हाल ही में पति विक्की जैन के साथ नेहा धूपिया और उनके पति-अभिनेता अंगद बेदी के पॉडकास्ट 'डबल डेटिंग' में नजर आए थे। इस दौरान विक्की जैन ने पत्नी अंकिता लोखंडे से मुलाकात को जिंदगी का जैकपॉट बताया है। विक्की जैन ने बताया कि अंकिता के अंदर सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह एक 'फैमिली गर्ल' हैं, जो बड़े परिवार को अकेले संभाल सकती हैं और उनकी इसी खूबी ने उन्हें अपनी ओर आकर्षित किया। उन्होंने आगे कहा कि अंकिता के साथ रहने से उन्हें अपनी जिंदगी के 'दूसरे चैप्टर' में आने का मौका मिला। विक्की ने कहा कि उनका पहला चैप्टर ज्यादातर काम के इर्द-गिर्द ही घूमता था, लेकिन अंकिता के साथ रिश्ते ने उन्हें जिंदगी का एक और पहलू दिखाया। उन्होंने कहा, 'मुझे अंकिता के साथ अपनी जिंदगी का दूसरा चैप्टर जीने का मौका मिला। पहला चैप्टर ये था कि मैं एक बिजनेसमैन था। मैं बिलासपुर जैसे शहर में रहता था और सिर्फ काम पर फोकस करता था। जब मैं पहली बार अंकिता से मिला था, तब वे करीब 34-35 साल की थीं।' उन्होंने कहा कि वह दोनों हमेशा से एक ही सोशल सर्कल का हिस्सा थे और रिश्ता बनने से पहले एक-दूसरे को दोस्त के तौर पर जानते थे। उन्होंने यह भी बताया कि बिलासपुर उनकी 'कर्मभूमि' थी, जबकि मुंबई वह जगह थी, जहां वे दोस्तों से मिलने और अपनी सोशल लाइफ एंजॉय करने आते थे। उन्होंने कहा, 'बिलासपुर में मेरा काम चलता है और मुंबई में मैं दोस्तों के साथ मजे करने आता था, क्योंकि टेलीविजन इंडस्ट्री में मेरे बहुत सारे दोस्त हैं, तो अंकिता और मैं हमेशा दोस्त थे।' बता दें, विक्की और अंकिता ने अपने रिश्ते को एक कदम आगे बढ़ाते हुए दिसंबर 2021 में शादी कर ली थी। शादी के बाद दोनों कई रियलिटी शो (जैसे बिग बॉस-16 और लाफ्टर शेफ्स) में साथ नजर आए और सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी केमिस्ट्री को लेकर चर्चा में रहते हैं।



स्लिप डिस्क

ऑपरेशन टेबल पर ही दर्द से राहत

आधुनिक काल में जहां हर क्षेत्र में मानव ने विकास किया है और सफलता के झंडे गाड़े हैं वहीं बीमारियों का शिकार होने में भी शत प्रतिशत सहयोगी बना है। अगर आज के समय में बीमारियों या शरीर के विकारों की बात की जाए तो गिनती शायद कम पड़ जाएगी मगर शरीर के विकार खत्म नहीं हो पाएंगे और इस भागती दौड़ती जिंदगी में हमारा शरीर न जाने किन-किन विकारों की चपेट में आ जाता है। आज लगभग हर आदमी को अपने जीवन काल में कमर दर्द का अनुभव होता है। अब लोगों के लिए कमर दर्द भी एक बहुत बड़ी कष्टदायक समस्या बनी हुई है और अब ये दुनिया में एक महामारी का रूप लेता जा रहा है। आज हर उम्र के लोग इससे परेशान हैं और दुनिया भर में इसके सरल व सहज इलाज की खोज जारी है।



मनुष्य के शरीर में कमर को सबसे मजबूत भाग माना जाता है व हमारी कमर की बनावट में हड्डियां, कार्टिलेज(डिस्क), जोड़, मांसपेशियां, लिगामेंट व नसें आदि सभी शामिल हैं। इनमें से किसी के भी विकारग्रस्त होने पर कमर दर्द उत्पन्न हो सकता है। मैकेनिकल कारणों के साथ टीबी से लेकर कैंसर तक कोई भी कारण दर्द पैदा कर सकता है। कमरदर्द का शिकार पुरूषों से अधिक महिलाएं होती हैं जिसका मुख्य कारण होता है कमर की मांसपेशियों की कमजोरी। इसका दूसरा कारण है कमर की हड्डियों के जोडों में विकार है। कमर दर्द से जुड़ी बीमारियों के प्रायःलक्षण हैं-पैरों का सुन्न होना, भारी या कमजोरी का एहसास होना,पेशाब में परेशानी, चलने पर पैरों के दर्द का बढना, झुकने या खांसने पर पूरे पैर में करंट जैसा लगना आदि। कई बार रोगियों की चाल शराबियों जैसे लडखड़ाती चाल हो जाती है। कमर दर्द के कई मुख्य कारण है। ये सभी कारण कई रीढ़ संबंधी बीमारियों को जन्म देती है जैसे-स्पोंडिलाइटिस, सर्वाइकल, टी.बी, कमर में ट्यूमर, स्लिड डिस्क आदि। स्लिप डिस्क इसमें से एक बहुत ही गंभीर समस्या बन गई है।

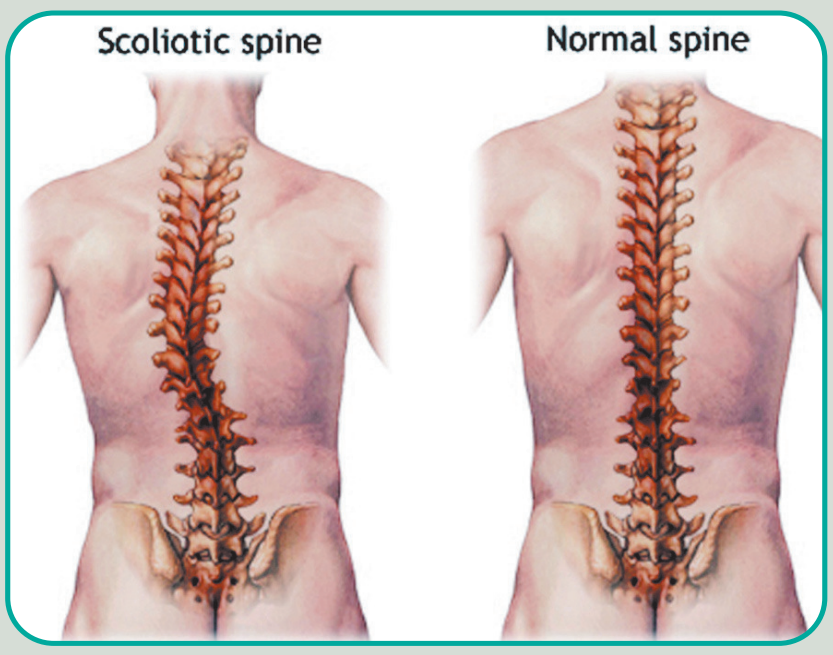

दरअसल स्लिप डिस्क ऐसी बीमारी है जिसे समझने के लिए रीढ़ के बनावट के बारे में जानना जरूरी है। हमारी रीढ़ की हड्डी प्रायः 33 हड्डियों के जोड़ से बनती है और प्रत्येक दो हड्डियां आगे की तरफ एक डिस्क के द्वारा और पीछे की तरफ दो जोड़ों के द्वारा जुड़ी रहती है। यह डिस्क प्रायःरबड़ की तरह होती है जो इन हड्डियों को जोडने के साथ-साथ उनको लचीलापन प्रदान करती है। तो इन्हीं डिस्क में उत्पन्न हुए विकारों को कहते हैं स्लिप डिस्क और कमर दर्द से जुड़ी बीमारियों की पहचान है। कमर से लेकर पैरों में जाता हुआ दर्द जिसके साथ ही साथ पैरों का सुन्न या भारी होना या चीटियां चलने जैसा एहसास भी हो सकता है। आगे चलकर दर्द के मारे चलने में असमर्थ और कई बार लेटे-लेटे भी कमर से पैर तक असहनीय दर्द होता रहता है। स्लिप डिस्क का रोग कमर के अलावा गर्दन में भी हो सकता है। अभी तक पुराने स्लिप डिस्क के ऑपरेशन से लोग काफी भयभीत थे, क्यों कि इसमें नसों के कट जाने व अपाहिज हो जाने का डर रहता था। इस बीमारी से निजात पाने के लिए कई शोध किए जा रहे हैं तथा नई-नई आधुनिकताओं ने व कई प्रयोगों ने बहुत सी नवीन तकनीकों को जन्म दिया है मिनिमली इंवेसिव स्पाइन सर्जरी को %की होल सर्जरी' के नाम से भी जाना जाता है जिस में एक पतली दूरबीन जैसे एक यंत्र जिसे %एंडोस्कोप' कहा जाता है इस्तेमाल की जाती है जो कि एक छोटे से चीरे के द्वारा अंदर डाली जाती है। एंडोस्कोप एक छोटे वीडियो कैमरे से जुड़ा होता है जो कि मरीज के शरीर के अंदर की सभी गतिविधियों को ऑपरेशन के कमरे में रखे टीवी की स्क्रीन पर प्रदर्शित क रता है। एक या अधिक अतिरिक्त आधा इंच के चीरे के द्वारा फिर से एक छोटी शल्यक्रिया यंत्र डाला जाता है। कुछ महीनों बाद इस के निशान स्वयं दूर हो जाते है। स्लिप डिस्क के मरीज जिन्हें चाहे गर्दन से दर्द से या कमर में अब इस आसान व सुरक्षित विधि से निजात पा सकते है। यह सर्जरी केवल एक छोटे से छिद्र के द्वारा संभव हो जाती है और इसमें मरीज को बेहोश करने की भी आवश्यकता नहीं पड़ती। इस ऑपरेशन में टीवी पर देखते हुए एक चार मिलीमीटर का इंडोस्कोप सुन्न करके डिस्क में डाला जाता है और सी आर्म व टेलीविजन मॉनिटर पर 20 गुणा बड़ी तस्वीर को देखते हुए सूक्ष्म व सफल तरीके से निकाला भी जा सकता है। इस ऑपरेशन में आधे से एक घंटे का समय लगता है और मरीज को दर्द का आभास न हो इस लिए पूरे ऑपरेशन के दौरान चिकित्सक मरीज से बातचीत करता रहता है तथा स्लिप डिस्क के हटते ही मरीज को ऑपरेशन टेबल पर ही दर्द से राहत मिलने लगती है।

सर्दियों में संक्रमण से बचाता है लहसुन

लहसुन के कई फायदे है. सर्दियों में बहुत हद तक इससे राहत मिल सकती है. इसके सेवन से शरीर के प्रतिरोधी क्षमता बढती है, दांत दर्द आदि से राहत में इसका उपयोग किया जा सकता है. आइये जानते है इसकी कुछ खास विशेषताएं-



- लहसुन के सेवन से शरीर की प्रतिरोधी क्षमता बढ़ती है. इससे किसी भी प्रकार के संक्र मण का प्रभाव शरीर पर तुरंत नहीं होता.
- ठंड के दिनों में लहसुन के सेवन से सर्दी नहीं लगती. ठंड के दिनों में गाजर, अदरक और लहसुन का सूप बनाकर पीने से शरीर को एंटीबायोटिक्स मिलते हैं और ठंड कम लगती है.
- लहसुन के सेवन से दांतदर्द की समस्या में आराम मिलता है. लहसुन को लौंग के साथ पीसकर दांतों के दर्दवाले हिस्से पर लगाने से दर्द से तुरंत राहत मिलती है.
- गर्भावस्था के दौरान लहसुन का नियमति सेवन मां और शिशु, दोनों के स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है. यह गर्भ के भीतर शिशु के वजन को बढ़ाने में सहायक है.
- गठिया और अन्य जोड़ों के रोग में भी लहसुन का सेवन बहुत ही लाभदायक है.
- यदि रोज नियमति रूप से लहसुन की पांच कलियां खायी जाएं तो हृदय संबंधी रोग होने की संभावना में कमी आती है.
- लहसुन की पांच कलियों को थोड़ा पानी डाल कर पीस लें और इस पेस्ट में 10 ग्राम शहद मिला कर सुबह -शाम सेवन करें. इस उपाय को करने से सफेद बाल काले हो जायेंगे.
- लहसुन का तेल हथेली व पैरों के तलवों पर लगाने से मच्छर पास नहीं आते व स्किन सॉफ्ट हो जाती है.
- लहसुन के सेवन से वजन को घटाया जा सकता है, क्योंकि इसमें हमारे शरीर में बननेवाली वसा कोशिकाओं को नियमित करने की क्षमता है, जिससे वजन आसानी से घट जाता है.

कैसे पाएं स्वस्थ त्वचा



स्वास्थ्य रहने के लिए पौष्टिक भोजन को लेना बहुत जरुरी है. हर कोई चाहता है कि वह स्वस्थ्य रहे सुंदर दिखे. ऐसे में आप इन सब तरीकों को अपनाए तो आपकी सुंदरता निखरेगी और चेहरे में हमेशा चमक बनी रहेगी.

हाइड्रेट रहें - खूब पानी पीएं. हाइड्रेटेड फूड का सेवन अधिक करें. ताजी-हरी सब्जियां और रसदार फलों का सेवन बेहतर विकल्प है.

प्रोटीन का करें प्रयोग - ठंड में ऐसे पदार्थो का सेवन अधिक करें, जिनमें जिनमें एमिनो एसिड, बी 12 और विटामिन डी अच्छी मात्र में हों. ये मांस-मछली से तो प्राप्त होते ही हैं, इसके अलावा ये बीन्स और अनेक प्रकार की दालों से भी प्राप्त होते हैं.

अच्छे फैट का करें सेवन - ओमेगा-3 से भरपूर खाद्य पदार्थ काफी लाभदायक होते हैं. इसे सालमन मछली, बादाम आदि से प्राप्त किया जा सकता है.

डैमेज त्वचा को ठीक करता है विटामिन ए ः यह मछली के लिवर के तेल और सब्जियों, गाजर, मीठे आलू, लहसुन, अदरक आदि से प्राप्त होता है.

एलर्जिक स्किन रिएक्शन से बचाता है विटामिन सी ः इसे सेब, लहसुन, प्याज और हरी सब्जियों से प्राप्त कर सकते हैं. स्किन रिएक्शन कम करता है क्रेरसेटिंस ः इसे साइट्रस फूड, जैसे-संतरे, नीबू आदि और ग्रीन टी से प्राप्त किया जा सकता है. ड्रायनेस से बचाते हैं विटामिन बी कॉम्पलैक्स ः यह आमतौर पर मछली, बादाम, अंडे, हरी पत्तीदार सब्जियों में पाया जाता है. त्वचा को सुरक्षित रखता है विटामिन इ ः यह विटामिन भी मांस, मछली, अंडे, हरी पत्तीदार सब्जियों और ब्रोकली में मिलता है.

त्वचा को रिपेयर करता है जिंक - जिंक हमें कद्दू के बीज, लिवर, अंडे आदि से प्राप्त हो सकता है.

सर्दियों में तन की दुर्गंध से निजात पाने के घरेलु नुस्खे

कई बार ऐसा होता है कि सामने वाले से ऐसी दुर्गंध आती है कि उसके पास बैठना मुश्किल हो जाता है। ऐसा नहीं है कि जो लोग नहीं नहाते, उन्हीं के शरीर से दुर्गंध आती हो। कई बार नियमित तौर पर नहाने के बाद भी शरीर से दुर्गंध आती है, जिसका एक कारण तो यह भी है कि आजकल ज्यादातर लोग फील्ड वर्क करते हैं।

साधारण या ब्रांडेड डियोडोरैंट कुछ समय से ज्यादा शरीर की दुर्गंध को दूर नहीं भगा सकता, परंतु आप अपनी रूटीन में कुछ तरीकों को शामिल कर आसानी से इस समस्या को दूर भगा सकती हैं।

खाने-पीने की आदतों पर ध्यान दें

अपने खाने में प्याज एवं लहसुन का सेवन कम कर दें। यही नहीं, मेथी भी कम ही खाएं, क्योंकि इन खाद्य पदार्थों से शरीर के सूक्ष्म छिद्रों द्वारा उनकी गंध बाहर आने लगती है, जो दूसरों को दुर्गंध लगती है। ज्यादा मसालेदार खाने से भी परहेज करें।

प्रतिदिन स्नान करें - यदि आप हर रोज स्नान नहीं करते, तो शरीर से दुर्गंध आना स्वाभाविक है। हर दिन बढिया क्वालिटी के साबुन से स्नान करें। गर्मियों के दिनों में तो कम से कम दो बार स्नान अवश्य करें। सर्दियों में गुनगुने पानी से स्नान करें।

सही तरीके से खाएं बादाम



बादाम सर्वाधिक पोषक तत्वों से भरपूर मेवे हैं। ये विटामिन ई तथा फाइबर का बहुत बढिया स्रोत हैं साथ ही इनमें प्रोटीन, कॉपर, फासफोरस, मैग्रीशियम तथा रीबोफ्लेविन भी पाए जाते हैं। बादाम से भरपूर भोजन स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है।

- बादामों में मैग्रीशियम उच्च मात्रा में पाया जाता है। ये नींद तथा मांसपेशियों के आराम को बढ़ाते हैं। इसके साथ ही ये उन प्रोटीन्स की आपूर्ति भी करते हैं जो निद्रा के दौरान ब्लड शूगर के स्तर को स्थिर करने में सहायक होते हैं। यह 'अलर्ट एड्रेनालीन साइकिल' से 'रैस्ट एंड डाइजैस्ट साइकिल' की ओर ले जाकर आपकी नींद को बढिया बनाते हैं।
- इससे हृदय की रक्त वाहिकाएं स्वस्थ रहती हैं। रक्त में एंटीऑक्सीडैंट की मात्रा में उल्लेखनीय रूप से बढ़ौतरी होती है जिस कारण रक्तचाप बढ़ता है और रक्त प्रवाह में सुधार होता है।
- 8 बादाम के तेल में मलाई और नींबू के रस की चंद बूंदें मिलाकर त्वचा पर हल्के हाथों से मसाज करें। इसके प्रयोग से त्वचा की रंगत में निखार आता है।
- भोजन के बाद सीने में जलन होने पर अजवायन और एक बादाम दांतों से चबाकर खाएं।
- भूलने की आदत से छुटकारा पाने के लिए 9 बादाम रात को पानी में भिगो दें। सुबह छिलके उतारकर बारीक पीस कर पेस्ट बना लें और अब एक गिलास दूध गर्म करें। उसमें बादाम का पेस्ट घोल कर इसमें 3 चम्मच शहद भी डालें। दूध जब हल्का गर्म हो तब पिएं। यह मिश्रण पीने के बाद दो घंटे तक कुछ न खाएं।

मुस्कान न चुरा ले सर्दी

हाइपोथर्मियाबॉडी का वह स्टेट (अवस्था) है, जिसमें ठंड की वजह से टेंपरेचर नॉर्मल से कम हो जाता है. इसमें टेंपरेचर 35 डिग्री सेल्सियस से कम हो जाता है. इस बीमारी को टेंपरेचर के स्तर पर विभाजित किया जा सकता है. यदि बॉडी टेंपरेचर 32-35 डिग्री सेल्सियस है, तो माइल्ड हाइपोथर्मिया है. यदि 28-32 डिग्री सेल्सियस है, तो मॉडरेट और 28 डिग्री सेल्सियस से कम है, तो सीरियस हाइपोथर्मिया कहलाता है.

कैसे करता है प्रभावित

यह बीमारी बुजुर्गो को ज्यादा प्रभावित करती है. इसका कारण उम्र बढ़ने के साथ-साथ उनके बॉडी सिस्टम का कमजोर हो जाना है. हाइपोथर्मिया के लक्षण इसकी गंभीरता पर निर्भर करते हैं. माइल्ड हाइपोथर्मिया होने पर रोगी के हाथ सही तरीके से काम नहीं करते हैं. इसके अलावा पेट संबंधी समस्या भी देखने को मिलती है.

मॉडरेट हाइपोथर्मिया में पीड़ित व्यक्ति में कंपकंपाहट तेज होती है, ब्लड वेसेल्स सिकुड़ जाती हैं, मरीज का रंग पीला पड़ जाता है और उंगलियां, होठ नीले पड़ जाते हैं. सीरियस हाइपोथर्मिया में कंपकंपाहट नहीं होती. इसमें मरीज को बोलने में दिक्कत, सोचने में परेशानी आदि समस्या देखने को मिलती है. यह सबसे गंभीर अवस्था है, इसमें मरीज के कई अंग काम करना बंद भी कर सकते हैं.

कैसे करें बचाव

सर्दियों में अक्सर छोटी-सी लापरवाही भी परेशानी का कारण बन जाती है. हाइपोथर्मिया से बचने के लिए निम्न सावधानी जरूर बरतें-

- घर से बाहर निकलें तो शरीर का हर अंग ढक कर निकलें.
- सुबह-शाम की सर्द हवाओं से बचें.
- घर से निकलते समय खाना खाकर निकलें.
- नशीले पदार्थों का सेवन न करें.

इन रोगों का भी होता है खतरा

जुकाम और खांसी

यह समस्या बदलते मौसम में किसी को भी हो सकती है. यह समस्या एलर्जी की वजह से होती है. जुकाम-खांसी के साथ सर्दी लगने की वजह भी एलर्जी को ही माना जाता है. चिकित्सक बताते हैं कि यदि आप हेल्दी डायट लेते हैं, तो खुद को एलर्जी से बचा सकते हैं. खाने में विटामिन, प्रोटीन और मिनरल्स की मात्र संतुलित रखें.

फ्लू भी हो सकता है हावी

इस मौसम में वायरल इन्फेक्शन के कारण फ्लू भी आपको अपनी चपेट में ले सकता है. वायरल इन्फेक्शन में बुखार, सिरदर्द, आंखों से पानी बहना आदि लक्षण दिखाई देते हैं. वायरल इन्फेक्शन से बचने के लिए शरीर की साफ-सफाई का ख्याल रखें. इसके अलावा बाहरी खाने से परहेज करें.

क्या है उपचार

यदि व्यक्ति में हाइपोथर्मिया के लक्षण दिखाई दें रहे हैं, तो शुरुआती उपचार के तौर पर मरीज को कंबल से ढक कर रखें. जिस कमरे में मरीज को रख रहे हैं, उसका तापमान 24 डिग्री सेल्सियस हो. हीटर के माध्यम से हाइपोथर्मिया के मरीजों को गरम हवा भी दे सकते हैं. मरीज को ठंड के संपर्क में आने से बचाएं. यदि मरीज को डायबिटीज या अन्य कोई बीमारी है या हाइपोथर्मिया मॉडरेट या सीरियस लेवल का है, तो चिकित्सक से संपर्क कर उचित ट्रीटमेंट कराना चाहिए.

मौसम के बदलाव में कई बीमारियों का खतरा भी है. सर्दी-जुकाम होना तो आम बात है. हृदय रोग, अस्थमा आदि के मरीजों के लिए भी यह खतरनाक है. जरा-सी लापरवाही हाइपोथर्मिया का शिकार बना सकती है.

